ऑनलाइन सट्टेबाजी मामले में सुरेश रैना से पूछताछ-12

अमेरिकी शुल्क का प्रभाव 6 माह से ज्यादा टिकने वाला नहीं: सीईए - 12

अगले महीने न्यूयॉर्क जा सकते हैं प्रधानमंत्री मोदी - 13

खेल विधेयक छह महीने में लागू कर दिया जाएगा : मांडविया - 14

आज का मौसम

30.0° अधिकतम तापमान

27.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 05.40 | सूर्यास्त 06.46

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| कानपुर नगर |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

भाद्रपद कृष्ण पक्ष षष्ठी 02:07 उपरांत सप्तमी विक्रम संवत 2082

गुरुवार, 14 अगस्त 2025, वर्ष 3, अंक 355, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 5 रुपये

ब्रीफ न्यूज

तहव्वुर राणा को भाई से बात करने की अनुमति

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने 26/11 मुंबई हमले के आरोपी तहव्वुर हुसैन राणा को निजी वकील की नियुक्ति पर चर्चा के लिए इस महीने अपने भाई से तीन बार फोन पर बात करने की बुधवार को अनुमति दे दी। अदालत के सूत्रों ने बताया कि विशेष न्यायाधीश चंदर जीत सिंह ने डिजिटल माध्यम से पेश हुए राणा की न्यायिक हिरासत भी आठ सितंबर तक के लिए बढ़ा दी। फोन कॉल रिकॉर्ड किए जाएंगे और जेल अधिकारियों की मौजूदगी में अंग्रेजी या हिंदी में बातचीत होगी।

छह करोड़ की ठगी में एक व्यक्ति गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा से बी.टेक कर चुके एक व्यक्ति को सोशल मीडिया के जरिये 6.03 करोड़ रुपये की ठगी करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बुधवार को बताया कि आरोपी कृष्ण कुमार (29) को ग्रेटर नोएडा के कुलेसरा से गिरफ्तार किया गया और उसने शेयरों की खरीद-फरोख्त में भारी मुनाफे का वादा कर लोगों को कथित तौर पर ठगा।

अंतर्राज्यीय हेरोइन तस्कर गिरोह पकड़ा

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने हेरोइन तस्करी में लिप्त एक अंतरराज्यीय गिरोह का भंडाफोड़ किया है और इसके सरगना व सहयोगी को गिरफ्तार कर लिया है। एक अधिकारी ने बुधवार को बताया कि पुलिस ने आरोपियों के पास से 809 ग्राम हेरोइन बरामद की है, जिसकी अंतर्राष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत 80 लाख रुपये है।आरोपियों के पास से 3,300 रुपये और तीन मोबाइल फोन भी बरामद किए गए हैं।

चीनी मांझे के 112 रोल जब्त, तीन गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने स्वतंत्रता दिवस समारोह से पहले राष्ट्रीय राजधानी में अलग-अलग जगहों पर छापेमारी के दौरान प्रतिबंधित चीनी मांझे के 112 रोल बरामद किए और तीन लोगों को गिरफ्तार किया। एक पुलिस अधिकारी ने बुधवार को बताया कि आरोपियों की पहचान हरियाणा के रोहतक निवासी योगेश, दिल्ली निवासी हर्ष और राजीव के रूप में हुई है। गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए उत्तम नगर स्थित योगेश की दुकान जगदंबा स्टेशनरी से मांझे के 27 रोल बरामद किए।

अंदर देखें ... कैम्पस

अमृत विचार कैम्पस

जलवायु परिवर्तन के दौर में भी भरी

अन्नदाता की झोली

शार्टकट नहीं स्टार्टअप

पढ़ाई के साथ कमाई भी, जरा जल्दी करें अप्लाई

सरकार ने श्री बांके बिहारी मंदिर न्यास के गठन को विधानसभा में पेश किया विधेयक

न्यास संभालेगा संपत्ति और प्रशासन

- न्यास का गठन स्वामी हरिदास की परंपरा के अनुसार मंदिर के रीति-रिवाज के आधार पर किया

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश विधानसभा के मॉनसून सत्र के तीसरे दिन श्री बांके बिहारी मंदिर न्यास विधेयक को पेश किया गया। विधेयक स्पष्ट करता है कि मंदिर के चढ़ावे, दान और सभी चल-अचल संपत्तियों पर न्यास का अधिकार होगा। इसमें मंदिर में स्थापित मूर्तियां, मंदिर परिसर और प्रसीमा के भीतर देवताओं के लिए दी गई भेंट, उपहार, किसी भी पूजा-सेवा-कर्मकांड-समारोह-धार्मिक अनुष्ठान के समर्थन में दी गई संपत्ति, नकद या वस्तु रूपी अर्पण, तथा मंदिर परिसर के उपयोग के लिए डाक या तार से भेजे गए बैंक ड्राफ्ट और चेक तक शामिल हैं।

मंदिर की संपत्तियों में आभूषण, अनुदान, योगदान, हुंडी संग्रह सहित श्री बांके बिहारी जी मंदिर की सभी चल एवं अचल संपत्तियां शामिल मानी जाएंगी। वहीं, राज्य सरकार ने कहा है कि न्यास का गठन स्वामी हरिदास की परंपरा को आगे बढ़ाने के लिए किया गया है। स्वामी हरिदास के समय से चली आ रही रीति-रिवाज, त्योहार, समारोह और अनुष्ठान बिना किसी हस्तक्षेप या परिवर्तन के जारी रहेंगे। न्यास दर्शन का समय तय करेगा, पुजारियों की नियुक्ति करेगा और वेतन, भत्ते, प्रतिकर निर्धारित करेगा। साथ ही भक्तों और आगंतुकों की सुरक्षा तथा मंदिर के प्रभावी प्रशासन और प्रबंधन की जिम्मेदारी भी न्यास पर होगी।

न्यास गठन के बाद श्रद्धालुओं को विश्वस्तरीय सुख-सुविधाएं उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है। जैसे कि- प्रसाद वितरण, वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगों के लिए अलग दर्शन मार्ग, पेयजल, विश्राम हेतु बेंच, पहुंच एवं कतार प्रबंधन कियोस्क, गौशालाएं, अन्नक्षेत्र, रसोईघर, होटल, सराय, प्रदर्शनी कक्ष, भोजनालय और प्रतीक्षालय जैसी व्यवस्थाएं विकसित की जाएंगी।

विधानसभा में विधेयक पेश करने के दौरान मौजूद नेता सदन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना।

स्वामी हरिदास के वंशज ही बनेंगे राज-भोग और शयन-भोग सेवादार

लखनऊ। राज्य विधानसभा में बुधवार को पेश बांके बिहारी मंदिर न्यास विधेयक में न्यास के संरचना की भी रूपरेखा विस्तार से तय की गई है। इसमें 11 मनोनीत और 7 पदेन सदस्य होंगे। मनोनीत सदस्यों वैष्णव परंपराओं, संप्रदायों से होंगे। जबकि पीठों से 3 प्रतिष्ठित सदस्य (जिनमें साधु-संत, मुनि, गुरु, विद्वान, मठाधीश, महंत, आचार्य, स्वामी शामिल हो सकते हैं)। वहीं, सनातन धर्म की परंपराओं, संप्रदायों के अलावा पीठों से 3 सदस्य (उसी श्रेणी के प्रतिष्ठित व्यक्तित्व) शामिल होंगे। इसके अलावा सनातन धर्म की किसी भी शाखा, संप्रदाय से 3 सदस्य (प्रतिष्ठित व्यक्ति, शिक्षाविद्, विद्वान, उद्यमी, वृत्तिक, समाजसेवी, गोस्वामी परंपरा से 2 सदस्य- स्वामी हरिदास के वंशज जैसे एक राज-भोग सेवादारों और दूसरा शयन-भोग सेवादारों का प्रतिनिधि हो सकते हैं।

सनातनी अधिकारी ही होंगे नामित, तीन वर्ष रहेगा कार्यकाल

न्यास की संरचना के तहत इसमें शामिल सभी मनोनीत सदस्य सनातनी हिंदू होंगे जिनका कार्यकाल 3 वर्ष का होगा। पदेन सदस्य में मथुरा के जिला मजिस्ट्रेट, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, नगर निगम आयुक्त, उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ क्षेत्र विकास परिषद के सीईओ, बांके बिहारी मंदिर ट्रस्ट के सीईओ और राज्य सरकार का नामित प्रतिनिधि शामिल होंगे। अगर कोई पदेन सदस्य सनातन धर्म को नहीं मानने वाला अथवा गैर-हिंदू हुआ, तो उसकी जगह उससे कनिष्ठ अधिकारी को नामित किया जाएगा।

2047 तक उप्र को विकसित बनाने का संकल्प दोहराया

- 24 घंटे की ऐतिहासिक चर्चा, पेश किया विकसित यूपी का खाका

लखनऊ। विधानसभा की कार्यवाही बुधवार सुबह शुरु होते ही विकसित भारत, विकसित यूपी विजन डॉक्युमेंट 2047 पर लगातार 24 घंटे की चर्चा शुरू हो गई है। इसमें सरकार के मंत्रीगण विभागवार उपलब्धियां और विजन रख रहे हैं जबकि विपक्षी नेता सवालों के साथ अपने सुझाव भी रख रहे हैं।

चर्चा के दौरान सरकार के वरिष्ठ मंत्रियों ने प्रदेश की आर्थिक प्रगति, सामाजिक न्याय, पर्यावरण संरक्षण और बुनियादी ढांचे के विकास पर अपने विचार रखे। मंत्रियों ने 2047 तक उत्तर प्रदेश को देश का सबसे विकसित राज्य बनाने का संकल्प दोहराया, जिसमें जीरो पॉवर्टी, विश्वस्तरीय इन्फ्रास्ट्रक्चर और तकनीकी नवाचार जैसे लक्ष्य शामिल हैं।

हम ऐसा राज्य देखना चाहते हैं, जो डिजिटल पब्लिक गुड्स आधारित राज्य हो, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वन अर्थ वन हेल्थ विजन के अनुरूप मेडिकल टूरिज्म, फार्मा उत्पादन, बायोटेक इनोवेशन में यूपी की सक्रिय भूमिका रहेगी।
– **ब्रजेश पाठक**, उप मुख्यमंत्री

उत्तर प्रदेश की बिजली व्यवस्था को दुनिया की सर्वश्रेष्ठ बनाया जाएगा। हमने 2047 तक बिजली और नगरीय व्यवस्थापन में उत्तर प्रदेश को रामराज्य के वैभव तक पहुंचाने का संकल्प लिया गया है।
– **अरविंद शर्मा**, नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री

राज्य की जीएसडीपी 29.87 लाख करोड़ तक पहुंच चुकी है, चालू वित्तीय वर्ष में 35 लाख करोड़ रुपये तक ले जाने का लक्ष्य है। 40 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव मिले हैं, पूर्वांचल और बुंदेलखंड जैसे क्षेत्रों में उद्योग स्थापित हो रहे हैं। – **सुरेश खन्ना**, वित्त मंत्री

प्रदेश के सभी बांधों का आधुनिकीकरण, बाढ़ पूर्वानुमान प्रणाली को लागू करने और नदियों को प्रदूषण मुक्त करने की सरकार की योजना है। नहरों के किनारे बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण भी किया जाएगा।
– **स्वतंत्र देव सिंह**, जलशक्ति मंत्री

आवारा कुत्तों के मामले में विचार करेगा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी

- प्रधान न्यायाधीश ने याचिका पर गौर करने का दिया आश्वासन

भारत के प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई ने आवारा कुत्तों से संबंधित एक याचिका का उच्चतम न्यायालय में तत्काल सुनवाई के लिए उल्लेख किए जाने पर बुधवार को आश्वासन दिया कि वह इस पर गौर करेंगे। प्रधान न्यायाधीश गवई और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की पीठ के समक्ष एक वकील ने 'कॉन्फ्रेंस फॉर ह्यूमन राइट्स (इंडिया)' की याचिका का उल्लेख किया।

प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि एक अन्य पीठ आवारा कुत्तों के संबंध में एक आदेश पहले ही पारित कर चुकी है। न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने सोमवार को कहा था कि कुत्तों के काटने की घटनाओं ने बेहद गंभीर स्थिति पैदा कर दी है और उसने दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में सभी आवारा कुत्तों को स्थायी रूप से शीघ्र अति शीघ्र स्थानांतरित करने का आदेश दिया था।

वकील ने न्यायमूर्ति जे के माहेश्वरी की अगुवाई वाली पीठ द्वारा मई 2024 में पारित उस आदेश का बुधवार को हवाला दिया, जिसमें आवारा कुत्तों के मुद्दे से संबंधित याचिकाओं को संबंधित उच्च न्यायालयों में

स्थानांतरित कर दिया गया था। इसके बाद प्रधान न्यायाधीश ने आश्वासन दिया कि वह इस पर गौर करेंगे।

'कॉन्फ्रेंस फॉर ह्यूमन राइट्स (इंडिया)' की याचिका में दावा किया गया है कि उस पशु जन्म नियंत्रण (कुत्ते) नियम, 2001 का पालन नहीं किया जा रहा जिसमें आवारा कुत्तों की बढ़ती संख्या को नियंत्रित करने के लिए नियमित बधियाकरण और टीकाकरण कार्यक्रम अनिवार्य किए गए हैं।

न्यायालय ने सोमवार को कहा था कि कुत्तों के लिए आश्रय स्थलों की संख्या समय के साथ बढ़ानी होगी। न्यायालय ने दिल्ली के अधिकारियों को निर्देश दिया था कि वे छह से आठ सप्ताह के भीतर लगभग 5,000 कुत्तों के लिए आश्रय स्थल बनाएं।

तिहाड़ में जबरन वसूली, जेल के नौ अधिकारी निलंबित

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय को बुधवार को बताया गया कि तिहाड़ जेल के नौ अधिकारियों को जेल के अंदर कैदियों के साथ मिलकर जबरन वसूली गिरोह चलाने के आरोप में निलंबित और स्थानांतरित कर दिया गया है। मुख्य न्यायाधीश डी.के. उपाध्याय और न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की पीठ ने दिल्ली सरकार और सीबीआई को मामले में अपनी स्थिति रिपोर्ट दाखिल करने के लिए आठ सप्ताह का समय दिया तथा मामले की अगली सुनवाई 28 अक्टूबर तक के लिए स्थगित कर दी।

दिल्ली सरकार ने कहा कि उसने जेल के नौ अधिकारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू की है और इन अधिकारियों को निलंबित और स्थानांतरित कर दिया गया है। पीठ ने स्थिति रिपोर्ट दाखिल करने के लिए समय देते हुए सरकार से तिहाड़, मंडोली और रोहिणी सहित दिल्ली की सभी जेलों में उसके परामर्श को प्रसारित करने को कहा।

रोहतास बिल्डर्स के ठिकानों पर ईडी के छापे

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- लखनऊ व दिल्ली में 8 जगहों पर कार्रवाई कई अहम दस्तावेज और लैपटॉप जब्त
- पिछले चार वर्ष से फरार चल रहे ग्रुप के सीएमडी और अन्य निदेशक

अमृत विचार : प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने बुधवार को रोहतास बिडर्ल्स के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। लखनऊ और दिल्ली के आठ ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की गई है। पिछले चार वर्ष से रोहतास ग्रुप के सीएमडी पीयूष रस्तोगी, उनके भाई परेश व दीपक रस्तोगी फरार हैं। इस ग्रुप के खिलाफ फ्लैट देने के नाम पर सैकड़ों लोगों से करोड़ों रुपये ठगने के दो सौ से अधिक मामले दर्ज हैं। देर रात तक ईडी की कार्रवाई जारी थी।

ईडी अधिकारियों के मुताबिक रोहतास बिल्डर्स ने यूपी व दिल्ली में अपना व्यावसायिक ठिकाना बनाया था। यहीं से लोगों को लग्जरी फ्लैट देने के नाम पर करीब ढाई सौ करोड़ रुपये की ठगी की। इस ग्रुप द्वारा ठगी के अधिकतर शिकार लोगों में राजनेता, प्रशासनिक, पुलिस और न्यायिक अधिकारी का परिवार शामिल था। सभी से रुपये जमा कराए और फ्लैट नहीं दिए। वर्ष 2013-14 से ग्रुप के खिलाफ प्रदर्शन से लेकर एफआईआर दर्ज कराने का सिलसिला शुरू हुआ तो खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। रोहतास बिल्डर्स के खिलाफ दिसंबर में सीबीआई ने नौ ठिकानों पर एक साथ छापा मारा था। कई जगह से फर्जी बैंक खातों व अकूत संपत्ति की डिटेल व नकदी भी हाथ लगी थी।

ग्रुप पर पहले हो चुकी है गैंगस्टर की कार्रवाई

ईडी अधिकारियों के मुताबिक रोहतास ग्रुप के निदेशक भाइयों के खिलाफ जुलाई में हजरतगंज थाने में छह लोगों ने 72.62 लाख रुपये ठगने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इन सभी के खिलाफ पुलिस ने गैंगस्टर की भी कार्रवाई की है। पीड़ितों में गोरखपुर के प्रभाकर सिंह उनकी रिश्तेदार प्रीति सिंह विसेन, माधुरी सिंह, विभव सिंह और दिवाकर सिंह ने बताया कि वर्ष 2012 में मुलाकात रोहतास बिल्डर्स के निदेशक परेश रस्तोगी, पीयूष, पंकज और दीपक रस्तोगी से हुई थी।

उरी में घुसपैठ नाकाम, मुठभेड़ में जवान शहीद

श्रीनगर, एजेंसी

- जम्मू-कश्मीर में एलओसी पर भोर में हुई भीषण गोलीबारी

सेना ने जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में बुधवार तड़के नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर घुसपैठ की एक कोशिश को नाकाम कर दिया। जिसके बाद हुई मुठभेड़ में एक जवान शहीद हो गया।

अधिकारियों ने बताया कि उत्तरी कश्मीर के उरी सेक्टर के चुरंडा इलाके में तड़के लगभग 3:30 बजे भीषण लेकिन संक्षिप्त गोलीबारी हुई। इस दौरान जवान गंभीर रूप से घायल हो गया और बाद में उसकी मृत्यु हो गई। शहीद जवान की पहचान बिहार के भागलपुर निवासी हवलदार अंकित कुमार के रूप में हुई है।

श्रीनगर स्थित सेना की चिनार कोर ने कहा कि हवलदार अंकित कुमार ने नियंत्रण रेखा पर ऑपरेशनल ड्यूटी निभाते हुए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए। सेना ने एक्स पर कहा कि चिनार कोर बहादुर हवलदार अंकित कुमार के सर्वोच्च बलिदान का सम्मान करती है, जिन्होंने बारामूला के उरी में नियंत्रण रेखा पर ऑपरेशनल ड्यूटी निभाते हुए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए। यह स्पष्ट नहीं है कि यह बॉर्डर एक्शन टीम (बीएटी) का हमला था या उरी सेक्टर के चुरंडा इलाके में नाकाम की गई घुसपैठ की कोशिश थी। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि खराब मौसम के बीच गोलीबारी हुई।

राजस्थान में सड़क हादसा 7 बच्चों समेत 11 की मौत

- दौसा जिले में पिकअप-ट्रक की टक्कर में 8 अन्य घायल
- खाटू-श्याम और बालाजी दर्शन को गए थे एटा के लोग

जयपुर। राजस्थान के दौसा जिले में बुधवार तड़के एक पिकअप वैन के एक खड़े ट्रक से टकरा जाने से सात बच्चों समेत 11 लोगों की मौत हो गई तथा आठ अन्य लोग घायल हो गए।

दौसा के पुलिस अधीक्षक सागर ने बताया कि यह हादसा मनोहरपुर के पास हुआ। हादसे का शिकार हुए लोग खाटू श्याम और सालासर बालाजी मंदिर के दर्शन करने के बाद उत्तर प्रदेश के एटा स्थित अपने गांव लौट रहे थे। उन्होंने कहा कि पिकअप वैन में 20 से अधिक लोग सवार थे। पिकअप वैन ने राजमार्ग की सर्विस लेन पर खड़े ट्रक को टक्कर मार दी।

फैसला सुनते ही किशोरी हाईकोर्ट की छत से कूदी

चेन्नई, एजेंसी

- मां-बाप के बजाए अन्य परिजन के साथ रहने की जिद पर अड़ी थी
- केयर होम भेजने का फैसला लिया तो आत्महत्या की कोशिश की

चेन्नई में एक 15 वर्षीय लड़की ने मद्रास हाईकोर्ट की छत से छलांग लगा दी। पुलिस उसे तुरंत अस्पताल ले गई। दरअसल लड़की को न्यायमूर्ति एमएस रमेश और न्यायमूर्ति वी लक्ष्मीनारायणन की पीठ के समक्ष इस उद्देश्य से लाया गया था कि बताए कि वह मां के साथ रहना चाहती है या पिता के साथ। जब उसने दोनों के पास ही रहने से मना कर दिया तो हाईकोर्ट ने बच्ची को केयर होम भेजने का फैसला लिया इससे दुखी होकर बच्ची ने आत्महत्या की कोशिश की।

खंडपीठ ने लड़की से बातचीत करने और एक गोपनीय परामर्शदाता की रिपोर्ट पर विचार करने के बाद निष्कर्ष निकाला कि अंडमान में अन्य परिजन के पास माहौल उसकी सुरक्षा के लिए अनुकूल नहीं होगा। चूंकि लड़की पिता के साथ रहने को तैयार नहीं थी, इसलिए खंडपीठ ने उसे चेन्नई के केलीज स्थित सरकारी बालिका गृह में भेजने का आदेश दिया। यह भी निर्देश दिया कि किल्पौक स्थित मानसिक स्वास्थ्य संस्थान के मनोचिकित्सक द्वारा उसका मूल्यांकन किया जाए। इस आदेश के कुछ ही देर बाद लड़की ने अदालत परिसर की पहली मंजिल से छलांग लगा दी।

पहलवान सुशील कुमार की जमानत रद्द

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने राष्ट्रीय राजधानी के छत्रसाल स्टेडियम में पहलवान सागर धनखड़ की हत्या के मामले में ओलंपिक पदक विजेता सुशील कुमार की जमानत बुधवार को रद्द कर दी। न्यायमूर्ति संजय करोल और न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा की पीठ ने दिल्ली उच्च न्यायालय के चार मार्च के उस आदेश को रद्द कर दिया जिसमें कुमार को जमानत दी गई थी। ओलंपिक पदक विजेता को एक सप्ताह के भीतर आत्मसमर्पण करने को कहा गया है।

उच्चतम न्यायालय का यह आदेश सागर धनखड़ के पिता अशोक धनखड़ द्वारा दायर की गई उस अपील पर आया है जिसमें उन्होंने दिल्ली उच्च न्यायालय के कुमार को जमानत देने के आदेश को चुनौती दी थी।

एसआईआर विवाद | बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण का कोई कानूनी आधार नहीं की दलील से कोर्ट असहमत

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- मतदाता सूची स्थिर नहीं बनी रह सकती

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को इस दलील से असहमति जताई कि चुनावी राज्य बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का कोई कानूनी आधार नहीं है और इसे रद्द किया जाना चाहिए।

शीर्ष अदालत ने कहा कि मतदाता सूची स्थिर नहीं बनी रह सकती। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ के समक्ष गैर सरकारी संगठन एसोसिएशन ऑफ डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) ने दलील दी कि देशभर में इस कवायद के लिए अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। एनजीओ के अलावा, राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दलों के नेताओं ने बिहार में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया को चुनौती दी है।

एडीआर की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायणन ने कहा कि एसआईआर पर निर्वाचन आयोग की अधिसूचना को कानूनी आधार के अभाव में और कानून में कभी भी विचारणीय नहीं होने के कारण रद्द कर देना जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग अपनी स्थापना के बाद से कभी भी ऐसी कोई कवायद नहीं कर सका और यह पहली बार किया जा रहा है। पीठ ने कहा कि इस तर्क से तो विशेष गहन पुनरीक्षण कभी नहीं किया जा सकता। एक बार की कवायद केवल मूल मतदाता सूची के लिए की जाती है। हमारे विचार से मतदाता सूची कभी स्थिर नहीं हो सकती। शीर्ष अदालत ने कहा कि इसमें संशोधन होना ही चाहिए, अन्यथा निर्वाचन आयोग उन लोगों के नाम कैसे हटाएगा जिनकी मृत्यु हो गई है या पलायन कर चुके हैं? पीठ ने शंकरनारायणन से कहा कि निर्वाचन आयोग के पास ऐसी कवायद करने का अधिकार है, जैसा वह उचित समझे।

न्यायालय ने जनप्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 21(3) का उल्लेख किया, जिसमें कहा गया है कि निर्वाचन आयोग किसी भी समय, कारणों को दर्ज करके, किसी भी निर्वाचन क्षेत्र या निर्वाचन क्षेत्र के किसी हिस्से के लिए मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण का निर्देश दे सकता है।

11 दस्तावेज में एक जमा करना आवश्यक

सुनवाई के दौरान पीठ ने याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी से कहा कि बिहार में पूर्व में किए गए मतदाता सूची के संक्षिप्त पुनरीक्षण में दस्तावेजों की संख्या सात थी और एसआईआर में यह 11 है, जो दर्शाता है कि एसआईआर मतदाता अनुकूल है। पीठ ने कहा कि याचिकाकर्ताओं की इस दलील के बावजूद कि आधार को स्वीकार न करना अपवादात्मक था, ऐसा प्रतीत होता है कि दस्तावेजों की बड़ी संख्या वास्तव में समावेशी थी। शीर्ष अदालत ने कहा कि मतदाताओं को सूची में शामिल 11 दस्तावेजों में से कोई एक जमा करना आवश्यक था। सुनवाई गुरुवार को भी जारी रहेगी।

न्यूज ब्रीफ

निजीकरण के विरोध में आज तिरंगा रैली निकालेंगे बिजली कर्मी

अमृत विचार, लखनऊ : ऊर्जा निगमों के निजीकरण का निर्णय रद्द करने की मांग को लेकर बिजली कर्मी 14 अगस्त को तिरंगा रैली निकालेंगे। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति उप्र. के संयोजक शैलेंद्र दुबे ने कहा कि निजीकरण के विरोध में सभी जिलों व परियोजनाओं पर बिजली कर्मी तिरंगा रैली निकालेंगे और तिरंगा लेकर निजीकरण के विरोध में सभा करेंगे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के बीते आठ साल के कार्यकाल के दौरान प्रदेश की बिजली व्यवस्था में लगातार सुधार हो रहा है। ऐसे में निजीकरण का प्रस्ताव लाकर बिजली व्यवस्था पटरी से उतारने की कोशिश पर तत्काल विराम लगना चाहिये।

हाईटेंशन लाइन से ग्रामीण की मौत, अवर अभियंता निलंबित

अमृत विचार, लखनऊ : गाजीपुर में बुधवार को हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से 55 वर्षीय ग्रामीण सूरज पाल की मौत हो गई। ऊर्जा मंत्री एके शर्मा के निर्देश पर उपकेंद्र पर तैनात अवर अभियंता मनोज कुमार पटेल को निलंबित कर दिया गया है, साथ ही, निविदा कर्मी लाइनमैन राजेंद्र कुमार को सेवा से हटा दिया गया है। गाजीपुर के सादात उपकेंद्र क्षेत्र में एलटी लाइन टूटने के कारण ग्रामीण सूरज पाल लाइन की चपेट में आ गये। इसमें अवर अभियंता व लाइनमैन की लापरवाही पाये जाने पर इनके खिलाफ कार्रवाई की गई है।

श्रीकृष्ण जन्मोत्सव पर मथुरा में होंगे भव्य आयोजन

अमृत विचार, लखनऊ : भगवान श्रीकृष्ण के 5252वें जन्मोत्सव पर इस वर्ष मथुरा में ही 50 लाख से अधिक श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। शहर में छोटे-बड़े मंच सजाए गए हैं, जिन पर 1,000 के करीब कलाकार सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देंगे। मथुरा-वृन्दावन में तीन दिन शहर के मुख्य मार्ग से लेकर गलियों तक भव्य शोभा यात्राएं निकाली जाएंगी। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बुधवार को दी। उन्होंने बताया कि उत्सव के दौरान ब्रज की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित किया जाएगा। दरअसल, 15 से 17 अगस्त तक तीन दिन की लगातार छुट्टी होने से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं का पहुंचना शुरू हो गया है। अनुमान है, इस वर्ष मथुरा-वृंदावन क्षेत्र में देशी-विदेशी पर्यटकों का सैलाब उमड़ेगा।

लखनऊ में 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत निकाली गई तिरंगा रैली का नेतृत्व करते हुए मुख्यमंत्री योगी, साथ में पार्टी नेता व अन्य। ● अमृत विचार

योगी ने किया तिरंगा यात्रा का नेतृत्व

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मुख्यमंत्री ने की हर घर तिरंगा अभियान की शुरुआत
- कहा- वीर सैनिकों के प्रति कृतज्ञता का भाव है तिरंगा यात्रा

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मुताबिक तिरंगा यात्रा केवल यात्रा नहीं, बल्कि भारत मां, महापुरुषों, क्रांतिकारियों और वीर सैनिकों के प्रति हमारी कृतज्ञता भी है। हर गांव, नगर, जनपद में तिरंगा यात्रा इसका उदाहरण प्रस्तुत कर रहा है। यूपी में भी हर घर तिरंगा, सेल्फी विद तिरंगा से जुड़ रहे हैं। देश और सैनिकों के सम्मान तथा आन-बान-शान का प्रतीक तिरंगा हर भारतीय के घर में लहराया जाना चाहिए।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को 'हर घर तिरंगा' अभियान (13-15 अगस्त) की शुरुआत की। राष्ट्रभक्ति के गीतों की धुनों के बीच मुख्यमंत्री ने तिरंगा यात्रा का नेतृत्व किया, फिर अपने आवास से यात्रा को रवाना किया। योगी ने युवाओं का अभिनंदन करते हुए सभी को स्वतंत्रता दिवस की अग्रिम शुभकामनाएं भी दीं।

योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री जी द्वारा दिया गया 2047 तक का विराट लक्ष्य 'विकसित भारत-आत्मनिर्भर भारत' सभी के सामने है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनके संकल्पों के साथ जुड़कर 'विकसित उत्तर प्रदेश-आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश' के उनके मार्गदर्शन को अपने जीवन का हिस्सा व मंत्र बनाएंगे।

समारोह में उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक, प्रदेश सरकार के मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, कपिलदेव अग्रवाल, विधायक नीरज बोरा, जया देवी, ओपी श्रीवास्तव, विधान परिषद सदस्य महेंद्र सिंह, मुकेश शर्मा, उमेश द्विवेदी, भाजपा के महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी, भाजपा नेता नीरज सिंह आदि मौजूद रहे।

ऊर्जा मंत्री ने की घरों पर तिरंगा फहराने की अपील : नगर विकास व ऊर्जा मंत्री एके शर्मा के नेतृत्व में बुधवार को तिरंगा यात्रा निकाली गई। यात्रा में उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन व नगर विकास विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हुए। ऊर्जा मंत्री ने सभी नागरिकों से अपने घरों पर तिरंगा फहराने की अपील की। 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत सुबह साढ़े नौ बजे ऊर्जा मंत्री के नेतृत्व में जल निगम फील्ड हास्टल 'संगम' से एनेक्सी तक तिरंगा यात्रा निकाली गई।

सत्तापक्ष ने रखा विजन, विपक्ष ने गिनाईं खामियां, दिए सुझाव

विधानसभा में विजन डॉक्यूमेंट-2047 पर चर्चा शुरू, नेताओं ने दी प्रतिक्रिया

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने एक शेर पढ़कर चर्चा का प्रस्ताव रखा- वक्त लगता ही नहीं जिंदगी बदलने में, पर वक्त को बदलने में जिंदगी लग जाती है

अमृत विचार: मानसून सत्र के तीसरे दिन बुधवार को विधानसभा में विजन डॉक्यूमेंट-2047 (विकसित भारत-विकसित उत्तर प्रदेश, आत्मनिर्भर भारत-आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश) पर चर्चा शुरु हुई। संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने एक शेर पढ़कर चर्चा का प्रस्ताव रखा- बड़ी मुश्किल से कोई सुबह मुस्कराती है, गम की रात दबे पांव चली आती है, वक्त लगता ही नहीं जिंदगी बदलने में, पर वक्त को बदलने में जिंदगी लग जाती है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि बिना चिंतन और विचार के कोई बड़ी उपलब्धि नहीं मिलती है। विजन डॉक्यूमेंट का उद्देश्य आजादी के 100 साल पूरे होने पर उप्र. को देश का सबसे विकसित राज्य बनाना है।

सुरेश खन्ना के विजन रखने के बाद सत्तापक्ष और विपक्ष के नेताओं ने एक-एक कर अपनी-अपनी प्रतिक्रिया रखनी शुरू की। इस दौरान दोनों ओर से पहले दलीय नेताओं को मौका मिला। वहीं, सुरेश खन्ना द्वारा चर्चा का प्रस्ताव पेश करने से पहले सपा सदस्य अपनी जगह पर खड़े होकर पोस्टर लहराने लगे और प्रदेश सरकार से पहले पुराने वादे पूरे करने की मांग करने लगे। विधानसभा अध्यक्ष ने सपा सदस्यों को शांत कराया।

नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय ने कहा कि सरकार पहले बताए कि वर्ष 2022 के संकल्प पत्र के कितने वादे पूरे हुए। इस पर चर्चा के लिए 24 घंटे का समय भी कम है। कांग्रेस दल की नेता आराधना मिश्रा मोना और सपा सदस्य संग्राम यादव ने भी इस चर्चा को बढ़ाने पर अपना-अपना तर्क रखा।

आजादी के 100 साल बाद 2047 में हमारा प्रदेश कैसा हो... इस पर सभी सदस्य चर्चा कर रहे हैं। सदस्य अपने सुझाव भी रख रहे हैं। विपक्ष का अपना राजनीतिक एजेंडा हैं। उन्हें भी चर्चा में भाग लेना चाहिए।
– सतीश महाना, विधानसभा अध्यक्ष

सरकार 2047 को लेकर चर्चा कर रही है पर सरकार को ये भी बताना चाहिए कि 2017 में सत्ता में आने के बाद अब तक कितने वादे पूरे किए गए हैं। उन्होंने कहा कि चर्चा के लिए समय भी बढ़ाया जाए।
– माता प्रसाद पांडेय, नेता प्रतिपक्ष

उप्र. के विकास को लेकर अर्थपूर्ण चर्चा हो रही है जिससे कई महत्वपूर्ण निष्कर्ष निकलेंगे। सपा में दूरदृष्टि की कमी है। पूरी दुनिया प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सीख रही है सपा को भी सीखना चाहिए। बयान देना अलग बात है और समावेशी विकास करना अलग बात है।
– केशव मौर्य, उप मुख्यमंत्री

2047 में भारत को विकसित बनाने की बात की जा रही है लेकिन हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि हमारी आज की जो सफलताएं हैं वो हमारे प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू के विजन का ही परिणाम हैं। उनको लेकर जो वादे किए गए थे वो अभी तक पूरे नहीं हुए हैं।
– आराधना मिश्रा मोना नेता कांग्रेस दल

हर मंडल में सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल और ट्रॉमा सेंटर स्थापित किए जाएंगे। डायबिटीज, हाइपरटेंशन, और कैंसर जैसे रोगों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए रोग निगरानी और रोकथाम प्रणाली विकसित की जाएगी। जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न स्वास्थ्य जोखिमों के प्रति भी सजगता बरती जाएगी।
– ब्रजेश पाठक, उप मुख्यमंत्री

2047 तक 11 लाख युवाओं को प्रशिक्षित कर 3,850 करोड़ रुपये व्यय करने की योजना है। ओबीसी छात्रावासों का अनुरक्षण और नए छात्रावासों का निर्माण 2047 तक प्राथमिकता में रहेगा, ताकि अधिक से अधिक छात्रों को नि:शुल्क आवास सुविधा मिल सके।
– नरेंद्र कश्यप, मंत्री

विजन का आशय सिर्फ वायदा कर दने और उपलब्धियों का श्रेय लेने मात्र तक सीमित नहीं होना चाहिए। विजन देखना हो तो विधानसभा अध्यक्ष के कार्य देखिए। किस तरह उन्होंने पाचं सालों में इस विधानसभा को देश की सर्वोत्तम विधानसभा बना दिया। **– उमाशंकर, नेता बसपा दल**

स्वास्थ्य सेवाओं से वंचित नहीं रहेगा जरूरतमंद : मयंकेश्वर

विधान परिषद

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: विधान परिषद में मानसून सत्र के तीसरे दिन सपा सदस्यों ने प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं मुद्दा उठाया। सपा सदस्य मुकुल यादव ने कहा कि भाजपा सरकार के आठ वर्ष से अधिक का समय बीत जाने के बाद भी स्वास्थ्य सेवाओं का बुरा हाल है। नीति आयोग की रिपोर्ट के अनुसार, स्वास्थ्य सेवाओं के मामले में उप्र. का स्थान सबसे नीचे है। जवाब में चिकित्सा शिक्षा एवं स्वास्थ्य राज्य मंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह ने कहा कि स्वास्थ्य के क्षेत्र में प्रदेश ने बीते आठ सालों में खूब तरक्की की है, जिसका परिणाम, 40-45 करोड़ की सालाना ओपीडी है और 12.5 करोड़ की आपीडी (भर्ती) है।

सदन में बुधवार को शून्य प्रहर में सपा के मो.जासमीन अंसारी, शाह आलम, आशुतोष सिन्हा और बलराम यादव द्वारा नियम 105 अंतर्गत स्वास्थ्य सेवाओं के गिरते स्तर तथा स्वास्थ्य सेवाओं में हो रहे भ्रष्टाचार के सवालों का स्वास्थ्य राज्य मंत्री जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि एसजीपीजीआई, केजीएमयू और लोहिया संस्थान में वेंटीलेटर्स पर्याप्त हैं, न ही अन्य संसाधन की कमी। अगले दो साल में केजीएमयू में 500 बेड का निर्माणाधीन नया ट्रामा सेंटर बनकर तैयार हो जाएगा। इसी तरह एसजीपीजीआई में विस्तार करेंगे। मेडिकल कॉलेज और सरकारी अस्पतालों में मिलाकर 5.5 लाख मेजर और 8.5 लाख माइनर ऑपरेशन हर साल हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कोई भी मरीज चिकित्सा शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाओं से वंचित नहीं रहने दिया जाएगा, ऐसा सरकार का संकल्प है।

सपा के बलराम यादव द्वारा आजमगढ़ के संयुक्त जिला चिकित्सालय के सवाल पर मयंकेश्वर शरण सिंह ने कहा कि मामले को दिखवाएंगे, अगर सीएमएस डॉ.सुरेन्द्र कुमार ध्रुव दोषी होंगे तो कारवाई की जाएगी।

माध्यमिक शिक्षकों के शोषण का मुद्दा भी उठा : निर्दलीय सदस्य राजबहादुर सिंह चंदेल एवं डॉ. आकाश अग्रवाल ने सोनभद्र में ओबरा इण्टर कालेज में प्रतिनियुक्ति पर तैनात शिक्षकों को राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में समायोजित किये जाने का मुद्दा उठाया। शिक्षक दल के ध्रुव कुमार त्रिपाठी ने माध्यमिक शिक्षा विभाग में 28 अप्रैल, 2025 को जारी शासनादेश को निरस्त करने तथा चयन बोर्ड अधिनियम की धाराएं 12,18 एवं 21 को मूल रूप से इण्टरमीडिएट एक्ट में प्रतिस्थापित कराये जाने की मांग उठायी। राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गुलाब देवी ने जवाब दिया और सभापति कुंवर मानवेन्द्र सिंह ने कार्यस्थगन अस्वीकार कर सरकार को आवश्यक कार्यवाही के लिए भेज दिया।

विधायक निधि के कार्यों के पूरा होने की तय होगी समयसीमा : सदन में बुधवार सपा के आशुतोष सिन्हा व डॉ.मान सिंह ने विधायक निधि से कराए जाने वाले कार्यों में स्थानीय अधिकारियों के असहयोग का मुद्दा उठाया, उनके साथ विपक्ष समेत सत्ता पक्ष के विधायकों ने भी सहमति जतायी, उप मुख्यमंत्री व नेता सदन केशव प्रसाद मौर्या ने कहा कि सभापति द्वारा सदन सदस्यों की एक कमेटी गठित कर दी जाए, कमेटी जो सुझाव देगी उसे लागू कर दिया जाएगा, उसमें कार्यों का समयावधि भी निर्धारित की जा सकती है।

विधान परिषद में 6 विधेयक पारित

उप्र. विधानसभा में पारित हो चुके छह विधेयक विधानपरिषद में प्रमुख सचिव ने पटल पर रखे, जिन्हें उपस्थित सदस्यों की सहमति से पास कर दिया है। इन विधेयकों में उप्र.निरसन विधेयक, 2025, उप्र. निजी विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2025, उप्र.निजी विश्वविद्यालय (द्वितीय संशोधन) विधेयक, 2025, उप्र.मोटर यान कराधान (संशोधन) विधेयक, 2025, उप्र.माल और सेवा कर (संशोधन) विधेयक, 2025 और उप्र. लोक अभिलेख विधेयक, 2025 शामिल है।

सभापति के टोकने से परेशान हुए नेता विरोधी दल

सदन में प्रश्न पहर में नेता विरोधी दल लाल बिहारी यादव ने, उद्बोधन के दौरान सभापति कुंवर मानवेंद्र सिंह द्वारा टोका-टोकी करने पर विरोध दर्ज कराया। उन्होंने कहा कि नेता विरोधी दल का अधिकार है सदन में सरकार को हर मुद्दे पर सचेत करें, बोलने पर पाबंदी नहीं लगायी जा सकती है। सभापति समय का हवाल देते हैं, जबकि हकीकत है कि जितनी देर तक वह उलझाते हैं, उतनी देर में उनका संबोधन समाप्त हो सकता है।

विजन नहीं, वादा पूरा न करने के रीजन बताए भाजपा सरकार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार को विजन नहीं, अपना एक भी वादा पूरा नहीं करने का रीजन डॉक्यूमेंट बताना चाहिए। भाजपा सरकार ने नौ साल में भ्रष्टाचार लूट, बेईमानी की। सरकार कानून व्यवस्था, बाढ़ नियंत्रण, शिक्षा, स्वास्थ्य, विकास हर मामले में असफल हो गई है। महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार के सारे रिकार्ड टूट गये हैं।

सपा प्रमुख ने बुधवार को जारी बयान में कहा कि भाजपा सरकार के पास प्रदेश की जनता के लिए कोई विजन नहीं है। नौ साल में प्रदेश में एक भी बिजली घर नहीं लगाया। सड़कों के गड्ढे तक नहीं भर पाएं। लोगों को बाढ़ से बचाने के लिए कहीं कोई बांध नहीं बनाया। खामियाजा आज प्रदेश की जनता भुगत रही है। उन्होंने बताया कि प्रदेश के दर्जनों जिलों और लाखों की आबादी बाढ़ से घिरी हुई है, उसके पास खाने रहने की जगह नहीं है। लोग बेबस हैं। प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था का बुरा हाल है। अस्पतालों में गरीब मरीजों को पर्याप्त इलाज नहीं मिल पा रहा है। मेडिकल कॉलेजों में डॉक्टर पैरामेडिकल स्टाफ और आवश्यक उपकरणों की कमी है।

संजय निषाद के बयान पर हंगामा महाना बोले- माइक बंद करें

अमृत विचार, लखनऊ : निषाद पार्टी अध्यक्ष और कैबिनेट मंत्री संजय निषाद बुधवार को विधानसभा में सपा को फूलन देवी का हत्यारा बता गए। इस पर सदन में जमकर हंगामा हुआ। संजय निषाद ने कहा कि फूलन देवी का सपा से मोहभंग हो गया था। उन्होंने अपनी अलग पार्टी बना ली थी और उनकी हत्या हो गई। निषादों के नेताओं की हत्या हो जाती है, सिर्फ मैं ही बचा हूं।

इस पर सपा सदस्य कमाल अख्तर ने कहा कि संजय निषाद ने विजन डॉक्यूमेंट पर कुछ नहीं बोला। केवल सपा विधायकों पर आरोप लगा रहे हैं। इन्हें ये नहीं कहना चाहिए था कि फूलन देवी के हत्यारे यहां बैठे हैं। सदन में पक्ष-विपक्ष के हंगामे के बीच संजय निषाद नहीं रुक रहे थे। इसके बाद विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने दखल दिया और कहा कि मंत्री जी का माइक बंद कर दीजिए। नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय ने कहा कि पहले भी मैंने कहा कि बिना सबूत के किसी पर आरोप नहीं लगाना चाहिए। ये सही नहीं है, इसे कार्यवाही से निकाला जाए।

बर्ड फ्लू को लेकर बरतें सतर्कता : योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मुख्यमंत्री ने संबंधित विभागों को त्वरित और समन्वित कार्रवाई के दिए निर्देश

अमृत विचार : बर्ड फ्लू (एच5 एवियन इंफ्लुएंजा) के संभावित खतरे को गंभीरता से लेते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संबंधित विभागों को त्वरित और समन्वित कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि संरक्षित पशु-पक्षियों की सुरक्षा प्रदेश सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी।

मुख्यमंत्री ने बुधवार को स्पष्ट निर्देश दिए कि प्रदेश के सभी प्राणी उद्यानों, पक्षी विहारों, नेशनल पार्कों, वेटलैंड क्षेत्रों और गो-आश्रय स्थलों में सुरक्षा उपायों को और मजबूत किया जाए। उन्होंने कहा कि प्राणी उद्यान परिसरों को नियमित रूप से सैनेटाइज किया जाए तथा आवश्यकता पड़ने पर ब्लो टॉचिंग की प्रक्रिया भी अपनाई जाए। सभी वन्य जीवों और पक्षियों की स्वास्थ्य जांच अनिवार्य रूप से हो और उनके आहार की गहन जांच के बाद ही भोजन उपलब्ध कराया जाए। साथ ही कहा कि बाड़ों में संभावित जोखिम को देखते हुए कर्मचारियों की ड्यूटी लगाते वक्त सुरक्षा मानकों का पालन किया जाए। उन्हें एवियन इंफ्लुएंजा के लक्षण, संक्रमण के तरीके और उससे बचाव के उपायों की जानकारी दी जाए। साथ ही उन्हें पीपीई किट सहित सभी आवश्यक सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराए जाएं, जिससे वे सुरक्षित रहकर अपने दायित्व का निर्वहन कर सकें।

पोल्ट्री फार्मों की निगरानी की जाए : मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि प्रदेश के सभी पोल्ट्री फार्मों की मानकों के अनुरूप कड़ी निगरानी की जाए और पोल्ट्री उत्पादों के आवागमन पर निरंतर नियंत्रण रखा जाए। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को यह भी निर्देश दिया कि एच5 एवियन इंफ्लुएंजा के मानव स्वास्थ्य पर संभावित प्रभावों का गहन अध्ययन कर रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए, ताकि संक्रमण की कोई श्रृंखला मानव समाज तक न पहुंच सके।

बिना भेदभाव सभी वर्गों के लिए कार्य कर रही भाजपा : धर्मपाल

अमृत विचार, लखनऊ : भाजपा के प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने कहा कि पार्टी व सरकार बिना भेदभाव सभी वर्गों की उन्नति के लिए कार्य कर रही है। वह बुधवार को गौतमबुद्धनगर व अलीगढ़ में पश्चिम क्षेत्र व बृज क्षेत्र में अनुसूचित जाति मोर्चा कार्यकर्ता संवाद कार्यक्रम के तहत मोर्चा के क्षेत्रीय पदाधिकारियों व जिलाध्यक्षों के साथ संवाद कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि वैभवशाली राष्ट्र का निर्माण और गरीब, वंचित वर्ग की आर्थिक व सामाजिक उन्नति ही भाजपा का ध्येय है। यह ध्येय प्राप्त करने के लिए संगठन की मजबूती आवश्यक है। उन्होंने कहा कि पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता संगठन की रीढ़ है और बूथ स्तर पर प्रत्येक कार्यकर्ता की सक्रियता ही भाजपा की ताकत है। हमें अपने सेवाभाव से प्रत्येक व्यक्ति व परिवार के साथ उनके परिवार के सदस्य की तरह जुड़ना है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री के नेतृत्व में केंद्र व राज्य की भाजपा सरकार बिना भेदभाव सभी वर्गों व जातियों का आर्थिव व सामाजिक उन्नति कर रही है।

सक्रियता

मुख्य सचिव ने जनसुनवाई पोर्टल, बाढ़ राहत और हर घर तिरंगा अभियान की समीक्षा की

दोषी अधिकारी के खिलाफ सख्त जांच हो

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्य सचिव एसपी गोयल ने जनसुनवाई पोर्टल, बाढ़ राहत और हर घर तिरंगा अभियान आदि की समीक्षा कर वीडियो कॉन्फ्रेसिंग से सभी मंडलायुक्तों एवं जिलाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। इस दौरान मुख्य सचिव ने जनसुनवाई पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों के समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के कड़े निर्देश दिये हैं। उन्होंने कहा कि किसी अधिकारी के विरुद्ध प्राप्त शिकायतों की जांच कम से कम एक उच्च स्तर अधिकारी से कराई जाए और शिकायत सही पाये जाने पर सम्बन्धित के विरुद्ध कार्रवाई की जाए।

उन्होंने यह भी कहा कि अधीनस्थ अधिकारी द्वारा प्रस्तुत निस्तारण आख्या का स्वयं परीक्षण करने के बाद ही स्पेशल क्लोज की कवायद की जाए। जिला स्तर पर एडीएम, अतिरिक्त मजिस्ट्रेट, एएसपी, डीसीपी व अन्य अधिकारी को आख्या की गुणवत्ता जांचने के लिए नामित किया जाये। शिकायतकर्ता की संतुष्टि को प्राथमिकता दी जाए और त्रुटिपूर्ण स्पेशल क्लोज पाए जाने पर सम्बन्धित के विरुद्ध एक्शन लिया जाए।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में संवेदनशीलता के साथ पहुंचाएं मदद

मुख्य सचिव ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में संवेदनशीलता के साथ कार्य करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों की नियमित मॉनीटरिंग की जाए। आवश्यकतानुसार बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में खाद्यान्न व लंच पैकटों का वितरण किया जाए। बाढ़ के दौरान हुई फसल क्षति का आंकलन तेजी से कर लिया जाए, जिससे शीघ्र मुआवजा किसानों को भेजा जा सके। जिन क्षेत्रों में जलस्तर कम हो गया है, वहां सफाई अभियान चलाया जाये।

जिन भवनों में फसाड लाइटिंग हैं उन्हें तिरंगा थीम पर करें

मुख्य सचिव ने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान का तृतीय चरण आज से प्रारम्भ हो गया है। शैक्षणिक संस्थानों, सरकारी भवनों, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों, कार्यालयों, बांधों, पुलों आदि को 15 अगस्त तक तिरंगा लाइटिंग से प्रकाशित किया जाये। जिन भवनों में फसाड लाइटिंग हैं, उन्हें तिरंगा थीम पर परिवर्तित कराया जा सकता है। वालंटियर्स को सक्रिय कर हर घर तिरंगा पोर्टल पर अधिक से अधिक संख्या में सेल्फी अपलोड करायी जाए।

प्रदेश में कहीं भी उर्वरक की कमी न होने का दावा

अमृत विचार, लखनऊ : राज्य सरकार ने कहा कि प्रदेश में कहीं भी उर्वरकों की दिक्कत या कमी नहीं है। खरीफ सत्र में पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष अभी तक अधिक खाद की बिक्री हुई है। पहली अप्रैल से 12 अगस्त 2025 तक जहां 29,52,305 मीट्रिक टन उर्वरक की बिक्री हुई है, वहीं पिछले वर्ष (2024) में इस अवधि में यह आंकड़ा 24,80,904 मीट्रिक टन था। पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष अब तक 4,71, 401 मीट्रिक टन अधिक बिक्री हो चुकी है। कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा है कि उर्वरकों की आपूर्ति के लिए निरंतर समीक्षा की जाय और किसानों को सहजता से खाद उपलब्ध कराया जाए।

10 टन ऑयल एक्सट्रैक्शन यूनिट की स्थापना पर अनुदान देगी सरकार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- एफपीओ-सहकारी समितियों को 31 तक कृषि विभाग के पोर्टल पर करना होगा आवेदन

अमृत विचार : राज्य सरकार की ओर से 10 टन ऑयल एक्सट्रैक्शन यूनिट की स्थापना पर एफपीओ-सहकारी समितियों को अनुदान देने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। परियोजना की कीमत का 33 प्रतिशत अधिकतम 9.90 लाख रुपये तक अनुदान मिलेगा। इसके लिए 14 से 31 अगस्त तक कृषि विभाग के पोर्टल पर आवेदन मांगे गए हैं।

शासन के अधिकारियों के अनुसार, अनुदान प्राप्त करने के लिए तीन वर्ष का अनुभव व 200 किसानों का सदस्य होना अनिवार्य है। अपर कृषि निदेशक (तिलहन-दलहन) अनिल कुमार पाठक ने बताया कि नेशनल मिशन ऑन एडिबिल ऑयल (ऑयल सीड्स) वर्ष 2025-26 के तहत कृषि विभाग के पोर्टल पर पंजीकृत एफपीओ व सहकारी समितियों को ही अनुदान प्राप्त होगा। फसल के बाद तिलहन संग्रह, तेल निष्कर्षण व पुनप्राप्ति की दक्षता बढ़ाने, सार्वजनिक-निजी उद्योगों, एफपीओ व सहकारी समितियों को इंफ्रास्ट्रक्चर की क्षमता या दक्षता में सुधार समेत कटाई के बाद के इंफ्रास्ट्रक्चर की स्थापना के लिए निर्धारित मापदंड जरूरी हैं।

आवेदन ज्यादा होने पर होगी लाटरी

अपर कृषि निदेशक ने बताया कि पिछले तीन वर्षों में औसत वार्षिक कारोबार 9 लाख रुपये से अधिक होना चाहिए। एफपीओ में किसानों की ओर से कम से कम 3 लाख रुपये की इक्विटी होनी चाहिए। लक्ष्य से अधिक आवेदन प्राप्त होने पर ऑनलाइन लॉटरी के माध्यम से लाभार्थियों का चयन किया जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

जनकपुरी मैदान से मौन जुलूस आज

कानपुर देहात। भारतीय जनता पार्टी की ओर से भारत विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर गुरुवार को अपराह्न एक बजे मौन जुलूस जनकपुरी मैदान से अकबरपुर फ्लाईओवर चौरसिया होटल तक निकाला जाएगा। मौन जूलूस जिलाध्यक्ष रेणुका सचान के नेतृत्व में भारी संख्या में 14 अगस्त 1947 को भारत विभाजन विभीषिका के स्मृति दिवस पर निकाला जाएगा। इसके बाद अपराह्न 1:30 बजे भारतीय जनता पार्टी कार्यालय माती में विभीषिका पर प्रदर्शनी का उद्घाटन पूर्व मेयर रविंद्र पाटनी के द्वारा किया जाएगा अपराह्न 2 बजे भारत विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर संगोष्ठी आयोजित होगी जिसमें सांसद, विधायक पदाधिकारी ल कार्यकर्ता शामिल होंगे। यह जानकारी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी विकास मिश्रा ने दी है।

लोड से देवनगर का ट्रांसफॉर्मर धड़ाम

राजपुर। ब्लॉक क्षेत्र के डाढापुर ग्राम पंचायत के देवनपुर गांव में रखे 25 केवीए के ट्रांसफार्मर में क्षमता से अधिक लोड होने पर आए दिन तकनीकी खराबी होती है। इसके चलते ग्रामीणों को दो महीने से विद्युत समस्या का संकट झेलना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने ट्रांसफार्मर में क्षमता वृद्धि करने की मांग की है। राजपुर के जैनपुर विद्युत उपकेंद्र से जुड़े देवनपुर गांव की एक बस्ती के करीब दो सैकड़ा लोगों को 25 केवीए

ट्रांसफार्मर से विद्युत आपूर्ति दी जाती है। ट्रांसफार्मर में क्षमता से अधिक लोड होने पर आए दिन फाल्ट और तकनीकी खामियां होती हैं। इसके चलते ग्रामीणों को लगभग दो महीने से नियमित आपूर्ति नहीं मिल पा रही है। गांव के जयनारायण सिंह, राकेश सिंह, सहदेव सिंह, मनोज सिंह, विजय सिंह, देवेंद्र सिंह आदि लोगों ने बताया कि वर्षों पहले गांव में बिछाई गई विद्युत लाइन जर्जर हो गई है। फाल्ट से आये दिन ट्रांसफार्मर जल जाता है। करीब दस दिन पहले ट्रांसफार्मर बदला गया था। जर्जर लाइन में फाल्ट से ट्रांसफार्मर दोबारा खराब हो गया है। इससे करीब दो माह से विद्युत आपूर्ति नहीं मिल पा रही है। राजपुर उपकेंद्र के जेई केडी वर्मा ने बताया कि लाइनमैन को मौके पर भेजकर ट्रांसफार्मर की मरम्मत कराई जा रही है।

अंग्रेजों ने छीना था तहसील का दर्जा

स्वतंत्रता दिवस विशेष

- नानाराव पेशवा का साथ देने पर अपनाई थी दमनकारी नीति
- 1857 की क्रांति के बाद क्षेत्र में क्रांतिकारियों का था कब्जा

गीतेश अग्निहोत्री, शिवली

अमृत विचारः अंग्रेजों ने 164 वर्ष पूर्व शिवली और आसपास गांवों के देश भक्त क्रांतिकारियों के बिठूर के नानाजी का साथ देने की वजह से उनका दमन करने के लिए दंड स्वरूप शिवली तहसील का दर्जा खत्म कर दिया था।

1857 में क्रांति भड़कने पर क्रांतिकारियों व स्थानीय लोगों को परेशान करने के लिए अंग्रेजों ने 1861 में तहसील का दर्जा छीन लिया था। अंग्रेजों के जुल्म बढ़ रहे थे। आजादी की बयार में शिवली क्षेत्र भी पीछे नहीं था। वीएसएसडी डिग्री में इतिहास के हेड आफ डिपार्टमेंट व स्थानीय निवासी प्रो. अनिल मिश्र ने बताया कि कानपुर के इतिहास पुस्तक में इसका साफ उल्लेख है कि अंग्रेजों ने शिवली व सखरेज के परगने को खत्म कर दिया था। इसका बड़ा कारण यहां के लोगों का बिठूर के नानाराव पेशवा के साथ क्रांति में शामिल होना था।

कानपुर इतिहास समिति के सचिव अनूप शुक्ल ने बताया कि 1857 की क्रांति के बाद शिवली व आसपास के इलाके पर बिठूर के नानाराव पेशवा के क्रांतिकारियों के कब्जा हो गया था। इसके बाद नानाजी की सेना के करीब दो हजार सैनिक व चार तोपें तैनात की गई थी। उन्होंने बताया कि जून 1848 में कानपुर के कलेक्टर आर मांटगोमरी ने शिवली परगने की रिपोर्ट ब्रिटिश सरकार को भेजी थी। इसमें शिवली परगने की शिक्षा, सिंचाई आदि की पूरी रिपोर्ट शामिल थी। इससे साबित होता है कि ब्रिटिश काल में शिवली तहसील थी। जिसमें औनहा व सखरेज के तालुके शामिल थे।

10 वर्ष पहले मैथा में तहसील की स्थापना

करीब 10 वर्ष पहले मैथा में तहसील की स्थापना हुई, जिसको लोगों ने तहसील की बहाली माना। तहसील स्थापना के लिए लोग करीब डेढ़ दशक से लोग आंदोलन चला रहे थे। इसके पहले अकबरपुर व रसूलाबाद तक की दौड़ लोग लगा रहे थे। वर्ष 2016 के बाद लोगों को काम कराने में बड़ी राहत महसूस हो रही है।

सन 1848 का शिवली परगने का नक्शा।

तहसील का गवाह राममोहन का हाता

- कानपुर इतिहास समिति के सचिव अनूप कुमार शुक्ल ने बताया कि शिवली तहसील से जुड़ा कानपुर के राममोहन का हाता आज भी गवाह है। उस समय के तहसीलदार राममोहन घोष थे। उन्होंने चुपके से जमीने हड़पने के लिए अपने बंदर किशन मोहन के नाम पर एक मौजा लिख दिया था। बाद में अंग्रेज अधिकारियों की जांच में इसका खुलासा हो गया था। बंगाली मोहाल में राममोहन का हाता अभी भी है।

तबादले के बाद भी नहीं गई स्टाफ नर्स

राजपुर। पीएचसी में गर्भवती को प्रसव कक्ष से लौटाने पर चर्चा में आई स्टाफ नर्स शालिनी पाल का विवादों से पुराना नाता है। इससे पहले भी प्रसव के नाम पर वसूली के आरोप लगे हैं। अर्मादित आचरण में सीएमओ ने 12 मार्च 2024 को नवीन पीएचसी बनीपारा तबादला किया था। 1 जुलाई 2024 को अधीक्षक डॉ. अरुणेंद्र प्रताप सिंह ने स्टाफ नर्स को कार्यमुक्त कर दिया था, लेकिन स्टाफ नर्स नहीं गई।

24 जुलाई को मुबारकपुर गांव के अमित की गर्भवती पत्नी अंजू का रात 11:30 बजे पीएचसी की स्टाफ नर्स शालिनी ने प्रसाव कराने से इंकार कर दिया था। इसके बाद सिकंदरा के एक निजी अस्पताल में नार्मल डिलीवरी हुई। अधीक्षक डॉ अमित निरंजन ने बताया कि मामले की जानकारी पर स्टाफ नर्स शालिनी पाल से स्पष्टीकरण तलब किया गया है। संतोष जनक उत्तर मिलने पर कार्यवाही की जाएगी।

फंदे पर लटका मिला वाहन चालक का शव

संवाददाता, रनियां

- जानवरों को चारा-पानी देने के बाद खेतों की ओर गया था

अमृत विचारः थाना क्षेत्र के पतारी गांव में मंगलवार की रात एक युवक ने आम के पेड़ से मैट के सहारे फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। खेतों में युवक की तलाश करने गए परिजनों को शव लटकता दिखाई दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस व फॉरेंसिक टीम ने जांच पड़ताल की।

पतारी गांव निवासी रामबाबू यादव का पुत्र सर्वेश यादव (35) मिनी डीसीएम चालक था। प्रतिदिन वह सुबह काम पर चला जाता था और शाम को घर वापस आ जाता था। मृतक के चचेरे भाई राहुल ने बताया कि मंगलवार की शाम काम से वापस आने के बाद सर्वेश ने जानवरों को चारा और पानी दिया। इसके बाद खाना पीना करके खेतों की ओर जाने की बात कहकर चला गया। करीब 11 बजे तक घर वापस न आने पर परिजनों ने तलाश शुरू कर दी। इसके बाद खेतों के पास आम के पेड़ शव लटका देख परिजनों को सूचना दी। मौके पर पहुंचे परिजनों में कोहराम मच गया। इधर, मौके पर पुलिस ने पहुंचकर को शव को नीचे उतरवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पिता रामबाबू, पत्नी सलोनी, मां राम रानी व अन्य परिजनों का रो रोकर बुरा हाल हो गया। थानाध्यक्ष एसएन सिंह ने बताया कि युवक शराब पीता था। इससे उसका दिमाकी संतुलन सही नहीं रहता था। तहरीर नहीं मिली है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया था।

सर्वेश यादव।

सड़क के किनारे मिला शव, नहीं हुई शिनाख्त

बैरी गांव के पास मिले युवक के मुंह से निकल रहा था झाग

संवाददाता, शिवली

अमृत विचारः शिवली-कल्याणपुर रोड के किनारे एक युवक का शव पड़ा मिला। युवक के मुंह से झाग निकल रहा था। पुलिस ने उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां देखते ही डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। युवक की शिनाख्त नहीं हो पाई है। पुलिस उसकी पहचान कराने के प्रयासों में जुट गई है।

कोतवाली क्षेत्र में कल्याणपुर रोड पर बैरी गांव के राम जानकी डिग्री कॉलेज के पास करीब 26 वर्षीय युवक का शव पड़ा मिला। उसके मुंह से झाग निकल रहा था। सिपाही दीपक कुशवाहा ने सांस की आस में उसे लेकर शिवली सीएचसी पहुंचा, जहां देखते ही डॉक्टर अंकित चंद्रा ने उसे मृत घोषित कर दिया। इंस्पेक्टर (अपराध) शीलेंद्र सिंह और एसआई शिवेंद्र वर्मा भी अस्पताल पहुंचे और मामले की छानबीन की। इंस्पेक्टर शीलेंद्र सिंह ने बताया युवक जींस का पैंट और सफेद धारीदार शर्ट पहने था। उसकी पहचान नहीं हो पाई है। शव को मर्च्युरी भेज दिया गया है और उसकी शिनाख्त कराने की कोशिश की जा रही है।

छानबीन के लिए अस्पताल पहुंची शिवली कोतवाली पुलिस। अमृत विचार

पुलिस ने जताई जहरखुरानी की आशंका

इंस्पेक्टर शीलेंद्र सिंह ने बताया कि युवक की उम्र लगभग 26 वर्ष के करीब है। उसके मुंह से झाग निकल रहा था। मुंह में झाग निकलने की वजह से जहरखुरानी की आशंका है। हालांकि 72 घंटे बाद पोस्टमार्टम होने पर ही इस बात का खुलासा हो पाएगा कि उसकी मौत की वजह क्या है। पुलिस का कहना है कि अगर इस बीच युवक की शिनाख्त हो जाती है तो जांच में आसानी होगी।

महिला का शव मिला पहचान नहीं हो सकी

रूरा। थाना क्षेत्र के जगदीशपुर गांव के समीप भाऊपुर से खुर्जा जाने वाली डीएफसीसी लाइन की डाउन ट्रैक पर एक महिला का रक्तरंजित शव पड़ा मिला। इसफर मालगाड़ी के चालक ने सूचना न्यू भाऊपुर स्टेशन पर दी। वहां से भेजे गए मेमो पर पहुंची पुलिस ने छानबीन की।

भाऊपुर से खुर्जा जाने वाली डीएफसीसी लाइन में मंगलवार रात डाउन ट्रैक पर खंभा नंबर 533/26 के एक महिला का रक्तरंजित शव पड़ा मिला। डाउन ट्रैक पर आ रही मालगाड़ी के चालक सुरेश चंद्र मीणा ने रेल पटरी के बीच में शव पड़े होने की सूचना न्यू भाऊपुर स्टेशन पर दी। वहां से भेजे गए मेमो पर सिठमरा चौकी प्रभारी राजनीश वर्मा मौके पर पहुंचे और प्राथमिक छानबीन की। मौजूद लोगों ने रेल पटरी के बीच में शव पड़े होने से उसकी हत्या के बाद शव रेल ट्रैक में फेंके जाने की आशंका जताई। छानबीन करने के बाद पुलिस ने शव को मोर्च्युरी में भेजा। उन्होंने बताया कि प्रथमदृष्टया महिला के आत्महत्या करने की संभावना प्रतीत हो रही है। मृतका की शिनाख्त के प्रयास किए जा रहे हैं।

तेज रफ्तार वाहन की टक्कर से युवक की छिन गई जिंदगी

संवाददाता, रूरा

- रूरा-झींझक मार्ग पर गेंदामऊ गांव के पास हुआ हादसा
- टक्कर मारने के बाद तेज रफ्तार से वाहन लेकर भागा चालक

अमृत विचारः रूरा थाना क्षेत्र के गेंदामऊ गांव के सामने रूरा-झींझक मुख्य मार्ग पर सड़क किनारे पैदल जा रहे एक मानसिक विक्षिप्त युवक को तेज रफ्तार अज्ञात वाहन से जोरदार टक्कर मार दी। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचने पर डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

मंगलपुर थाना क्षेत्र के जलिहापुर गांव के रहने वाले किसान रामप्रकाश का पुत्र बुद्धलाल (28) की बचपन से ही मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी। उसका लगातार इलाज भी चल रहा था। वह रोजाना घर से टहलते हुए गेंदामऊ आया करता था और फिर वापस घर चला जाता था।

बुद्धलाल।

बुधवार की सुबह भी वह घर से निकला था। रूरा-झींझक मार्ग पर गेंद्दामऊ गांव के सामने तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने युवक को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

आनन फानन में राहगीर और स्थानीय लोग उसे उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाए, जहां इमरजेंसी ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर संध्या देवी ने युवक को मृत घोषित कर दिया। मौत की खबर घर पहुंचने पर उसकी मां सियादुलारी, भाई मोहित और अभिषेक आदि का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। हादसे की सूचना पर पहुंचे सब इंस्पेक्टर आरके वर्मा ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। थानाध्यक्ष अमित शुक्ला ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। तहरीर मिलने के बाद कार्रवाई की जाएगी।

रूरा सीएचसी में मौजूद युवक के परिवार वाले। अमृत विचार

घरवाले सोए, युवक ने फंदा लगाकर दी जान

संवाददाता, रूरा

- रूरा क्षेत्र के सराय गढ़वा गांव की घटना, वजह स्पष्ट नहीं
- सुबह बेटे का फंदे पर शव लटका देख बदहवास हो गई मां

अमृत विचारः थाना क्षेत्र के सराय गांव में एक युवक ने मंगलवार की रात को फंदा लगाकर जान दे दी। जानकारी पर घर में कोहराम मच गया। पुलिस ने छानबीन की है।

सराय गढ़वा गांव का रहने वाले 20 वर्षीय शिवा पंजाब के चंडीगढ़ में प्राइवेट नौकरी करता था। वह करीब एक माह पहले गांव आया था। इसके बाद से वह तनाव में रह रहा था। मंगलवार रात में उसने घर के अंदर कमरे में छत के कुंडे में फंदा लगा लिया। इससे उसकी मौत हो गई। बुधवार सुबह जानकारी होते ही घर में कोहराम मच गया। बेटे की मौत से मां ममता बदहवास हो गई।

शिवा।

इसके साथ ही बहन सौम्या, रागिनी, नेहा, भाई अमरीश, अवधेश आदि का रो -रोकर बुरा हाल हो गया। सूचना पर रूरा थाने से दरोगा चैनपाल सोलंकी गांव पहुंचे और परिजनों से पूछताछ की। फारेंसिक टीम ने घटना स्थल से साक्ष्य संकलित किए। थानाध्यक्ष अमित शुक्ला ने बताया कि पूछताछ में परिजन आत्महत्या की वजह साफ नहीं कर सके हैं। घटना की छानबीन हो रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद अग्रिम कार्रवाई होगी।

किसानों ने जांच अधिकारी को सुनाई पीड़ा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

अमृत विचारः बाजारों में प्राइवेट दुकानदारों द्वारा अधिक कीमत पर यूरिया बेचे जाने की शिकायतों के चलते डीएम के निर्देश पर एसडीएम ने टीम बनाकर समितियों की जांच करने के निर्देश नायब तहसीलदार को दिए। इसपर टीम ने कहिंजरी सहकारी समिति का औचक निरीक्षण किया।

एसडीएम सर्वेश सिंह ने बताया कि सभी किसानों को यूरिया और डीएपी समान रूप से उपलब्ध न होने की शिकायतों के मद्देनजर जिलाधिकारी के निर्देश पर टीम बनाकर समितियों की जांच की जा रही है। जिससे समितियों में मनमाने ढंग से किसी को अधिक और किसी को कम यूरिया दिए जाने की जांच हो सकेगी। शासन के निर्देशानुसार एक हेक्टेयर पर किसान को 3 बोरी डीएपी और 6 बोरी यूरिया दिया जाना तय किया गया है। इसी क्रम में बुधवार को नायब तहसीलदार हरिशंकर वर्मा व लेखपाल उत्तम कुमार की टीम ने बहुउद्देशीय प्राथमिक सहकारी समिति का निरीक्षण किया है। समिति के सचिव ने बताया कि मंगलवार को यूरिया की पहली खेप 500 बोरी आई है। जिसका बुधवार को वितरण आरंभ किया गया है। इसी दौरान नायब तहसीलदार के नेतृत्व में आई टीम ने समिति की जांच की। उन्होंने बताया कि किसानों को प्रति हेक्टेयर 6 बोरी यूरिया दो बार में दी जाएगी। कई किसानों ने बताया कि समितियों पर चहेतों को अधिक यूरिया दी जाती है। जिससे अनेक किसानों को निराश लौटना पड़ता है। किसानों को खुले बाजार से 360 रुपये प्रति बोरी से लेकर 380 रुपये प्रति बोरी तक यूरिया बेची जा रही है। जबकि सरकारी मूल्य 266.50 रुपये प्रति बोरी है। जांच करने गए नायब तहसीलदार हरिशंकर वर्मा ने बताया कि प्राथमिक जांच में अभी कोई अनियमितता नहीं मिली है। जांच के बाद रिपोर्ट एसडीएम को देंगे।

बहुउद्देशीय सहकारी समिति में जांच करने पहुंचे नायब तहसीलदार हरीशंकर वर्मा को पीड़ा सुनाते किसान। अमृत विचार

विषयवार प्रश्न बैंक से निपुण होंगे स्कूली बच्चे

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

- निपुण एप के जरिए होगा बच्चों के शैक्षिक स्तर का मूल्यांकन
- 25 सप्ताह की शिक्षण योजना का मूल्यांकन करना होगा

अमृत विचारः परिषदीय स्कूलों के शिक्षकों को हर हफ्ते अपनी कक्षा के कम से कम पांच बच्चों का मूल्यांकन निपुण एप से करना होगा। इससे शिक्षकों, अभिभावकों और शैक्षिक अधिकारियों को बच्चों के पढ़ाई के स्तर की रियल टाइम जानकारी मिल सकेगी।

परिषदीय स्कूलों में बच्चों के सीखने का स्तर बेहतर करने के लिए समग्र शिक्षा अभियान के राज्य परियोजना कार्यालय की ओर से निपुण एप को अपग्रेड किया गया है। एप अपग्रेड होने के बाद राज्य परियोजना की ओर से बीएसए को निर्देश मिले हैं। इसके बारे में बीएसए ने बीईओ को अवगत कराया है। साथ ही पालन कराने का आदेश दिया है। परिषदीय स्कूलों के शिक्षकों को निपुण एप पर 25 सप्ताह की शिक्षण योजना का मूल्यांकन करना होगा।

एआरपी, डायट मेंटर और स्टेट रिसोर्स ग्रुप को 10 से 30 स्कूलों में सहयोगात्मक पर्यवेक्षण करना होगा। इन निरीक्षणों के दौरान कक्षा एक और दो के 40 प्रतिशत, कक्षा तीन से पांच के 30 प्रतिशत और कक्षा छह व आठ के 20 प्रतिशत बच्चों का मूल्यांकन किया जाएगा। निपुण एप रविवार और छुट्टियों में बंद रहेगा। एक बार में दो विद्यालयों का मूल्यांकन होने के बाद एप स्वतः ही लॉक हो जाएगा। पर्यवेक्षण के बाद शिक्षकों को जरूरी फीडबैक और रेमेडियल प्लान देना भी अनिवार्य किया गया है। एप का डाटा बेसिक शिक्षा अधिकारी और खंड शिक्षा अधिकारियों की बैठकों में समीक्षा का आधार बनेगा।

हर हफ्ते पांच बच्चों का होगा मूल्यांकन

- निपुण एप पर परिषदीय शिक्षकों को हर हफ्ते पांच बच्चों का मूल्यांकन करना होगा। मूल्यांकन के लिए कक्षा एक से आठ तक के बच्चों के लिए विषयवार प्रश्न बैंक बनाया गया है, जिसमें बच्चों की समझ और सीखने की क्षमता आंकने के लिए प्रश्न शामिल हैं। एप में शिक्षक, पर्यवेक्षक और मास्टर ट्रेनर शामिल किए गए हैं। इसमें हर बच्चे के लिए अलग-अलग रैंडम आधार पर प्रश्न पूछे जाएंगे और उसके प्रदर्शन के आधार पर तुरंत सहयोग भी किया जाएगा।

राष्ट्र धर्म का संदेश | अकबरपुर डिग्री कॉलेज से ओवरब्रिज तक निकाली गई तिरंगा यात्रा, हर घर में राष्ट्रीय ध्वज फहराने का किया गया आह्वान

हाथों में तिरंगा लेकर देश भक्ति का संदेश देने निकले अफसर

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

अमृत विचारः उत्तर प्रदेश शासन एवं संस्कृति मंत्रालय के निर्देशों के क्रम में हर घर तिरंगा अभियान के तहत बुधवार को अकबरपुर में देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता के भाव से ओत-प्रोत भव्य तिरंगा रैली का आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ अकबरपुर डिग्री कॉलेज से हुआ, जो ओवरब्रिज से होते हुए पुनः अकबरपुर डिग्री कॉलेज, अकबरपुर में आकर उत्साह एवं उल्लास के साथ संपन्न हुई।

बुधवार को तिरंगा रैली का नेतृत्व जिलाधिकारी कपिल सिंह, पुलिस अधीक्षक अरविंद मिश्र एवं मुख्य विकास अधिकारी लक्ष्मी एन ने किया। जनपद स्तरीय अधिकारी, कर्मचारी, शिक्षकगण, व्यापारी वर्ग, स्थानीय नागरिक, छात्र-छात्राएं एवं पुलिस के जवान बड़ी संख्या में शामिल हुए। हाथों में तिरंगा लिए प्रतिभागी भारत माता की जय और वंदे मातरम के नारों के साथ मार्ग पर बढ़ते हुए देशभक्ति का संदेश दिए। रैली में निकाला गया लंबा तिरंगा झंडा विशेष आकर्षण का केंद्र रहा, जिसने उपस्थित जनमानस में उत्साह और गर्व की भावना को और अधिक प्रबल किया। रैली के मार्ग में स्थानीय नागरिकों ने प्रतिभागियों का स्वागत किया। पूरे रास्ते पर वातावरण राष्ट्रभक्ति के गीतों, नारों और जयघोषों से गूंजता रहा। समापन स्थल पर जिलाधिकारी ने कहा कि तिरंगा हमारे देश की आन, बान और शान का प्रतीक है। यह केवल एक ध्वज नहीं, बल्कि हमारे स्वतंत्रता संग्राम के दौरान दिए गए अनगिनत बलिदानों और त्याग का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है कि वह राष्ट्रध्वज का सम्मान करे और देश की अखंडता एवं एकता को बनाए रखने में अपना योगदान दे। जिलाधिकारी ने जनपदवासियों को आगामी स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दीं और आह्वान किया कि हर घर तिरंगा अभियान में सक्रिय सहभागिता निभाएं,अपने घरों, प्रतिष्ठानों और संस्थानों पर तिरंगा फहराएं। साथ ही स्वच्छता को प्राथमिकता दें और अपने आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखें। इस मौके पर उप जिलाधिकारी नीलिमा यादव, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर एके सिंह, परियोजना निदेशक वीरेंद्र सिंह, जिला विकास अधिकारी सुनील कुमार तिवारी, जिला विद्यालय निरीक्षकबृजभूषण, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अजय मिश्रा सहित जिला स्तरीय अधिकारी, शिक्षक, शिक्षिकाएं आदि उपस्थित रहे।

बुधवार को अकबरपुर में जिला स्तरीय अधिकारियों ने तिरंगा यात्रा निकाली। अमृत विचार

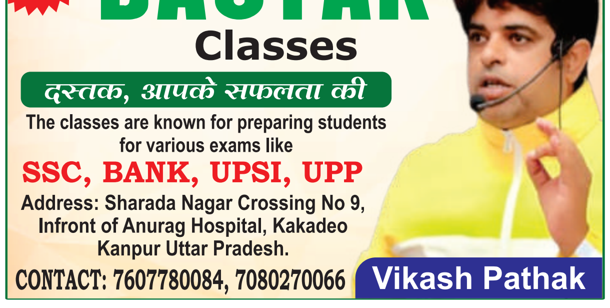

न्यूज ब्रीफ

ट्रक की टक्कर युवक की चली गई जान

बिधनू। बिधनू के कठेरुआ गांव के पास मंगलवार देर रात करीब 1:30 बजे तेज रफ्तार ट्रक ने एक बाइक में टक्कर मार दी। बाइक पर तीन युवक सवार थे। टक्कर से तीनों युवकों के सिर पर गंभीर चोटें आई हैं। पुलिस ने घायलों को सीएचसी में भर्ती कराया। वहां एक युवक की मौत हो गई। राजन नगर सागरपुरी निवासी 45 वर्षीय वीरेंद्र कुमार मंगलवार देर रात पड़ोसी पिता पुत्र 50 वर्षीय धर्मराज व 24 वर्षीय सुमित के साथ बाइक से घाटमपुर जा रहे थे। सुमित बाइक चला था। कठेरुआ गांव के पास पीछे से आ रहा तेज रफ्तार ट्रक बाइक में टक्कर मारता हुआ निकल गया। ट्रक की टक्कर से तीनों सिर के बल गिरकर घायल हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने तीनों घायलों को सीएचसी में भर्ती कराया। वहां पर मौजूद डॉक्टर ने वीरेंद्र को मृत घोषित कर दिया। वहीं धर्मराज व सुमित को एलएलआर रेफर कर दिया गया।

दूसरा हत्यारोपी भी हुआ गिरफ्तार

बिधनू। बिधनू में मजदूर की हत्याकर शव को थाने की बाउंड्री के पास फेंकने की घटना में फरार दूसरे हत्यारोपित युवक को भी मंगलवार रात पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। जयसिंहपुर निवासी 32 वर्षीय मजदूर विक्रम का शव बीती नौ अगस्त की सुबह थाने की बाउंड्री के पास पड़ा मिला था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में विक्रम की पीटकर हत्या करने की पुष्टि होने पर पुलिस सक्रिय हुई। पुलिस ने मकान मालिक रामशरण गुप्ता को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की। पूछताछ में रामशरण ने हत्या की पूरी कहानी बताई। इसके बाद पुलिस ने विक्रम के छोटे भाई सोनू की तहरीर पर रामशरण, राजेश व एक महिला के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया। पुलिस ने राजेश को सर्विलांस के जरिये मंगलवार की रात बिधनू नहर के पास से गिरफ्तार कर लिया। थाना प्रभारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि दोनों हत्यारोपितों को जेल भेज दिया गया है। फरार महिला की तलाश की जा रही है।

फिर मरे गोवंश, अब इलाज शुरू

लगातार मौतें होने के बाद प्रशासन की टूटी नींद, कमालपुर गौशाला पहुंचे अफसर

संवाददाता, बिल्हौर/शिवराजपुर

अमृत विचार। शिवराजपुर ब्लॉक की कमालपुर वृहद गौशाला में गोवंशों की लगातार हो रही मौत की खबरें सामने आने के बाद आखिरकार जिला प्रशासन की नींद टूट गई। पिछले दो दिनों से, प्रशासन ने गौशाला में वृहद सफाई और उपचार अभियान शुरू किया है। इस अभियान में जिला प्रशासन के कई आला अधिकारी देर रात तक जुटे रहे। हालांकि बुधवार को भी कई गोवंशों की स्थिति नाजुक रही और उनकी मौत भी हो गई। इन सबके बीच जिला प्रशासन के तमाम अधिकारी मौके पर पहुंचे और गौशाला को व्यवस्थित ढंग से संचालित करने की योजना बनाई है।

उप जिलाधिकारी ने संभाला मोर्चा: इस अभियान का नेतृत्व स्वयं उप जिलाधिकारी संजीव दीक्षित कर रहे हैं। उनके निर्देशन में, कर्मचारियों ने गौशाला की पूरी तरह से साफ-सफाई की। यह अभियान देर रात तक चलता रहा, जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि गोवंशों को एक स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण मिले। मंगलवार की शाम से चले अभियान को बुधवार को भी उप जिलाधिकारी ने जारी रखा और तहसील के नए तहसीलदार रंजीत यादव की मौजूदगी में लगातार 2 दिनों से सफाई अभियान जारी है।

बुधवार को गौशाला का निरीक्षण करने पहुंचे आला अधिकारी। अमृत विचार

जान बचाने में जुटी चिकित्सकों की टीम

- सफाई अभियान के साथ-साथ, गौशाला में बीमार गोवंशों के लिए विशेष उपचार की व्यवस्था भी की गई है। पशु चिकित्सकों की टीम गोवंशों का इलाज कर रही है, ताकि उनकी जान बचाई जा सके। प्रशासन के इस कदम से उम्मीद है कि गोवंशों की स्थिति में सुधार होगा और गौशाला में मरने वाले जानवरों की संख्या में कमी आएगी।

मुख्य विकास अधिकारी ने किया निरीक्षण

- इस गंभीर स्थिति को देखते हुए, मुख्य विकास अधिकारी दीक्षा जैन भी मौके पर पहुंची और गौशाला का निरीक्षण किया। उन्होंने सफाई कार्य का जायजा लिया और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उनके निरीक्षण से यह स्पष्ट होता है कि जिला प्रशासन इस समस्या को गंभीरता से ले रहा है। सीडीओ द्वारा बताया गया कि पूरे मामले की जांच कराई जा रही है। सचिव को पहले ही निलबिंत कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि आगे अन्य दोषी अधिकारियों पर भी कार्यवाही को जाएगी। इस मौके पर डीपीआरओ मनोज कुमार, बीडीओ बलराम, नायब तहसीलदार रंजीत यादव आदि मौजूद रहे।

रात्रि गश्त में तेजी लाएं पुलिसकर्मी

चौबेपुर। क्षेत्र में बीते दिनों हुई चोरी की करीब दर्जनभर घटनाओं में अभी तक किसी का भी खुलासा न हो पाने को लेकर डीसीपी पश्चिम दिनेश चंद्र त्रिपाठी ने समीक्षा बैठक की।

क्षेत्र में विगत दो माह के दौरान करीब दर्जनभर चोरी की घटनाएं हो चुकी हैं। वहीं इन चोरी की घटनाओं में किसी भी घटना का खुलासा अभी तक नहीं हो सका है। क्षेत्र में चोरों की बढ़ती सक्रियता व लगातार वारदातों को लेकर पुलिस उपायुक्त (पश्चिम) दिनेश चंद्र त्रिपाठी ने बुधवार को अपने मातहतों के साथ एक समीक्षा बैठक की। इस दौरान उन्होंने घटनाओं के खुलासे के लिए टीमें गठित किए जाने की बात कही। साथ ही घटनाओं पर अंकुश के लिए रात्रि गश्त पर जोर देने के निर्देश दिए। इस मौके पर प्रभारी निरीक्षक राजकुमार सिंह राठौर, उप निरीक्षक आनंद कुमार पांडे, अंकित कुमार, रोहन लाल, दीपक कुमार समेत अन्य पुलिस स्टाफ मौजूद रहा।

पहले बेटी को अपशब्द कहे फिर विरोध पर पिता को पीटा

- मारपीट की घटनाओं में दो लोग घायल, मुकदमा दर्ज

संवाददाता, चौबपुर

अमृत विचार। क्षेत्र के जरारी गांव में बेटी के साथ अपशब्दों का इस्तेमाल किए जाने का विरोध करने पर पिता पुत्रों ने युवक को मारपीट कर घायल कर दिया। पीड़ित पक्ष की तहरीर पर पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत कर कार्रवाई शुरू की है।

क्षेत्र के जरारी गांव निवासी बाबू सिंह ने पुलिस को दिए शिकायती पत्र में बताया है कि उनकी नातिन नैंसी क्षेत्र स्थित एक स्कूल में पढ़ने के लिए जाती है। गांव के शौर्य प्रताप उर्फ रामजी अवस्थी द्वारा उसे अपशब्द बोले जाने पर अशोक ने इसका विरोध किया था। जिसको लेकर मंगलवार सुबह करीब 6:00 बजे जब अशोक घर से ड्यूटी के लिए घर से निकला, तभी रास्ते में मरियानी गांव के पास शौर्य प्रताप उर्फ राम जी उसके भाई मोहन, पिता संतोष अवस्थी व एक अन्य ने उसे घेर लिया और लाठी डंडा, लोहे की रॉड, व पिस्टल की बट से जमकर मारा पीटा। मारपीट में अशोक को गंभीर चोटें आईं, जिसे हैलट अस्पताल में भर्ती कराया गया।

वहीं मारपीट की एक अन्य घटना में जरारी गांव के ही अजय पुत्र राम औतार ने पुलिस को दिए शिकायती पत्र बताया कि बुधवार सुबह वह अपने दरवाजे के सामने साफ सफाई कर रहा था। तभी पुरानी बातों को लेकर पारिवारिक चाचा शिवपाल पुत्र राम प्रसाद ने उसे जमकर मारा पीटा, जिससे उसके सिर में गंभीर चोटें आईं। प्रभारी निरीक्षक राजकुमार सिंह राठौर ने बताया कि मारपीट की घटनाओं में मुकदमा पंजीकृत कार्रवाई की जा रही है।

घर की छत गिरने से छह वर्षीय बच्ची की गई जान

संवाददाता, बिधनू

अमृत विचार। बिधनू के रमईपुर कस्बे में मंगलवार रात हुई रिमझिम बारिश के दौरान कच्चे मकान की छत गिर गयी। इसके मलबे में दबकर छह वर्षीय बच्ची की मौत हो गयी।

रमईपुर निवासी अजय कुरील मजदूरी करके अपने परिवार का भरण पोषण करते हैं। उनके परिवार में पत्नी पूजा दो बेटे अंशू (20) प्रांशू (15) तीन बेटियां अंकिता (18) प्रांशी और पीहू (6) हैं। अजय के मुताबिक मंगलवार रात खाना खाने के बाद वह पत्नी और दोनों बेटे मकान के बाहरी हिस्से में बने बरामदे में सो रहे थे। वही तीनों बेटियां मकान के पिछले हिस्से के कमरे में सो रही थीं। देररात हुई रिमझिम बारिश के दौरान कमरे की कच्ची छत अचानक भरभरा कर गिर गयी। इसमे दबकर अंकिता, प्रांशी और पीहू घायल हो गयीं। चीखपुकार मचने पर पड़ोसियों की मदद से तीनों घायल बेटियों को बिधनू सीएचसी पहुंचाया, जहां डॉक्टर ने पीहू को मृत घोषित कर दिया। बिधनू इंस्पेक्टर जितेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि परिजनों ने पोस्टमार्टम कराने से इंकार कर दिया।

पत्नी व सास-ससुर पर धारदार हथियार से किया हमला, घायल

संवाददाता, बिल्हौर /शिवराजपुर

अमृत विचार। शिवराजपुर के पास काकूपर निहाल गांव में बुधवार को एक चौंकाने वाली घटना सामने आई। यहां पर एक पति ने अपने पांच-छह साथियों के साथ ससुराल पहुंचा और अपनी पत्नी, सास और ससुर पर धारदार हथियारों से हमला कर दिया।

काकूपर निहाल गांव के कृष्ण कुमार की बेटी अपर्णा का विवाह टीकरा के राघव द्विवेदी के साथ छह माह पूर्व हुआ था। पहली बार जब अपर्णा ससुराल गई तभी पति-पत्नी के बीच किसी बात को लेकर मन मुटाव हो गया था। अपर्णा चौथी में ससुराल से मायके आई थी तब से वह यहीं पर थी। बुधवार को राघव अपने साथी राहुल राठौर और कुछ अज्ञात लोगों के साथ अपनी ससुराल अपर्णा को लेने के लिये पहुंचा था। बताया जा रहा है कि बातचीत के दौरान विवाद इतना बढ़ गया कि राघव और उसके साथियों ने ससुर कृष्ण कुमार दीक्षित, सास सुमन देवी और पत्नी अर्पण पर धारदार हथियारों से हमला कर दिया। इस हमले में तीनों बुरी तरह से घायल हो गए। घटना देखकर पड़ोसियों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। पुलिस के आने से पहले आरोपी मौक से भाग निकले। पुलिस ने तीनों घायलों को शिवराजपुर सीएचसी में भर्ती कराया। यहां पर डॉक्टरों ने तीनों को प्राथमिक उपचार देने के बाद, उनकी हालत को देखते हुए उन्हें कानपुर भेज दिया।

वहीं एसीपी अमरनाथ यादव ने बताया कि पीड़ित पारिवारिक जनों की ओर से तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज किया गया है। तथा आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीमों का गठन भी कर दिया गया है।

पैमाइश के दौरान हुआ खूनी संघर्ष

संवाददाता, बिल्हौर

अमृत विचार। कानपुर के अरौल स्थित संभियापुर गांव में बुधवार को चकरोड की पैमाइश के दौरान दो पक्षों में जमकर मारपीट हो गयी। इस दौरान पीड़ित पक्ष को लाठी-डंडों और फावड़े से जमकर पीटा गया, जिसमें तीन लोग घायल हो गए।

बुधवार की दोपहर को गांव के गाटा संख्या 210 में क्षेत्रीय लेखपाल की मौजूदगी में चकरोड की पैमाइश चल रही थी। मौके पर राजस्व निरीक्षक, पंचायत सचिव और कई ग्रामीण भी मौजूद थे। गांव की निवासी रिंकी ने पुलिस को दी गई अपनी तहरीर में बताया कि वह अपने पति रणवीर, विपिन बिहारी, श्याम बिहारी और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ मौके पर मौजूद थीं। तभी गांव के कुछ लोग जिनमें राम आसरे, ललित, कुमार गुड्डू, अमर सिंह, लालजीत, रूपेश, गोलू और सुमन शामिल हैं, वहां आकर गाली-गलौज करने लगे, जब इसका विरोध किया तो उन लोगों ने लाठी-डंडों और फावड़े से उन पर हमला कर दिया। इस हमले में रणवीर, श्याम बिहारी और रिंकी घायल हो गए। मारपीट की घटना का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें दोनों पक्षों के बीच विवाद को साफ देखा जा सकता है। हालांकि अमृत विचार इस वीडियो की पुष्टि नहीं करता है।

घटना के दौरान मची अफरा-तफरी के बीच किसी ग्रामीण ने 112 नंबर पर फोन करके पुलिस को सूचना दी। पुलिस के आने की खबर सुनकर हमलावर धमकी देते हुए मौके से भाग निकले। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। थाना प्रभारी जनार्दन यादव ने बताया कि तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज की गई है।

तिरंगा यात्रा निकालते छात्र और शिक्षक। अमृत विचार

तिरंगा यात्रा निकालकर भरा देशभक्ति का जोश

संवाददाता, चौबपुर

- वीवीआईपी स्कूल के छात्रों ने शिक्षकों के साथ मिलकर निकाली तिरंगा यात्रा
- तिरंगा यात्रा की समाप्ति पर बच्चों को मिष्ठान वितरित किया गया

अमृत विचार। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर बुधवार को कस्बा स्थित वीवीआईपी स्कूल के छात्र छात्राओं व शिक्षकों द्वारा विशाल तिरंगा यात्रा निकाली गई। इस दौरान विद्यालय चेयरमैन ने विद्यार्थियों को तिरंगे की महत्ता के बारे में जानकारी दी। तिरंगा यात्रा के दौरान सारे बच्चे देशभक्ति के नारे लगाते हुए चल रहे थे।

कस्बे के बेला मार्ग स्थित वीवीआईपी स्कूल के विद्यार्थियों व शिक्षकों द्वारा मार्च पास्ट के साथ तिरंगा यात्रा निकाली गई। इस दौरान हाथों में तिरंगा लिए बच्चे भारत माता की जय व वंदे मातरम का उद्घोष कर रहे थे। इसके पूर्व विद्यालय चेयरमैन डॉ पुरुषोत्तम बाजपेई ने छात्र-छात्राओं को बताया कि किस तरह से वर्षों तक अंग्रेजी हुकूमत के गुलाम रहे भारत देश को हमारे वीर सपूतों ने आजाद कराया। कार्यक्रम समाप्ति के उपरान्त बच्चों को मिष्ठान वितरित किया गया।

इस मौके पर विद्यालय प्रधानाचार्य अंकित बाजपेई, उप प्रधानाचार्य कैफी आजमी, बीना दुबे, श्रद्धा, सोमा, प्रज्ञा, विनीता, ज्योति, सिमरन, शन्नो, नेहा, जागृति निधी, विनय व संदीप त्रिपाठी आदि के साथ बड़ी संख्या में छात्र छात्राएं व शिक्षक मौजूद रहे।

कार्यालय नगर पालिका परिषद कन्नौज

पत्रांक :- 1610 /के0जे0/ जल0अनु0/2025-26 दिनांक :- 13-8-2025

अल्पकालीन निविदा सूचना

समस्त आपूर्तिकर्ता एवं ठेकेदारों को सूचित किया जाता है कि वित्त आयोग/बोर्ड फण्ड की संस्तुतियों के अधीन नगरीय निकायों को वित्तीय वर्ष 2025-26 में स्वीकृत धनराशि के अन्तर्गत एक नग डीजल कार्गो लोडर 435CC इंजन क्रय करने के लिए ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। उक्त निविदा वेबसाइट http://entender.up.nic.in पर देखी जा सकती है। जो निम्न सेड्यूल पर होगी।

टेण्डर शेड्यूल (www.etender.up.nic.in)

क्र0	नगर पालिका परिषद कन्नौज		प्रारम्भ दिनांक एवं समय	अन्तिम दिनांक एवं समय
1	Tender Release	-	13.08. 2025 10.00AM	20.08. 2025 02.00AM
2		Tender Download	13.08. 2025 10.00AM	
3		Bid Submission	13.08. 2025 10.00AM	
5	Bid Opening		20.08. 2025 3.00PM	20.08. 2025 3.00PM

अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद, कन्नौज

अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद, कन्नौज

कार्यालय जिला निर्वाचन अधिकारी, कन्नौज

सूचना

एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 29ए के प्राविधानों के अन्तर्गत भारत निर्वाचन आयोग में पंजीकृत उत्तर प्रदेश राज्य के 121 पंजीकृत अमान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों द्वारा वर्ष 2019 से वर्ष 2025 (06 वर्षो) के मध्य आयोग द्वारा आयोजित निर्वाचनों में एक भी चुनाव नहीं लड़े जाने के फलस्वरुप भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली के पत्र संख्या :- 56/2025/पी0पी0एस0-III, दिनांक 11 अगस्त, 2025 द्वारा जारी दिशा- निर्देशों के क्रम में अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उ0 प्र0 द्वारा निम्नलिखित पार्टियों को स्कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है :-

SI. No.	Name of RUPP	Registered Address of the party (RUPP)
1	2	3
1	Kisan Sena	101, Koliyan Vishungarh Road, Chhibramau, Kannouj, Uttar Pradesh

2. कार्यालय मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तर प्रदेश, लखनऊ द्वारा उपरोक्त पंजीकृत अमान्यता प्राप्त राजनैतिक दल को जारी कारण बताओ नोटिस पार्टी के पंजीकृत पते पर रजिस्टर्ड डाक द्वारा प्रेषित किया गया है।

3- "कारण बताओ नोटिस" के सम्बंध में उक्त पार्टी के अध्यक्ष/महासचिव अपना प्रत्यावेदन हलफ़नामा एवं सुसंगत अभिलेखों के साथ दिनांक 21 अगस्त, 2025 तक कार्यालय मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उ0प्र0, चतुर्थ तल विकास भवन, जनपथ मार्केट, लखनऊ-226001 को उपलब्ध करा सकते है एवं सुनवाई हेतु नियत दिनांक 02 सितम्बर, 2025 एवं 03 सितम्बर, 2025 को कार्यालय अवधि में मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उ0प्र0 के समक्ष उनके कार्यालय में उपस्थित हो सकते है। (यदि पार्टी की ओर से कारण बताओ नोटिस के सम्बन्ध में निर्धारित तिथि के भीतर प्रत्यावेदन उपलब्ध नहीं कराया जाता है, तो यह माना जायेगा कि पार्टी को इस मामले में कुछ नहीं कहना है और पार्टी को राजनैतिक दलों की सूची से हटाये जाने के सम्बंध में मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उ0प्र0 की ओर से संस्तुति सहित प्रस्ताव भारत निर्वाचन आयोग को प्रेषित कर दिया जायेगा।

(आशुतोष मोहन अग्निहोत्री)
जिला निर्वाचन अधिकारी,
जनपद -कन्नौज

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना
मेरा नाम श्रीमती रूमी सिद्दकी था जिसे मैंने शादी उपरान्त बदलकर रूमीना शेख (RUMEENA SEKH) कर लिया है। अतः मुझे रूमीना शेख (RUMEENA SEKH) के नाम से जाना व पहचाना जाय। **रूमीना शेख पत्नी मोहम्मद फरीद, भवन संख्या 295/03, दीनदयाल रोड, अर्शरफाबाद, लखनऊ 226003 उ0प्र0**

सूचना
मैने अपना नाम VAKIL AHMAD ANSARI से बदलकर WAQEEL AHMAD रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। WAQEEL AHMAD AD-544/1469A, BARAURA HUSSAIN BARI, THAKURGANJ, OPPOSITE NAYI MASJID, DIST-LUCKNOW-226003 (U.P)

सूचना
मेरे पुत्र के जन्म प्रमाण पत्र में उसका नाम विश्वास अंकित है जबकि मेरे लड़के का सही नाम प्रज्जवल गुप्ता है जो भविष्य में इसी नाम से जाना और पहचाना जाए। पिता राजेश गुप्ता मकान नंबर 33/220 मूलगंज कानपुर नगर

सूचना
मैने अपना नाम RAFEEUN NISA से बदलकर RAFI UN NISHA रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। W/0-MOHD ARIF R/0-195/7 JAGAT NARAYAN ROAD DIST-LUCKNOW-226001 (U.P.)

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा हाई स्कूल वर्ष 2016 जिसका रोल नंबर 2602881 है तथा इंटरमीडिएट वर्ष 2018 जिसका रोल नंबर 2024129 है का अंक प्रमाण पत्र वास्तव में कहीं खो गया है **प्रार्थी सोनाली मिश्रा पुत्री श्रीकांत मिश्रा निवासी ग्राम बर्डपुर नंबर 9 टोला शिवपुर थाना कपिलवस्तु जिला सिद्धार्थ नगर**

सूचना
मैं **आशीष कुमार सिंह पुत्र शमशेर सिंह निवासी- ग्राम सलौली, पोस्ट कासिमपुर, तहसील मोहनलालगंज जिला लखनऊ उ0प्र0** मेरे पुत्र आश्विक सिंह के शैक्षणिक अभिलेख (टी0सी0) में जन्मतिथि 22/08/2010 अंकित है जो कि त्रुटिपूर्ण है। जबकि पुत्र के आधार व जन्म प्रमाण पत्र में जन्मतिथि 22/08/2009 जो कि सत्य व सही है। अपने पुत्र आश्विक सिंह के आधार व जन्म प्रमाण पत्र के अनुसार टी0सी में जन्मतिथि 22/08/2009 अंकित किया जाय।

सूचना
मेरे छठवें पुत्र शशांक सक्सेना का चाल-चलन ठीक नहीं है। वह आवारा किस्म का नाकारा हो गया है। आये दिन नशे में धुत होकर पिता व अन्य परिजनों से गाली गलौज करता है। माता व पिता की बात नहीं मानता है। इसी लिये उसे अपनी चल अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है। उसकी ओर से किये गये अच्छे व बुरे कृत्य का वह खुद जिम्मेदार होगा। **-अशोक कुमार पुत्र स्व. राम लाल निवासी मोहल्ला सुभाष नगर कस्बा व थाना सौरिख तहसील छिबरामऊ जिला कन्नौज।**

सूचना
सूचित किया जाता है कि मेरे पुत्र सार्थक मौर्या का नाम यूपी बोर्ड के हाईस्कूल, इंटरमीडिएट व आधार के अनुसार सही है, जिसमें सार्थक मौर्या पुत्र अमिरका प्रसाद व माता निर्मला दर्ज है, भविष्य में सभी को उपरोक्त नामों से जाना व पहचाना जाए। **अमिरका प्रसाद निवासी ग्राम सुल्तानजोत, पोस्ट दर्जी कुआं जिला गोंडा।**

सूचना
मैं सिंधु पटेल पुत्र सलिल कुमार निवासी ग्राम जगदीशपुर नोखा (कजरी) पोस्ट बरियावन तहसील अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर का पुत्री इशिता पटेल सेंट पीटर्स इंटर कालेज अकबरपुर में कक्षा 9 सेक्सन डी का छात्रा है। जिसका रजिस्ट्रेसन क्रमांक S 5149 है। जिसमे पुत्री की माता का नाम KHUSHBOO PATEL जो कि गलत है। प्रवेश पंजिका में KHUSHBU VERMA होना है।

सूचना
मैं सिंधु पटेल पुत्र सलिल कुमार निवासी ग्राम जगदीशपुर नोखा (कजरी) पोस्ट बरियावन तहसील अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर का पुत्र रौनक पटेल सेंट पीटर्स इंटर कालेज अकबरपुर में कक्षा 4 सेक्सन बी का छात्र है। जिसका रजिस्ट्रेसन क्रमांक S 6822 है। जिसमे पुत्र की माता का नाम KHUSHBOO PATEL जो कि गलत है। प्रवेश पंजिका में KHUSHBU VERMA होना है।

NOTICE
I am Shaban Ali Ziyauddin Ansari S/O Ziyauddin Ansari,changing my name to Chhedi S/O Ziyauddin Ansari from today dated 14/08/2025. From today onwards we should be known and identified by this name only. Resident Mohalla Patel Nagar Post Utraula Kotwali Utraula Tehsil Utraula District Balrampur Uttar Pradesh (India) Pin Code 271604.

NOTICE
I am Vikash S/O Soman, changing my name to Vikas Kumar Gautam S/O Soman from today, 14/08/2025. From today onwards, we should be known and identified by this name. Resident of Village and post Pehar, Police Station Rehra Bazar, Tehsil Utraula, district Balrampur, Uttar Pradesh (India), pin code 271604

सूचना
मैं शाबान अली ज़ियाउद्दीन अंसारी पुत्र ज़ियाउद्दीन अंसारी आज दिनांक 14/08/2025 से अपना नाम बदलकर छेदी पुत्र ज़ियाउद्दीन अंसारी कर रहा हूँ। आज के बाद हमें इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। निवासी मोहल्ला पटेल नगर पोस्ट उतरौला कोतवाली एवं तहसील उतरौला जिला बलरामपुर उत्तर प्रदेश (भारत) पिन कोड 271604

सूचना
मैं विकाश पुत्र सोमन आज दिनांक 14/08/2025 से अपना नाम बदलकर विकास कुमार गौतम पुत्र सोमन कर रहा हूँ। आज के बाद हमें इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। निवासी ग्राम व पोस्ट पेहर थाना रेहरा बाजार तहसील उतरौला जिला बलरामपुर उत्तर प्रदेश (भारत) पिन कोड 271604

सूचना
मै अश्वनी कुमार पुत्र बाल कृष्ण निवासी म. न. 14/2053, से. 14, इंदिरानगर, लखनऊ सूचित करता हूं कि मेरे पुत्र निशित सिंह ने हाई स्कूल, केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (CBSE) अनुक्रमांक न. 23219808 वर्ष 2022 में पास किया जिसमें पिता का नाम त्रुटिवश अश्वनी कुमार (Ashwani Kumar) अंकित हो गया है जबकि सही नाम अश्वनी कुमार (Ashvani Kumar) है।

सूचना
मैं **इम्तयाज अहमद वल्द इरशाद अहमद निवासी 6-बी, केशव नगर, सीतापुर रोड, फैजुल्लागंज, कृष्ण विहार कॉलोनी के पास, निराला नगर, लखनऊ-226020** ने अपने पुत्र ओसामा अहमद का नाम बदलकर अम्मार अहमद सभी उद्देश्यों हेतु कर दिया है। जो की उसके शैक्षणिक अभिलेखों में दर्ज किया जाना आवश्यक है।

सिटी ब्रीफ

निरीक्षण कर लोगों से पूछीं समस्याएं

कानपुर। नगर आयुक्त सुधीर कुमार ने बुधवार को जोन–3 स्थित वार्ड संख्या 92 का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त ने 4 किलोमीटर पैदल चलकर क्षेत्रीय नागरिकों से संवाद किया और उनकी समस्याओं को जाना। निरीक्षण में सफाई व्यवस्था संतोषजनक पाई गई एवं सफाई कर्मचारी निर्धारित स्थान पर उपस्थित मिले। रतनलाल शर्मा स्टेडियम के निकट अतिक्रमण पाए जाने पर नगर आयुक्त ने हटाने के निर्देश दिए।

रंगदारी व जमीन कब्जाने में जमानत अर्जी खारिज

कानपुर। चकेरी में कूटरचित दस्तावेजों से जमीन पर कब्जा, मारपीट, धमकाने व रंगदारी मांगने के मामले में न्यायालय एडीजे–चार ने अभियुक्त वीरेंद्र सिंह यादव उर्फ वीरू की जमानत अर्जी खारिज कर दी। एडीजे–चार शुची श्रीवास्तव की कोर्ट ने अभियुक्त वीरू की ओर दाखिल दूसरे जमानत प्रार्थना पत्र को खारिज करते हुए आदेश में कहा कि अभियुक्त पर कूटरचित प्रपत्रों के आधार पर भूमि पर कब्जा करने, मारपीट व मोबाइल लूटने सहित एक करोड़ रंगदारी मांगने और जान से मारने की धमकी का आरोप है। उसके खिलाफ समान प्रकृति के कई मुकदमे का आपराधिक इतिहास है। सभी तथ्यों व परिस्थितियों को देखते जमानत प्रार्थना पत्र निरस्त किया जाता है।

दो लुटेरे गिरफ्तार

कानपुर। सेंट्रल स्टेशन पर जीआरपी प्रभारी ओम नाराण सिंह की चेकिंग के दौरान दो ट्रेन लुटेरे मोहम्मद जीशान निवासी लाल बंगला और शुभम निवासी लेबर कालोनी दादा नगर को गिरफ्तार किया है, दोनों के कब्जे से लगभग 1 लाख 80 हजार कीमत के चोरी के दो मोबाइल भी बरामद हुए हैं।

अधिवेशन स्थगित

कानपुर। उत्तर प्रदेश सराफा एसोसिएशन के मंत्री राम किशोर मिश्र ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने अति व्यस्तता के चलते एसोसिएशन के 60 साल पूरे होने पर 17 अगस्त को प्रस्तावित अधिवेशन में आने में असमर्थता जताई है। अगली तारीख वह शीघ्र बताएंगे और अधिवेशन में अवश्य आएंगे। एसोसिएशन मुख्यमंत्री की सुविधा के मुताबिक अधिवेशन की तारीख शीघ्र तय करेगा। फिलहाल 17 अगस्त को प्रस्तावित अधिवेशन स्थगित किया जाता है।

गिराया जाएगा अखिलेश दुबे का गेस्ट हाउस

किशोरी वाटिका गेस्ट हाउस का मामला, केडीए ने 7 मामलों में अवैध निर्माण व कब्जे पर रिपोर्ट पुलिस को दी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। झूठे मुकदमे दर्ज कराकर वसूली करने के आरोपों में जेल में बंद अखिलेश दुबे की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं। साकेत नगर में कम्यूनिटी सेंटर की आड़ में पूरे पार्क में अवैध निर्माण करने और कब्जा कर किशोरी वाटिका गेस्ट हाउस का संचालन करने व स्कूल चलाने पर केडीए ने पार्क में निर्माण को गिराकर कब्जा खाली कराने के आदेश दिए हैं। आम लोगों के लिए पार्क विकसित करने की आख्या प्रस्तुत की है। एडीएम सिटी की अगुवाई में गठित टीम ने मंगलवार देर रात तक केडीए में बैठक कर अखिलेश दुबे द्वारा कब्जाई गई जमीनों व अवैध निर्माणों पर सभी बिंदुओं पर जांच की थी। इस मामले में केडीए ने अब पुलिस के शिकंजा कसने के बाद अपनी जांच रिपोर्ट बुधवार को पुलिस प्रशासन को सौंप दी। अखिलेश दुबे व उसके सहयोगियों पर की गई 7 शिकायतों पर अपनी आख्या केडीए ने दी है।

किशोरी वाटिका गेस्ट हाउस। अमृत विचार

- एडीएम सिटी की अगुवाई में गठित टीम ने मंगलवार देर रात की थी बैठक

साकेत नगर में पार्क की जमीन पर किया कब्जा

- साकेत नगर में भूखंड संख्या 152 योजना संख्या 2 ब्लाक डब्लू/1 का भूप्रयोग पार्क है। यहां 3719 वर्गमी के भाग में स्थित कम्यूनिटी सेन्टर का क्षेत्रफल 365.82 था। इसकी आड़ में पूरे पार्क में अवैध निर्माण एवं पार्क पर कब्जा करने की शिकायत दर्ज की गई थी। जांच में केडीए ने शिकायत सही पाई है। केडीए ने बताया कि डॉ. ब्रिज किशोरी दुबे स्मारक समिति के सचिव अखिलेश दुबे के पक्ष में 26.12.2005 को भूखण्ड संख्या–152, ब्लाक–डब्लू–1, योजना संख्या–2, में 365.82 वर्गमी. भूमि की लीज डीड की गयी। स्थलीय निरीक्षण के दौरान मौके पर कम्यूनिटी सेन्टर स्वीकृत मानचित्र से अलग जी+3 मंजिल का बना पाया गया। निरीक्षण में अधिकारियों ने पाया कि अखिलेश दुबे द्वारा पूरे पार्क का प्रयोग कम्यूनिटी सेन्टर के रूप में किया जा रहा है। जबकि आवंटन 365.82 वर्गमी का ही हुआ है। पार्क में आवंटन से अधिक भूमि पर कब्जा कर बिना नक्शा स्वीकृति के अखिलेश दुबे ने निर्माण करा दिया। जोनल प्रवर्तन प्रभारी जोन–3 ने निर्माण को ध्वस्त कर इस पार्क को नगर निगम को देकर आम जनमानस के लिए खोलने के लिए कहा है।

पार्क की जमीन पर कब्जा कर बना लिया स्कूल

- साकेत नगर में ही भूखण्ड संख्या–559, ब्लाक–डब्लू–1, में 1.11 एकड़ भूमि का भू–उपयोग पार्क है। जहां 1860 वर्गमी. पार्क का आवंटन डॉ. ब्रिज किशोर दुबे मेमोरियल स्कूल को दिनांक 15.09.1998 में तत्कालीन मुख्य अभियन्ता ने 10 वर्ष के लिए किया था। जिसकी मियाद वर्ष 2008 में समाप्त हो गई। केडीए ने जांच में पाया कि इसका पुनः नवीनीकरण केडीए ने किया ही नहीं है। लेकिन, इसके बावजूद भूखण्ड संख्या 559 पर अनाधिकृत रूप से मकान का निर्माण पाया गया। इसपर केडीए ने बताया कि सरकारी भूमि पर अनाधिकृत निर्माण को हटाये जाने के लिए वाद दर्ज कर कारण बताओ नोटिस 19.07.2025 को दिया गया था। केडीए ने शिकायत सही पाते हुए मेसर्स डॉ. ब्रिज किशोर दुबे मेमोरियल स्कूल एवं भवन इत्यादि के विरूद्ध नगर नियोजन एवं विकास अधिनियम 1973 की धारा 26क (4) के पंजीकृत मुकदमों का शीघ्र निस्तारण करने के साथ ही नियमानुसार बेदखली/ध्वस्तीकरण की कार्यवाही की जांच आख्या प्रस्तुत की गई है। केडीए ने पाया कि प्राधिकरण की भूमि पर संस्थानों व व्यक्तियों द्वारा क्रय–विक्रय भी किया गया है। जोनल प्रभारी (विक्रय) जोन–3 ने रजिस्ट्रियों व क्रय विक्रय की जांच कर नियमानुसार पार्क आम लोगों के लिए खोलने को कहा है।

केडीए की भूमि को बेच दिया गया, रिकॉर्ड खोजे जा रहे

- भूखण्ड संख्या 558/1 जूही डब्लू–1 के स्वीकृत मानचित्र में 8/1 का भू–उपयोग रिजवर्ड रेजीडेन्सियल है। जिसका क्षेत्रफल 1758 वर्ग गज है। शिकायत की गई थी कि स्थल पर मन्दिर सम्बाखेरेश्वर आशुतोष धाम अवैध रूप से निर्मित है। यहां सन्त निरंकारी सत्संग भवन एवं 5 अन्य आवासीय भवन निर्मित पाए गए। जांच में पाया गया कि यह भूमि केडीए की है। को–आपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लि.के सचिव रामप्रसाद गुप्ता ने किस अधिकार से यह विक्रय किया स्पष्ट नहीं हो पाया। 1980–90 के दशक और 1990–2000 के दशक में हुए क्रय–विक्रय के बारे में जांच हो रही है। इसपर नोटिस जारी की गई है। साथ ही नियमानुसार आगे की कार्रवाई की बात कही गई है।

तेजाब मिल कैंपस में भी पार्क पर कब्जा कर बनवा लिया भवन

- भूखण्ड संख्या 84/63 वेलफेयर सोसाइटी तेजाब मिल कैम्पस में उत्तरी रेलवे सहकारी आवास समिति लि. में स्थित पार्क पर बिना मानचित्र स्वीकृत के अवैध भवन का निर्माण की शिकायत की गई थी। केडीए की जांच में शिकायत सही पायी गयी। केडीए ने बताया कि स्थलीय निरीक्षण कर अनाधिकृत निर्माण के विरुद्ध कारण बताओं नोटिस दिनांक 04.07 2025 को दी गई है। केडीए द्वारा बताया गया कि नक्शा स्वीकृत होने के सम्बन्ध में अभिलेख उपलब्ध नहीं है। इसमे भी संलिप्तता की जांच जारी है।

आवासीय परिसर में अवैध रूप से शिवभक्त गेस्ट हाउस का संचालन हो रहा

- आवासीय परिसर में शिवशक्त गेस्ट हाउस का संचालन की की शिकायत पर भी केडीए ने जांच की। इसमें पाया गया कि भूखण्ड का निबन्धन कूटरचित अभिलेखों के आधार पर किया गया। अनियमितता के सम्बन्ध में प्राधिकरण द्वारा थाना कोतवाली में धारा 420, 467, 468, 471 के अन्तर्गत पूर्व में एफआईआर दर्ज करायी गयी थी। जो न्यायालय में विचाराधीन है। केडीए ने बताया कि प्राधिकरण द्वारा दिनांक 14.02.2025 को ध्वस्तीकरण का आदेश पारित किया गया है। न्यायालय में पैरवी जारी है।

अखिलेश दुबे समेत 8 के खिलाफ एक और रिपोर्ट

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- कूटरचित दस्तावेजों से कब्जाई वक्फ संपत्ति, ग्वालटोली थाने में हुई एफआईआर
- लीज होल्डर मृतक महिला मुन्नी देवी की पावर ऑफ अटॉर्नी के जरिए किया खेल

अमृत विचार। सिविल लाइन स्थित करीब 150 करोड़ की वक्फ संपत्ति की आफत अब चर्चित अधिवक्ता अखिलेश दुबे पर गिरी है। लीज होल्डर मृतक महिला मुन्नीदेवी की पावर ऑफ अटॉर्नी के जरिए इस संपत्ति पर खेल गया गया। इसी जमीन पर आगमन गेस्ट हाउस का संचालन के साथ काफी जमीनें खुर्द-बुर्द की गई। ग्वालटोली थाने में अवैध रूप से जमीन कब्जाने, कूटरचित दस्तावेजों का प्रयोग करने में अखिलेश समेत आठ लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। राज कुमार शुक्ला, सर्वेश दुबे, सर्वेश दुबे की पुत्री सौम्या, जयप्रकाश दुबे, शिवांश को आरोपी बनाया गया है। शिकायत के आधार पर एक इंस्पेक्टर को भी आरोपी बनाया जा सकता है।

अखिलेश दुबे।

सिविल लाइन स्थित ग्रीनपार्क के पास यह बेशकीमती जमीन है। मुस्लिम परिवार की 135 साल पुरानी यह संपत्ति फर्जी दस्तावेजों व लीज होल्डर मृत महिला मुन्नी देवी की फर्जी पावर ऑफ अटॉर्नी के जरिए खुर्द-बुर्द की गई। पुराने दस्तावेजों के आधार पर 1891 तक जमीन के मालिक नवाब मंसूर अली थे। चूंकि मंसूर अली को कोई संतान नहीं थी, इसलिए फरवरी 1891 में यह जमीन फखरुद्दीन हैदर को बेच दी। जमीन के नए मालिक फखरुद्दीन हैदर हुए। बाद में उन्होंने जमीन को वक्फ के हवाले किया और शेख फखरुद्दीन हैदर के नाम से ट्रस्ट बनाया। 1910 के करीब जमीन के तत्कालीन मुतवल्ली ने कई परिवारों को 90 साल की लीज पर जमीन सौंपी। उस लीज की अवधि 2000 में खत्म हो चुकी है। लीज होल्डर मुन्नी देवी की 2015 में मृत्यु हो गई। इसके बावजूद फर्जीवाड़ा करके 2016 में मुन्नीदेवी की पावर ऑफ अटॉर्नी बनाई गई और जमीन को अखिलेश दुबे सिंडिकेट के सुपुर्द कर दिया गया। पॉवर ऑफ अटॉर्नी के जरिए जमीन बेचने वालों में राजकुमार शुक्ला, सर्वेश दुबे, सौम्या दुबे, जयप्रकाश दुबे व शिवांग का नाम जांच में सामने आया है।

कब्जाई जमीन पर गेस्ट हाउस व कार्यालय बना

मृत महिला की पावर ऑफ अर्टानी से कब्जाई गई बेशकीमती जमीन पर अपना हक बनाने के लिए अखिलेश दुबे ने छोटे भाई सर्वेश दुबे के नाम से 26 फरवरी 2016 में 29 साल 11 माह की लीज के कागजात तैयार कराए। जांच रिपोर्ट के अनुसार इस चार हजार वर्गगज जमीन की लीज होल्डर मुन्नी देवी की पावर ऑफ अटार्नी के जरिए राजकुमार शुक्ला ने संपत्ति संख्या 13/388 का रजिस्टर्ड पट्टा एक मार्च 2016 को सर्वेश दुबे व मेसर्स केनरी ऐपेरलेस प्रालि स्थित रजिस्टर्ड ऑफिस 13/388 सिविल लाइन की ओर से निदेशक सर्वेश दुबे के पक्ष में किया था। करोड़ों की जमीन हथियाने के बाद सिंडिकेट ने यहां कई कार्यालय व आगमन गेस्ट हाउस का संचालन किया। कई संस्थाओं को किराए पर जमीन उपलब्ध कराई। जमीन से लाखों रुपये महीना कमाया गया।

मालिकाना हक ट्रांसफर का अधिकार नहीं

वक्फ संपत्ति संख्या 13/388 की जांच रिपोर्ट में स्पष्ट अंकित है कि मूल पट्टेदार को 2010 तक ही पट्टेदारी के अधिकार थे। लिहाजा उक्त अवधि के बाद 13/388 पट्टेदारी के अधिकार हस्तांतरित करना मुमकिन नहीं है। जांच रिपोर्ट के अनुसार सरकारी संपत्ति के पट्टाधारकों ने रकम मिलने के बाद जमीन पर किराएदार बसा दिए थे। इन्हीं किराएदारों के जरिए फर्जी कागजात बनाकर जमीन हथियाया गया। ऐसे में सर्वेश दुबे के पक्ष में पट्टा विलेख निष्पादित करने वाले राजकुमार शुक्ला को संपत्ति के मालिकाना हक को स्थानांतरित करने का अधिकार नहीं था।

सारे जहां से अच्छा हिंदुस्तां हमारा

स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्रीय ध्वज के रंग में रंगा, जश्न में डूबा फूलबाग मैदान का गांधी भवन। भवन तिरंगी लाइटों से जगमगाता रहा। शहर की कई अन्य इमारतें भी रोशन की गई हैं। ● फोटो–मनोज तिवारी

नशेबाजों ने दरोगाओं को पीटा, वर्दी फाड़ी

कल्याणपुर। पनकी के रतनपुर में बीच सड़क पर कार खड़ी करके बोनट पर केक रखकर नशेबाजी कर रहे युवकों ने रोकने पर चौकी प्रभारी समेत अन्य पुलिस कर्मियों के साथ गाली गलौज करते हुए मारपीट कर दी। दबंग उनकी वर्दी फाड़कर धमकी देते हुए भाग निकले।

रतनपुर चौकी प्रभारी बोबी कुमार ने बताया कि मंगलवार रात वह उपनिरीक्षक रामबाबू के साथ क्षेत्र में गश्त कर रहे थे। केसा चौराहा के पास एक दर्जन से अधिक युवक बीच सड़क पर कार खड़ी कर उसके बोनट पर केक रख नशेबाजी करते दिखाई दिए। रोकने पर दबंगों ने गाली गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। वहां पहुंचे दरोगा मुजम्मिल हुसैन व महेश सरोज को भी दबंगों ने पीट उनकी भी वर्दी फाड़ दी।

इरफान के मामले की अगली सुनवाई 2 को

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट में गैंगस्टर एक्ट के तहत पूर्व विधायक इरफान सोलंकी से जुड़े मामले की सुनवाई बुधवार को हुई। कोर्ट ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद मामले की अगली सुनवाई 2 सितंबर निर्धारित कर दी। उक्त आदेश न्यायमूर्ति समीर जैन की एकलपीठ ने इरफान सोलंकी की ओर से दाखिल जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए पारित किया।

सपा के पूर्व विधायक इरफान सोलंकी के आपराधिक इतिहास के अनुसार वर्ष 2022 में डिफेंस कॉलोनी, कानपुर निवासी नजीर फातिमा के प्लॉट पर जबरन कब्जा करने के उद्देश्य से आगजनी और तोड़फोड़ की गई थी।

सिटी ब्रीफ

व्यापारी की इलाज के दौरान मौत

कानपुर। एक्सप्रेस रोड पर सड़क हादसे में घायल हरबंश मोहाल निवासी 48 वर्षीय व्यापारी श्याम पांडेय की मंगलवार देर रात इलाज के दौरान मौत हो गई। एक्सप्रेस रोड पर उनकी ड्रम की दुकान है। परिजनों के अनुसार रविवार रात वह दुकान बंद कर ई-रिक्शा से घर लौट रहे थे, तभी एक्सप्रेस रोड पर रोड पार करते समय किसी वाहन ने टक्कर मार दी थी। सूचना पर परिजनों ने उन्हें हैलट में भर्ती कराया था, जहां इलाज के दौरान मंगलवार रात उनकी मौत हो गई। कलक्टरगंज थाना प्रभारी ने बताया कि तहरीर मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

सड़क हादसे में महिला की मौत

कानपुर। गोविंदनगर में सड़क हादसे में महिला की मौत हो गई। काकादेव के एल-ब्लाक निवासी राजकुमार की 50 वर्षीय पत्नी गायत्री काफी समय से मानसिक अस्वस्थ थी। जिसका इलाज चल रहा था। गायत्री की चार बेटियां शादीशुदा हैं, जबकि एकलौते बेटे की चार साल पहले मौत हो चुकी है। मंगलवार को गायत्री घर से अकेले निकल गई थीं। घूमते हुए गोविंदनगर सीटीआई पहुंच गई। जहां किसी वाहन की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गई। अस्पताल में उनकी मौत हो गई। पुलिस की सूचना पर गायत्री के दामाद दलजीत ने घटना की जानकारी परिजनों को दी।

आपरेशन से पहले दे दी जान

कानपुर। गोविंदनगर के गुजैनी जे-ब्लाक निवासी राजीव पांडेय सिलाई का काम करते हैं। उन्होंने बताया कि डेढ़ साल से उनकी 40 वर्षीय पत्नी सपना के गर्भाशय में गांठ थी। जिसका वह इलाज करा रहे थे। बुधवार शाम को उनकी गांठ का आपरेशन होना था। उससे पहले सपना ने सुबह कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

पति, सास-ससुर गिरफ्तार

कानपुर। चकेरी लाल बंगला के परदेवनपुरवा निवासी 26 वर्षीय नवविवाहिता आकांक्षा का शव सोमवार को फंदे से लटका मिला था। वह पांच माह की गर्भवती थी। आकांक्षा के पिता अहिरवां के राजा मार्केट निवासी रामकरन वर्मा ने बेटी की हत्या कर शव को फंदे से लटकाने का आरोप लगाया था। पुलिस से शिकायत कर रिपोर्ट दर्ज कराई थी। मामले में चकेरी पुलिस ने बुधवार को जेके मोड़ से आकांक्षा के पति रोहित वर्मा, सास चैनावती, ससुर गुलाब वर्मा को गिरफ्तार कर जेल भेजा।

गीता कायरता से दूर करती है

कानपुर। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर के तहत श्रीमद्भगवद्गीता शोध पीठ की ओर से विचार गोष्ठी आयोजित हुई। 'स्वतंत्रता संग्राम में भगवद् गीता की भूमिका' विषय पर हुई गोष्ठी में मुख्य अतिथि पीपीएन डिग्री कॉलेज के प्राचार्य डा अनूप सिंह ने विचार व्यक्त किए। गोष्ठी की अध्यक्षता डा उमेश पालीवाल ने की। उन्होंने गीता को देश की आजादी में प्रेरणा का स्रोत बताया। कहा कि गीता कायरता से दूर करती है। गीता शोधपीठ के समन्वयक के एवं मुख्य वक्ता अनिल गुप्ता ने अनेक आध्यात्मिक महापुरुषों ने गीता के माध्यम से देश भक्ति की प्रेरणा दी।

बंद स्कूल में दो टुकड़ों में मिला सिक्योरिटी गार्ड का शव

एक साल से बंद मैरी जीसस स्कूल में चारपाई पर धड़ व जमीन पर सिर मिला

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

राम प्रसाद।

- परिजनों ने हत्या का आरोप लगा किया हंगामा, फॉरेंसिक टीम ने जुटाए साक्ष्य

अमृत विचार। चकेरी में बंद पड़े मैरी जीसस स्कूल में चारपाई पर बुजुर्ग सिक्योरिटी गार्ड का दो टुकड़ों में शव मिलने से हड़कंप मच गया। कमरे से दुर्गंध आने पर ठेकेदार पहुंचा तो धड़ चारपाई पर और सिर जमीन पर पड़ा मिला। घरवालों ने हत्या का आरोप लगाकर हंगामा किया। एसीपी चकेरी ने घटनास्थल की जांच की। फॉरेंसिक टीम ने साक्ष्य जुटाए।

गोविंदनगर के 11 ब्लॉक हरिजन कालोनी निवासी 60 वर्षीय बुजुर्ग राम प्रसाद दहेली सुजानपुर स्थित मैरी जीसस स्कूल में सिक्योरिटी गार्ड थे। परिवार में पत्नी शांति देवी, बेटा आशीष व अंकित रावत, शादीशुदा बेटी दीपा व ज्योति हैं। भाई नंदलाल ने बताया कि उन्होंने सात जुलाई को स्कूल में चौकीदारी का काम शुरू किया था। नंदलाल के अनुसार स्कूल प्रबंधन ने एक साल पहले स्कूल बेच दिया था, तभी से स्कूल बंद था। देखरेख की जिम्मेदारी ठेकेदार गंगा सिंह व केयरटेकर अमित सिंह कर रहे थे। घरवालों ने बताया कि कुछ दिन से राम प्रसाद का मोबाइल स्विच ऑफ बता रहा था।

बर्रा आठ में रहने वाले ठेकेदार गंगा सिंह बुधवार सुबह स्कूल पहुंचे थे। उन्होंने ही शव मिलने की सूचना दी। धड़ चारपाई पर और सिर जमीन पर पड़ा था। परिजनों ने हत्या का आरोप लगाकर हंगामा करना शुरू कर दिया। सूचना पाकर एसीपी चकरी अभिषेक पांडेय पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे और जांच-पड़ताल की।

28 जुलाई को की थी केयरटेकर से बात

- केयरटेकर अमित सिंह ने बताया कि 28 जुलाई को आखिरी बार उनकी राम प्रसाद से बात हुई थी। इसके बाद आठ अगस्त को वह रामप्रसाद को खर्चा देने पहुंचे थे, लेकिन दरवाजा ही नहीं खुला था। मंगलवार रात भी वह रामप्रसाद के कमरे का दरवाजा खटखटाते रहे, पर कोई जवाब नहीं मिला। इसकी जानकारी होने पर बुधवार सुबह ठेकेदार गंगा सिंह पहुंचे और पुलिस की मौजूदगी में ताला तोड़कर अंदर घुसे तो चारपाई पर शव पड़ा देखा। कमरा खुलते ही दुर्गंध पूरे इलाके में फैल गई। हालात देखने से लग रहा था कि राम प्रसाद की मौत कई दिन पहले हुई थी।

मोबाइल बताता रहा स्विच ऑफ

- रामादेवी निवासी ज्योति ने बताया कि उनकी बेटी कनिका का 10 अगस्त को मुंडन था। पिता मुंडन में शामिल हों, इसलिए वह बार-बार फोन कर रहीं थीं, लेकिन मोबाइल स्विच ऑफ बताता रहा। वहीं बेटी दीपा ने बताया कि रक्षाबंधन के एक दिन पहले से पापा को फोन कर रहे थे, लेकिन मोबाइल बंद था। राखी बंधवाने के लिए और भी कई लोगों ने फोन मिलाया, उनका भी यहीं कहना रहा।

दीपा बोली, पापा की हत्या की गई

- बेटी दीपा ने बताया कि पिता का सिर धड़ से अलग मिला है, इसलिए इससे जाहिर है कि उनकी हत्या की गई है। उसकी पापा से 20 दिन पहले बात हुई थी। उन्होंने बताया था कि बाइक बनने के लिए दी है। उसे उठवा लेना। रामप्रसाद की पत्नी शांति देवी ने बताया कि 20 दिन पहले ही उन्होंने पड़ोसी गोरख से सिलिंडर और बर्तन घर से मंगवाया था। जिससे खाना बनाने व खाने में दिक्कत न हो।

छोटी बहन से झगड़कर किशोरी ने फांसी लगा ली

कानपुर। गुजैनी में घरेलू काम को लेकर छोटी बहन से विवाद के बाद किशोरी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। फंदे से बेटी का शव लटका देखकर परिजनों में चीख-पुकार मची। फंदे से उतारकर अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

गुजैनी के पिपौरी गांव के रहने वाले महेश राजपूत सिलाई का काम करते हैं। परिवार में पत्नी रानीदेवी और छह बेटियां हैं। महेश के अनुसार मंगलवार देर शाम उनकी 16 वर्षीय बेटी खुशी घर के काम निपटा रही थी। छोटी बहन सुप्रिया बैठी थी। दोनों का आपस में काम को लेकर विवाद हो गया। उनके बीच कहासुनी होने पर बड़ों ने समझाकर शांत कराया। वहीं बहन से कहासुनी से नाराज खुशी कमरे में जाकर बैठ गई। इसके बाद उसने पंखे के कुंडे से दुपट्टा बांधकर फांसी लगा ली। घरवालों ने बेटी को जब फंदे से लटका देखा तो दुपट्टा काटकर उसे नीचे उतारा और अस्पताल ले गए। जहां डॉक्टरों ने बेटी को मृत घोषित कर दिया। पिता के अनुसार खुशी कक्षा नौ की छात्रा थी। गुजैनी थाना प्रभारी ने बताया कि बहन से विवाद के बाद किशोरी ने आत्महत्या की है।

चेक सौंपते जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह। अमृत विचार

महिला बंदियों को 36 हजार मेहनताना

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। स्वतंत्रता दिवस के 'हर घर तिरंगा' कार्यक्रम के अंतर्गत जिला कारागार में कुछ ऐसा नजारा देखने को मिला जिसने साबित कर दिया कि सलाखों के पीछे भी उम्मीद की किरणें जगाई जा सकती हैं। डीएम जितेंद्र प्रताप सिंह ने महिला बंदियों के बीच पहुंचकर न केवल आजादी का पर्व साझा किया बल्कि उनके भविष्य को नई दिशा देने की ठोस पहल भी की।

बुधवार को जिलाधिकारी की कोशिशों से अचिन्त्य चैरिटेबल फाउंडेशन ने महिला बंदियों के लिए चार सिलाई मशीनें उपलब्ध कराईं। इन्हीं मशीनों पर महिला बंदियों ने 120 सूट तैयार किए, जिन्हें उनके बीच वितरित किया गया। इस मेहनत का उन्हें 36 हजार रुपये का सम्मानजनक मेहनताना भी मिला। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि जेल केवल सजा काटने का स्थान नहीं है, बल्कि सुधार और पुनर्वास का अवसर है। अब आरसेटी भी महिला बंदियों की स्किल डेवलपमेंट की जिम्मेदारी उठाएगा। ब्यूटी पार्लर, सिलाई और अन्य हुनर की ट्रेनिंग देकर उन्हें आत्मनिर्भर बनने की राह दिखाई जाएगी। प्रशिक्षण पूरा होने के बाद प्रमाणपत्र भी मिलेगा, जिससे बाहर आने पर बैंक से ऋण लेने में आसानी होगी और नए जीवन की शुरुआत की जा सकेगी। जिलाधिकारी ने बैरक में बने ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण स्थल का उद्घाटन भी किया। अचिन्त्य चैरिटेबल फाउंडेशन की अध्यक्ष दिशा अरोड़ा ने बताया कि पार्लर एवं मेकअप ट्रेनिंग 25 अगस्त से प्रारंभ होगी। पार्लर व मेकअप के सभी उपकरण, सामान तथा पार्लर चेयर उपलब्ध कराई गई। कारागार अधीक्षक डॉ. बी.डी. पाण्डेय उपायुक्त उद्योग अंजनीश प्रताप सिंह मौजूद रहे।

सेंट्रल स्टेशन से आज उधना तक विशेष ट्रेन

कानपुर। रेल प्रशासन ने कानपुर सेंट्रल स्टेशन से उधना तक गुरुवार 14 अगस्त को विशेष ट्रेन चलाने की घोषणा की है। ये गाड़ी केवल बुधवार एक दिन ही चलेगी।

गाड़ी संख्या 04159 कानपुर सेंट्रल से 14 अगस्त को केवल एक बार उधना जाएगी। इस गाड़ी में सामान्य श्रेणी 18 डिब्बे, पार्सलयान 2 डिब्बे होंगे। गुरुवार को कानपुर सेन्ट्रल से दोपहर 2.20 बजे रवाना होगी। भीमसेन दोपहर 3 बजे, पुखरायां 3.30 बजे, उरई सायं 4.03 बजे, झांसी सायं 6.55 बजे, ललितपुर रात 8.50 बजे, बीना रात 11 बजे, रानी कमलापति रात 2 बजे, इटारसी रात 3.40 बजे, खंडवा सुबह 6.20 बजे, भुसावल सुबह 7.50 बजे, उधना शुक्रवार दोपहर 1.30 बजे पहुंचेगी।

सेंट्रल पर हाईअलर्ट

कानपुर। शहर आंतकी गतिविधियों के चलते अतिसंवेदनशील महानगरों की श्रेणी में आता है जिसके चलते 15 अगस्त के मद्देनजर सेंट्रल स्टेशन पर हाईअलर्ट लागू है। जिससे चप्पे चप्पे पर निगाह रखी जा रही है। सेंट्रल स्टेशन को छोड़ दें तो शहर के कई अन्य रेलवे स्टेशन भी अतिसंवेदनशील हैं जिनमें अनवरगंज स्टेशन, गोविंदपुरी स्टेशन हैं लेकिन यहां हाईअलर्ट की व्यवस्था नहीं है।

युवती ने दर्ज कराई दुष्कर्म की रिपोर्ट

कल्याणपुर। कल्याणपुर में एक युवती ने दूसरे समुदाय के युवक पर शादी का झांसा देकर शारीरिक शोषण करने का आरोप लगाते हुए रिपोर्ट दर्ज कराई है। युवती के शादी की बात करने पर आरोपी उसके अश्लील वीडियों को सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी दे रहा था।

कल्याणपुर निवासी युवती के मुताबिक उसकी दोस्ती बैरी निवासी सलमान से हुई थी। इस दौरान शादी का झांसा देकर सलमान ने कई बार उसका शारीरिक शोषण किया। इतना ही नही उसका अश्लील वीडियो भी बना लिया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

गुलाम सड़कों को कब मिलेगी आजादी

टांय-टांय फिस्स हुआ महापौर और नगर आयुक्त का आदेश। दो सप्ताह पूर्व नगर निगम की बैठक में महापौर प्रमिला पांडेय तथा नगर आयुक्त सुधीर कुमार ने स्वतंत्रता दिवस से पूर्व यानि 14 अगस्त से पूर्व शहर की सड़कों व फुटपाथ को अतिक्रमण से मुक्त कराकर राहगीरों को जाम की समस्या से निजात देने की घोषणा की थी। समय पूरा हो गया और अतिक्रमण विरोधी अभियान भी समाप्त हो गया लेकिन अतिक्रमण का दैत्य जिंदा है। बुधवार 13 अगस्त की शाम 4 बजे की ये तस्वीरें शहर की प्रमुख बाजार मेस्टन रोड की हैं जहां दुकानदारों के अतिक्रमण से पूरा फुटपाथ और आधी सड़क तक कब्जा है। ट्रैफिक जाम में वाहन फंसे खड़े हैं और राहगीरों को पैदल चलने तक के लिए जगह नहीं बची है। • अमृत विचार

रोडवेज बसों के बीच पिसे संविदा कंडक्टर की मौत

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

संविदा कंडक्टर विनय सिंह।

विनय के बहनोई सूर्य प्रताप सिंह व अन्य परिजन। अमृत विचार

अमृत विचार। रामादेवी चौराहा पर सवारियां बैठा रहे रोडवेज के संविदा कंडक्टर को फतेहपुर डिपो की बस रगड़ती निकल गई। गंभीर अवस्था में कंडक्टर को पुलिस ने कांशीराम ट्रामा सेंटर पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। फतेहपुर डिपो का चालक बस लेकर भाग निकला।

आजमगढ़ के तरवा पकड़ी कलां निवासी संविदा कंडक्टर 55 वर्षीय विनय सिंह की विकासनगर डिपो में तैनाती थी। डिपो कर्मियों ने बताया कि विनय बुधवार सुबह साढ़े सात बजे चालक विष्णुचंद्र के साथ वाराणसी जाने के लिए निकला था। रामादेवी चौराहा पर वह बस खड़ी कर सवारियां बैठा रहा था, तभी कानपुर से प्रयागराज जा रही फतेहपुर डिपो की बस भी चौराहा पर पहुंची। विनय बस से उतर रहा था, इसी बीच फतेहपुर डिपो के चालक शिवबरन ने बस सटाकर लगा दी। जिससे दोनों बसों के बीच विनय दब गया। हादसा देख शिवबरन ने बस की रफ्तार बढ़ा दी और विनय को रगड़ते हुए भाग निकला। सवारियों व राहगीरों के शोर मचाने पर पुलिस कर्मी मौके पर पहुंचे। गंभीर अवस्था में विजय को कांशीराम अस्पताल ले पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। खबर पाकर साथी संविदा कंडक्टर, डिपो के कर्मी मौके पर पहुंचे और परिजनों को हादसे की जानकारी दी। बहनोई सूर्यभान सिंह ने बताया कि विनय के परिवार में पत्नी बीना सिंह, तीन बेटियां अर्चिता, आर्या और अनन्या हैं। एकलौता बेटा वीर प्रताप सिंह है। वह विकासनगर स्थित गड़रियनपुरवा में बलबीर सिंह सेंगर के मकान में किराए पर अकेले रहते थे। हादसे की खबर से परिजनों में चीख-पुकार मच गई।

दिसंबर में होनी थी बड़ी बेटी की शादी

बहनोई सूर्यभान सिंह ने बताया कि विनय की बड़ी बेटी अर्चिता की गोदभराई हो चुकी है। दिसंबर में शादी होनी थी। इसलिए विनय ने शादी की तैयारियां शुरू कर दी थी। रक्षाबंधन पर वह बहन से राखी बंधाने छुट्टी पर गांव गए थे। बुधवार सुबह ही पांच बजे वापस लौटे। इसके बाद नाश्ता करके सात बजे डिपो पहुंच गए थे। शादी की तैयारियों के सिलसिले में जल्द गांव आने की बात कही थी। क्या पता था कि अब वह लौटकर नहीं आएंगे।

सवारियां बैठाने की मारामारी में गई जान

साथी कंडक्टर ने बताया कि दोनों बसें एक ही रूट पर जा रही थीं। एक को प्रयागराज व दूसरी को प्रयागराज होकर वाराणसी जाना था। रामादेवी चौराहा पर सवारियां बैठने के लिए बसें रूकी। प्रयागराज जाने वाली बस के चालक की लापरवाही से जान गई है। उसने यह सोंचकर बस सटाई होगी कि दूसरी बस का दरवाजा न खुले और प्रयागराज जाने वाली सवारियां वह बैठा ले। उसकी इस हरकत से विनय दरवाजे के पास फंस गया और उसकी जान चली गई। कंडक्टर के अनुसार एक रूट पर जाने वाली बसों के चालक अक्सर यही करते हैं। जिस कारण विवाद होगा है।

केडीएमए, बीएनएसडी और डीपीएस ने जीते मैच

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- इंटर स्कूल क्रिकेट टूर्नामेंट में बुधवार को खेले गए तीन मुकाबले

अमृत विचार। आर्यनगर स्थित द स्पोर्ट्स हब में आत्माराम अग्रवाल स्मारक इंटर स्कूल क्रिकेट टूर्नामेंट में तीन मुकाबले खेले गए। पहले मैच में केडीएमए ने प्रताप इंटरनेशनल स्कूल को 74 रन से हराया। बीएनएसडी इंटर कालेज ने स्कॉलर मिशन स्कूल को नौ विकेट व डीपीएस आजादनगर ने डॉ. वीरेंद्र स्वरूप अवधपुरी को 120 रन से पटकनी दी।

द स्पोर्ट्स हब (टीएसएच) मैदान पर पहले मैच में केडीएमए इंटरनेशनल स्कूल ने 20 ओवर में 134 रन बनाए। जवाब में प्रताप इंटरनेशनल की पूरी टीम सूर्यांश सिंह की गेंदबाजी के आगे 11.3 ओवर में 60 रन पर ऑलआउट हो गई। टीम से विवेकानंद ने सर्वाधिक 21 रन बनाए। गेंदबाजी में सूर्यांश सिंह ने तीन, हार्दिक व सक्षम ने दो-दो विकेट झटके। प्लेयर ऑफ द मैच सूर्यांश सिंह को चुना गया। दूसरे मैच में स्कॉलर मिशन स्कूल की पूरी टीम 15.4 ओवर में 59 रन पर सिमट गई। टीम से अच्युत ने 19 रन की पारी खेली। गेंदबाजी में विकास प्रजापति ने चार, मयंक ने तीन और ताहिर ने दो को आउट किया। जवाब में बीएनएसडी इंटर कॉलेज की टीम ने 7.1 ओवर में एक विकेट पर 63 रन बनाकर मैच जीता।

जानकारी

मर्चेंट्स चेंबर ऑफ उत्तर प्रदेश की ओर से हुई संगोष्ठी

देश में संयुक्त परिवार का इतिहास है प्राचीन

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

कार्यक्रम के दौरान मुख्य वक्ता प्रो. नचिकेता तिवारी व अन्य अतिथि। अमृत विचार

अमृत विचार। मर्चेंट चेंबर ऑफ उत्तर प्रदेश की ओर से बुधवार को 'संयुक्त परिवार एवं पारिवारिक उद्यम' विषय पर संगोष्ठी आयोजित हुई। इस दौरान संयुक्त परिवार की विशेषताओं और उसके व्यापारिक लाभ के बारे में बताया गया। इस दौरान विशेषज्ञों ने कहा कि भारत में संयुक्त परिवार व पारिवारिक उद्यम का इतिहास बेहद प्राचीन है। नव उत्तीर्ण सीए अलंकरण समारोह भी आयोजित हुआ।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रो. नचिकेता तिवारी, आईआईटी कानपुर व विशिष्ट वक्ता डॉ. शिव कुमार दीक्षित, साहित्यकार एवं सीएसजेएम विश्वविद्यालय रहे। मुख्य वक्ता प्रो. नचिकेता तिवारी ने कहा कि भारत में व्यवसाय की परंपरा अत्यंत प्राचीन रही है। वैदिक वाङ्मय तथा अनेक स्मृति ग्रंथों में व्यवसाय और व्यवसायियों को सम्मानजनक स्थान प्राप्त है। इसी कारण भारत में विभिन्न जातियों और समुदायों ने अपने-अपने पारंपरिक व्यवसायों को अपनाया और विकसित किया। कालांतर में जब देश पर विदेशी आक्रमण हुए, तो यह व्यवस्थित ढंग से चलता व्यवसायिक ढांचा प्रभावित हुआ। कार्यक्रम के दौरान विश्वनाथ कनोडिया को संयुक्त परिवार के संरक्षण एवं पारिवारिक उद्यम के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मान पत्र प्रदान किया गया।। इसी तरह मनसा वर्मा, शेर मुहम्मद कमल बनारसी मक्खनवाला को पारंपरिक उद्यम सम्मान से सम्मानित किया गया। रणजीत सिंह पारंपरिक रजत शिल्पकार पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान मेधावी चार्टर्ड एकाउंटेंट्स का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। जिसका संचालन सीए छवि जैन ने किया। सम्मान समारोह में नवउत्तीर्ण चार्टर्ड अकाउंटेंट्स को प्रो नचिकेता तिवारी, डॉ शिव कुमार दीक्षित, बी के लाहोटी, सीए सुधींद्र जैन, सीए अनिल के सक्सेना, सीए अतुल अग्रवाल, सीए धर्मेंद्र श्रीवास्तव द्वारा सम्मान पत्र दिया गया। इस दौरान टीकम चंद सेठिया, डॉ. आईएम रोहतगी, शेष नारायण त्रिवेदी, चेम्बर के पूर्व अध्यक्ष बीके लाहोटी, अतुल कनोडिया, अवध बिहारी मिश्रा मौजूद रहे।

74 पार्कों व ग्रीनबेल्ट से हटा अतिक्रमण सुंदरीकरण किया

कानपुर। नगर आयुक्त सुधीर कुमार के निर्देश पर शहर के 74 पार्कों एवं ग्रीन बेल्टों को अतिक्रमण मुक्त कराते हुए सुंदरीकरण किया गया। वृहद स्तर का अभियान चलाकर नगर निगम ने नागरिकों के लिए स्वच्छ और सुंदर मनोरंजन स्थल के रूप में पार्क ग्रीन बेल्ट विकसित किए हैं।

नगर निगम के पीआर विभाग ने बताया कि अभियान के अंतर्गत राधा रानी तिकोना पार्क, नवीन पार्क, परशुराम पार्क, शहीद पार्क सहित कई प्रमुख पार्कों में विशेष सुधार कार्य किए गए। जिन पार्कों एवं ग्रीन बेल्टों पर अतिक्रमण या कब्जा था, वहां नगर निगम द्वारा विशेष अतिक्रमण विरोधी अभियान चलाते हुए अवैध कब्जे हटाए गए और भूमि को उसके मूल स्वरूप में बहाल किया गया। जहां बाउंड्री वॉल नहीं थी, वहां नई एवं मजबूत बाउंड्री वॉल का निर्माण कराया गया, जिससे पार्कों की सुरक्षा और हरियाली का संरक्षण सुनिश्चित हो सके।

बैराज पर खतरे के निशान से 80 सेमी. दूर गंगा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। गंगा बैराज पर पिछले 24 घंटे में 20 सेमी. पानी बढ़ा है। बुधवार को गंगा खतरे के निशान से महज 80 सेमी. ही दूर रह गई हैं। पीछे से तेजी से पानी आने से चैनपुरवा में घरों तक पानी घुसना शुरू हो गया है। वहीं, रानीघाट पर भी पानी बढ़ने से घाट किनारे रह रहे लोगों में खौफ बढ़ रहा है। गंगा बैराज ईकाई के अनुसार आने वाले दिनों में और पानी बढ़ सकता है।

गंगा बैराज से बुधवार को दो बार डिस्चार्ज किया गया। शाम को 3 लाख 59 हजार 202 क्यूसेक पानी छोड़े जाने से तेजी से गंगा घाटों पर पानी पहुंचा। बैराज के अपस्ट्रीम पर मंगलवार को जहां पानी 114.03 मीटर था तो वहीं बुधवार को बढ़कर 114.22 मीटर तक पहुंच गया। वहीं, डाउस्ट्रीम में भी 114 मीटर पर जलस्तर दर्ज किया गया। हरिद्वार और नरोरा डैम से पानी लगातार बड़ी मात्रा में आने की वजह से शहर में गंगा बढ़ रही हैं। शुक्लागंज गेज पर बुधवार को 112.62 मीटर पर गंगा पहुंच गईं।

गंगा किनारे बस्ती में घुस रहा है पानी। अमृत विचार

कटरी के कई गांवों में गंगा का पानी भर गया है। अमृत विचार

सिटी ब्रीफ

देहदानी का पार्थिव शरीर मेडिकल कालेज को सौंपा

कानपुर। युग दधीचि देहदान महायज्ञ में चंद्रनगर लालबंगला कानपुर निवासी 67 वर्षीय रीना पुरवार की पार्थिव देह उनके संकल्प के अनुसार मेडिकल कॉलेज को देहदान अभियान प्रमुख मनोज सेंगर की देखरेख में दान कर दी गई। उन्होंने वर्ष 2023 में देहदान शपथपत्र भरा था। देहदान अभियान प्रमुख मनोज सेंगर ने बताया कि रीना पुरवार का बुधवार को सुबह 10 बजे निधन हो गया था। शाम 4 बजे पार्थिव देह को मेडिकल कॉलेज को समर्पित किया गया। देहदान अभियान के अंतर्गत यह 305वीं देह चिकित्सा जगत को समर्पित की गई है। देहसमर्पण के समय रीना पुरवार के जेठ विजय पुरवार, देवर अजय पुरवार, भतीजे अभय पुरवार, तनुज पुरवार एवं संस्थान की ओर से रविकांत तिवारी उपस्थित रहे।

आज विभाजन विभीषिका दिवस

कानपुर। भाजपा गुरुवार को विभाजन विभीषिका दिवस बनाएगी। इसके लिए अलग-अलग जगह संगोष्ठी होगी। उत्तर में शाहपुरी गेस्ट हाउस कबाड़ी मार्केट मरियमपुर चौराहे के पास कार्यक्रम का आयोजन होगा। जिसमें मुख्य अतिथि पूर्व कैबिनेट मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति व सांसद रमेश अवस्थी रहेंगे। एक मौन जलूस संत नगर चौराहे से शाहपुरी गेस्ट हाउस तक निकाला जाएगा। इसी तरह शहर के अन्य स्थानों पर भी संगोष्ठी होगी।

शहीद उलमा की सूची जारी

कानपुर। जंगे आजादी में अंग्रेजों द्वारा शहीद किए 100 से अधिक उलेमा की सूची जमीअत उलमा के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं शहरकाजी मौलाना हाफिज अब्दुल कुद्दूस हादी ने जारी की है। मौलाना अबू-बकर हादी ने बताया कि जंगे आजादी के संबंधित कार्यक्रम 15 अगस्त को मदरसा इशाअतुल उलूम कुलीबाजार में होंगे।

हज ट्रेनर प्रोफेसर अब्दुल कबीर सुपुर्द-ए-खाक

प्रोफेसर अब्दुल कबीर

कानपुर। तंजीम खुद्दाम आजमीने हज के सरदार अहमद खान ने बताया कि तंजीम के सरपरस्त प्रोफेसर अब्दुल कबीर खान पूर्व मास्टर हज ट्रेनर ने बुधवार सुबह अपने निवास बांसमंडी में अंतिम सांस ली। नमाज जनाजा जनाजे वाली बकर मंडी में मुफ्ती इकबाल साहब ने अदा कराई। जनाजे में मुफ्ती मोआज, कमरुज्जमा, मोहम्मद हस्सान, मौलाना अनीस, मोहम्मद शकील, आतिफ अहमद, हामिदउल्ला रहे।

तिरंगे झंडे लेकर निकलीं महापौर और नगर आयुक्त। अमृत विचार

स्कूली बच्चे 100 फीट का तिरंगा लेकर चले। अमृत विचार

स्कूली बच्चों ने तिरंगा लहराया। अमृत विचार

100 फीट लंबे तिरंगे के साथ निकली यात्रा

महापौर एवं नगर आयुक्त के नेतृत्व में निकली यात्रा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। 79वें स्वतंत्रता दिवस से पहले जगह-जगह तिरंगा यात्राएं निकलीं। नगर निगम द्वारा 100 फीट लंबे एवं 10 फीट चौड़े राष्ट्रीय ध्वज के साथ भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। महापौर एवं नगर आयुक्त के नेतृत्व में रैली का शुभारंभ किया गया। महापौर ने कहा कि हर-घर तिरंगा अभियान के अन्तर्गत अपने-अपने घरो तिरंगा झंडा लगाये और सेल्फी विद तिरंगा से जुड़ें। पार्षद पवन पाण्डेय, सुधीर यादव, जितेन्द्र कनौजिया, नीरज रक्सेल, गिरीश वाजपेयी, विवेक शर्मा, गोविन्द मोहन शुक्ला, अमित गुप्ता, आनन्द शुक्ला अभिनव शुक्ला हरी स्वरूप तिवारी रहे।

गुमटी गुरुद्वारे से निकली तिरंगा यात्रा। अमृत विचार

गुमटी गुरुद्वारा से निकली तिरंगा यात्रा

- भाजपा जिला अध्यक्ष अनिल दीक्षित के नेतृत्व में गुमटी गुरुद्वारा कीर्तनगढ़ से तिरंगा यात्रा निकाली गई। अल्पसंख्यक मोर्चा के क्षेत्रीय उपाध्यक सरदार रमिंदर सिंह रिंकू ने के साथ सैकड़ों सिख भारत माता की जय, वंदे मातरम, जो बोले सो निहाल के उदघोष के साथ हाथों में तिरंगा लहराते हुए चल रहे थे। जिला मीडिया प्रभारी अनुराग शर्मा ने बताया कि मरियम पुर चौराहे पर यात्रा समाप्त हुई। जिसमें सरदार हरजीत सिंह प्रधान गुमटी गुरुद्वारा, हरमीत सिंह, प्रीतपाल सिंह, आत्मजीत सिंह, त्रिलोचन सिंह, जसबीर सिंह, हरप्रीत सिंह, जसबीर दीवान आदि रहे।

भाजपा एनजीओ प्रकोष्ठ ने यात्रा निकाली। अमृत विचार

तिरंगा शौर्य यात्रा में लगे भारत माता जय के नारे

- भाजपा एनजीओ प्रकोष्ठ द्वारा बुधवार को सुबह 9 बजे तिरंगा शौर्य यात्रा के रूप में एक रैली का आयोजन किया गया। रैली मोतीझील स्थित शिवाजी प्रतिमा से आरम्भ होकर कारगिल पार्क पर समाप्त हुई। यात्रा को क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल एवं क्षेत्रीय संयोजक एनजीओ प्रकोष्ठ मनीषा बाजपेई ने हरी झंडी दिखाई। इस दौरान जिलाध्यक्ष अनिल दीक्षित, शिवराम सिंह समेत 500 से अधिक लोग रहे।

मुस्लिम राष्ट्रीय मंच ने निकाली तिरंगा यात्रा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। सिटी पब्लिक स्कूल हुमायूंबाग से मुस्लिम राष्ट्रीय मंच, कानपुर प्रांत एवं मुख्यमंत्री जन कल्याण योजनाएं प्रचार प्रसार अभियान के संयुक्त तत्वावधान में चमनगंज से तिरंगा यात्रा निकाली गई।

जिसमें छात्र एवं लोग हाथों में लहराते तिरंगा लहरा रहे थे। देशभक्ति के नारों और वंदे मातरम्, भारत माता की जय के जयघोष के बीच लोग शामिल हुए। यात्रा हलीम मुस्लिम कॉलेज और मनामा हॉस्पिटल होते हुए पुनः स्कूल पर समाप्त हुई। मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के प्रांत संयोजक अशफाक सिद्दीकी ने कहा कि तिरंगा केवल एक झंडा नहीं, बल्कि यह हमारी आजादी, हमारे बलिदान और हमारे गर्व का प्रतीक है।

डॉ. शहनवाज खान ने मेहमानों का शुक्रिया अदा किया।

हर घर तिरंगा लगाने का अभियान शुरू

- **कानपुर।** भाजपा के हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत बुधवार से घर-घर तिरंगा लगाने का अभियान शुरू हुआ। क्षेत्रीय मीडिया प्रभारी अनूप अवस्थी, रायपुरवा मंडल अध्यक्ष गौरव पांडे, वरिष्ठ भाजपा नेता अभिमन्यु सक्सेना, धीरज मोहन पांडे, देवांग शर्मा, किशन शुक्ला सहित अनेक कार्यकर्ताओं ने तिरंगा बांटे।

बिठूर विधायक अभिजीत सिंह सांगा लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिले।

बांग्लादेशी हिंदू परिवारों को मिले मालिकाना हक

कानपुर। बांग्लादेश से आए 106 हिन्दू परिवारों को आवंटित भूमि को पट्टाभिलेख और मालिकाना हक दिलाने को लेकर बुधवार को बिठूर विधायक अभिजीत सिंह सांगा लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिले। विधायक सांगा ने मुख्यमंत्री को बताया कि 1970 में बांग्लादेश से आए 106 विस्थापित गरीब हिंदू परिवारों को रुद्रपुर कैंप में शरण देने के बाद 1976 में पुनर्वास विभाग द्वारा भौती प्रतापपुर कानपुर नगर में सीलिंग भूमि से 5-6 बीघा भूमि प्रति परिवार को आवंटित की गई थी। तब से आज तक सभी परिवार आवंटित भूमि का उपयोग कृषि कार्य में कर रहे हैं। परंतु 46 वर्ष बाद भी आवंटित भूमि का पट्टा अभिलेख और मालिकाना हक उन्हें नहीं मिल पाया है। विधायक सांगा ने बताया कि मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया है कि जल्द से जल्द उनको भूमि का मालिकाना हक मिलेगा।

पंखुरी गुप्ता अध्यक्ष बनीं

कानपुर। इनर व्हील क्लब फ्लोरेंस का स्थापना दिवस समारोह बुधवार को आयोजित हुआ। इस दौरान क्लब की नई कार्यकारिणी टीम ने पदभार ग्रहण किया। इनमें अध्यक्ष के रूप में पंखुरी गुप्ता, सचिव के रूप में अराधना गुप्ता, चार्टर अध्यक्ष के रूप में साक्षी खन्ना व कोषाध्यक्ष के रूप में सृष्टि माहेश्वरी को चुना गया। समारोह में सीएलसीसी के रूप में सोनाक्षी सचदेवा, संयुक्त सचिव के रूप में आशी गुप्ता व उपाध्यक्षः के रूप में ज्योति गुप्ता को चुना गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. सुरूचि सक्सेना (जिला अध्यक्ष) तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में मनीषा बाजपेयी (जिला उपाध्यक्ष) और आरती मेहरोत्रा (जिला कोषाध्यक्ष) सहित इनर व्हील परिवार के सभी सदस्य उपस्थित रहे।

जिलों के पांच-पांच छात्रों को देंगे फ्री शिक्षा

जमीर सिद्दीकी, कानपुर

अमृत विचार। विशेष न्यायिक मजिस्ट्रेट एवं तालीमी बेदारी मिशन अलीगढ़ के प्रमुख सादिक हुसैन की अगुवाई में एक टीम अलीगढ़ से कानपुर आई। मुस्लिमों में तालीमी बेदारी (शिक्षा के प्रति जागरुकता) के लिए कानपुर समेत प्रदेश के सभी जिलों में पांच-पांच प्रतिभावान छात्रों को तलाश करके उन्हें आईएएस, पीसीएस, डाक्टर, इंजीनियर बनाने के लिए तैयार करने को लेकर मंथन किया। ये टीम होनहार छात्रों के लिए निःशुल्क कोचिंग, रहने, खाने समेत सारी सुविधाओं की बंदोबस्त करेगी।

मंगलवार को तालीमी बेदारी मिशन की टीम ने परेड, मूलगंज समेत कानपुर के कई मुस्लिम बहुल क्षेत्रों में बुद्धिजीवियों से मुलाकात की और उन्हें समझाया कि तालीम के बिना जिंदगी बेकार है। इस टीम ने बुधवार को कई क्षेत्रों में लोगों से मुलाकात की। परेड पर हाजी शाहिद हबीब साहब चमड़ा व्यापारी के आवास पर एक मीटिंग की गई जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में सादिक हुसैन विशेष न्यायिक मजिस्ट्रेट एवं फाउंडर तालीमी बेदारी मिशन अलीगढ़ शामिल हुए। बैठक में मुख्य रूप से रियाज अहमद सिद्दीकी, नफीस उल्लाह, मोहम्मद इसराइल, मोहम्मद हनीफ आदि ने विचार रखे और यह आश्वस्त किया कि हम लोग अपने शहर में तालीमी बेदारी मिशन अलीगढ़ के साथ मिल कर शिक्षा के छेत्र में काम करेंगे।

साथ ही ग्रामीण अंचल में लोगों को जागरूक करने के लिए भ्रमण कर कैम्प आयोजित करने का संकल्प लिया गया। मोहम्मद नसीम, मोहम्मद शफीक, मोहम्मद खालिद, फैज मोहम्मद, अब्दुल हमीद, अब्दुल सादिक एडवोकेट, डॉ सलीम सिद्दीकी, नफीस उल्लाह आदि उपस्थित रहे।

परेड पर शिक्षा को लेकर बैठक में जुटे बुद्धिजीवी। अमृत विचार

- तालीमी बेदारी मिशन के प्रमुख विशेष न्यायिक मजिस्ट्रेट टीम के साथ आए कानपुर

समाज के हर वर्ग तक शिक्षा पहुंचाना संकल्प

- सादिक हुसैन ने अमृत विचार संवाददाता से विशेष बातचीत में कहा कि अलीगढ़ में ये मिशन मुस्लिम समाज को शिक्षा के प्रति जागरूक करने का काम कर रहा है। समाज के हर वर्ग तक अच्छी शिक्षा पहुंचाना हमारा संकल्प है। टीम अलीगढ़ सुदूर इलाकों में कैंप लगा कर लोगों को जागरूक करने का काम करती है। समाज के गरीब बच्चों को अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी एवं जामिया मिल्लिया इस्लामिया यूनिवर्सिटी में दाखिले के लिए प्रवेश परीक्षा की तैयारी फ्री कराती है जिसमें बच्चों को फ्री कोचिंग के साथ हॉस्टल, खाना, ड्रेस, किताबें सब कुछ फ्री रहता है।

राजस्व वसूली में कई अफसर फिसड्डी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- खनन व आबकारी अधिकारी से स्पष्टीकरण मांगा

अमृत विचार। राजस्व वसूली में कई अधिकारी अपना लक्ष्य पूरा नहीं कर पाए हैं> ऐसे अधिकारियों पर जिलाधिकारी ने नाराजगी जताई है और खनन एवं आबकारी समेत कई विभाग के अधिकारियों से स्पष्टीकरण मांगने के साथ ही निर्देशित किया है कि आपसी सामंजस्य बनाकर अधिकारी समस्याओं का समाधान करें।

बुधवार को जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने सरसैयाघाट स्थित नवीन सभागार में कर-करेत्तर और राजस्व वसूली की समीक्षा बैठक की। बैठक में खनन विभाग की 77 आरसी में 1 करोड़ 11 लाख 52 हजार रुपये की अपेक्षित वसूली के मुकाबले केवल 23 लाख रुपये की प्राप्ति पर जिलाधिकारी ने तीखी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने स्पष्ट कहा कि विभागीय अधिकारी आपसी सामंजस्य से समस्याओं का समाधान करें, अन्यथा उनकी जिम्मेदारी तय की जाएगी। उन्होंने सभी उप जिलाधिकारियों और तहसीलदारों को निर्देश दिया कि बड़ी आरसी की वसूली प्रतिदिन कराई जाए और उसकी नियमित समीक्षा भी हो।

जिला खनन अधिकारी को शो कॉज नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार आबकारी विभाग की 56 आरसी में 2 करोड़ 51 लाख रुपये की वसूली में शून्य प्रगति पाए जाने पर जिला आबकारी अधिकारी को भी शो कॉज नोटिस देने के आदेश एडीएम सिटी को दिए गए। स्टांप के संबंध में अधूरी जानकारी लेकर बैठक में पहुxचने पर सब रजिस्ट्रार को भी शो कॉज नोटिस जारी किया गया। वहीं, जीएसटी अनुभाग-5 और 18 से आए अधिकारियों द्वारा आरसी से संबंधित जानकारी उपलब्ध न कराने और एडिशनल कमिश्नर जीएसटी के अनुपस्थित रहने पर स्पष्टीकरण मांगा गया। अपर जिलाधिकारी नगर डॉ. राजेश कुमार, अपर जिलाधिकारी आपूर्ति, अपर नगर आयुक्त सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

सीएसजेएमयू ने किया एमओयू

कानपुर। स्कूल ऑफ होटल मैनेजमेंट, सीएसजेएमयू ने होटल सेंट्रम, लखनऊ के साथ एमओयू साइन किया। इस एमओयू से छात्रों को बड़े होटलों में कार्य करने का अवसर मिलेगा। एमओयू साइनिंग समारोह में कुलपति प्रोफेसर विनय कुमार पाठक, प्रति कुलपति प्रोफेसर सुधीर कुमार अवस्थी, कुलसचिव राकेश कुमार, डीन अकादमिक प्रोफेसर ब्रिष्टी मित्रा और स्कूल ऑफ होटल मैनेजमेंट के निदेशक सौरभ त्रिपाठी मौजूद थे।

शशि गुप्ता अध्यक्ष बनीं

कानपुर। इनर व्हील क्लब ऑफ कानपुर ईस्ट का अधिष्ठापन समारोह बुधवार को लिटिल सेफ में मनाया गया। इस दौरान अध्यक्ष शशि गुप्ता को पूर्व अध्यक्ष सरिता गुप्ता ने कॉलर पहनाकर आगे का कार्यभार सौंपा। नई कार्यकारिणी में अध्यक्ष शशि गुप्ता सेक्रेटरी सोनू शुक्ला, टेजरार ऋतु जैन ने कार्यभार संभाला। समारोह में मुख्य अतिथि डिस्ट्रिक्ट चेयरमैन सुरुचि सक्सेना ने कहा की इनर व्हील क्लब का मुख्य आदर्श वाक्य मैत्री और सेवा है। अध्यक्ष शशि गुप्ता ने बताया की इनर व्हील क्लब को बढ़ावा देने के लिए 100 बैग में इनर व्हील की ब्रांडिंग कर करके बांटी। दो बच्चों को शिक्षा के लिए स्कॉलरशिप भी प्रदान करी गई। मंच संचालन अनुपमा गुप्ता ने नए अंदाज में किया। सचिव सोनू शुक्ला ने अतिथियों का आभार जताया। अमृत विचार

राजनीति | मतदाता सूची की गड़बड़ी बताने को कांग्रेसियों ने लगाई चौपाल

एलईडी स्क्रीन पर राहुल गांधी की प्रेस कांफ्रेंस दिखाई

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। जिला कांग्रेस कमेटी कानपुर नगर ग्रामीण द्वारा लाल बंगला बाजार में लगाई गई चौपाल में एलईडी स्क्रीन लगाकर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की चुनाव आयोग द्वारा वोट चोरी की प्रेस कांफ्रेंस का प्रसारण किया गया। मतदाता सूची में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी का आरोप लगाया गया।

महाराजपुर विधानसभा क्षेत्र के तहत लाल बंगला बाजार में जन चौपाल में सबसे बड़ा आकर्षण का केन्द्र राहुल गांधी द्वारा बीते दिनों दिल्ली में मतदाता सूची पर की गई प्रेस कांफ्रेंस रही। जोनल कोआर्डिनेटर पूर्व विधायक गयादीन अनुरागी ने कहा कि राहुल गांधी ने चुनाव आयोग की कारस्तानी पकड़ कर साक्ष्यों सहित साबित किया कि चुनाव में कैसे भाजपा ने धांधली की थी। अब कांग्रेसजन पूरी सजगता से वोटर लिस्ट और चुनाव आयोग पर निगरानी रखेंगे। जिलाध्यक्ष संदीप शुक्ला ने कहा कि हम सब कांग्रेस जनों को राहुल गांधी का संदेश गांव गांव गली गली पहुंचाना है। चौपाल में आनंद वर्मा, बाबु राम सोनकर, मानेश दीक्षित, सतीश दीक्षित, देवी प्रसाद निषाद, ईखलाक अहमद डेविड, वीरेंद्र चतुर्वेदी, जय शंकर द्विवेदी, अंकित कन्नौजिया, सुधीर शुक्ला, संदीप मिश्रा, गुड्डू पाल आदि मौजूद रहे।

लाल बंगला में चौपाल में नारेबाजी करते कांग्रेसी नेता। अमृत विचार

फतेहपुर जाने से पहले कांग्रेसी घरों में नजरबंद किए

- **कानपुर।** बीते दिनों फतेहपुर में मकबरा पर हुए हमले, तोड़फोड़ का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय के निर्देश पर कानपुर के कांग्रेसी नेता फतेहपुर जाना चाहते थे लेकिन बुधवार सुबह घर से निकलने के पहले ही पुलिस ने कांग्रेसियों को घेर लिया और उन्हें घर में नजरबंद कर दिया। बुधवार सुबह पूर्व विधायक भूधर नारायण मिश्रा, पूर्व विधायक संजीव दरियाबादी समेत कई कांग्रेसी नेताओं को फतेहपुर जाना था लेकिन सुबह 6 बजे ही पुलिस उनके आवास पर पहुंच गई और उन्हें आवास के बाहर निकलने की इजाजत नहीं दी। भूधर नारायण मिश्र की पुलिस से झड़प भी हुई लेकिन पुलिस ने उन्हें कानून व्यवस्था का हवाला देते हुए घर से बाहर नहीं निकलने की सलाह दी। कांग्रेसियों के आवास पर पहरा रहा।

निर्धन वर्ग के बच्चों को आरटीई में प्रवेश दिलाएं

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- स्कूलों की मान्यता रद करने की नोटिस दी, फिर भी नहीं डरा प्रबंधन
- सरकारी हॉस्पिटलों में बाहर से दवाओं की खरीद का खेल बंद कराएं

अमृत विचार। आरटीई (शिक्षा अधिकार कानून) के तहत कमजोर वर्ग के बच्चों का प्रवेश इंगलिश स्कूलों को लेना चाहिए लेकिन स्कूल बच्चों का प्रवेश नहीं ले रहे हैं। स्कूल प्रबंधन के अंदर शासन प्रशासन का तनिक भी खौफ नहीं है, तभी तो कई स्कूलों को उनकी मान्यता रद करने की नोटिस देने के बाद भी उनके कान पर जूं नहीं रेंगी।

बुधवार को कानपुर महानगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पवन गुप्ता एवं पार्टी के जोनल प्रभारी गयादीन अनुरागी की अगुवाई में कांग्रेसजनों ने मंडलायुक्त के विजयेन्द्र पांडियन को मांग पत्र सौंपा। मंडलायुक्त को ज्ञापन सौंपते हुए बताया गया कि अधिकांश निजी स्कूलों द्वारा अभी तक आरटीई के तहत गरीब और कमजोर वर्ग के बच्चों को दाखिला और शिक्षा का अधिकार नहीं मिला है। कानपुर प्रशासन ने ऐसे कई स्कूलों को जुलाई 2025 में चिन्हित कर मान्यता रद्द करने की नोटिस भी दी है लेकिन निजी स्कूलों पर कोई कार्यवाही नहीं होती। महानगर कांग्रेस के अध्यक्ष पवन गुप्ता ने कहा कि कानपुर में सरकारी अस्पतालों की हालत भयावह है। डॉक्टर मिलते नहीं है जिससे रोगियों का इलाज मिल नहीं रहा और बाहर से जांच, बाहर से दवा खरीद का दलालों का खेल चल रहा है।

शहर के अहम मुद्दे उठाए

कानपुर। विधानसभा सत्र में आर्यनगर विधायक अमिताभ बाजपेई ने कानपुर से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों को उठाया और सरकार को इन पर कार्रवाई करने के लिए आगाह किया। बुधवार को उन्होंने विशेष रूप से सफाईकर्मी भर्ती, नगर निगम की लापरवाही, सरकारी स्कूलों का मर्जर, स्मार्ट सिटी के नाम पर भ्रष्टाचार, ठेला-पटरी, रेहड़ी दुकानदार की मदद सहित अन्य विषय उठाए। इसी तरह उन्होंने नाला सफाई, शहर का जाम, कानून व्यवस्था और सरकारी अस्पतालों में भ्रष्टाचार, आयुष्मान कार्ड के नाम पर धोखा, बिजली समस्या, बिजली रेड टीम की लूट, पुलिस की लूट, गंगा सफाई, टेनरी उधोग जैसे विषयों पर बेबाक तरीके से सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि कानपुर की समस्याओं को विधानसभा में उजागर करना और समाधान उनकी प्राथमिकता है।

सीएसजेएमयू में 2 लाख का विशेष शोध अनुदान

युवा एवं सक्रिय संकाय सदस्य को मिलेगा लाभ

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय (सीएसजेएमयू) ने उच्च गुणवत्ता वाले शोध को प्रोत्साहित करने के लिए विशेष शोध अनुदान नीति की घोषणा की है। यह नीति 5 सितम्बर 2025 से लागू होगी। इसके तहत 45 वर्ष से कम आयु के पात्र संकाय सदस्यों को 2 लाख रुपये का अनुदान दिया जाएगा जो उनके स्कोपस इंडेक्सड शोध कार्य के आधार पर होगा। विश्वविद्यालय की ओर से यह घोषणा अकादमिक परिषद की बैठक के दौरान कुलपति प्रो विनय कुमार पाठक ने की।

इस दौरान प्रो विनय कुमार पाठक ने कहा कि यह पहल हमारे विश्वविद्यालय में एक सशक्त शोध संस्कृति विकसित करने, उत्कृष्ट कार्य को सम्मान देने और हमारे संकाय के योगदान को वैश्विक मानकों के अनुरूप बनाने की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। यह अनुदान खुद प्रदान किया जाएगा। इसके लिए छात्र को किसी भी आवेदन की आवश्यकता नहीं होगी। बशर्ते संकाय सदस्य ने पिछले शैक्षणिक वर्ष में कम से कम तीन शोध पत्र इंडेक्सड जर्नल में प्रकाशित किए हों। जिनमें से कम से कम एक में प्रथम या पत्राचार लेखक हों।

पात्रता के लिए संकाय सक्रिय शोध कार्य में संलग्न होना चाहिए और उस पर कोई अनुशासनात्मक कार्यवाही नहीं चल रही हो। नीति के तहत कड़े मानक निर्धारित किए गए हैं। इनमें किसी भी क्लोन, प्रीडेटरी या फर्जी जर्नल में प्रकाशित शोध या नैतिक उल्लंघन के कारण वापस लिए गए शोध पत्र पर तीन वर्षों तक पात्रता समाप्त हो जाएगी। कुलपति की अध्यक्षता में गठित स्क्रीनिंग समिति विज्ञान, समाज विज्ञान, भारतीय भाषाओं तथा वाणिज्य एवं प्रबंधन के विभिन्न संकाय क्षेत्रों से चयन करेगी। अनुदान की राशि केवल शोध प्रयोजनों के लिए होगी और इसे 12 माह के भीतर व्यय करना होगा।

विद्या परिषद की बैठक में ये महत्वपूर्ण निर्णय भी

- एफवाईयूपी की पाठ्यसंरचना के अनुरूप सत्र 2025-26 से 30 विषयों में अनुमोदन हुआ है।
- म्यूजिक एकेडमी का नाम स्वामी हरिदास नाट्य एवं संगीत अकादमी होगा। एवं निदेशक की नियुक्ति डीन अकादमिक एवं कुलपति के संस्तुति से होगी।
- विश्वविद्यालय परिसर के डिपार्टमेंट ऑफ (क्लिनिकल साइकोलॉजी) द्वारा संचालित आरसीआई (आरसीआई) द्वारा मान्यता प्राप्त कार्यक्रमों एमए (क्लिनिकल साइकोलॉजी) तथा बीएससी (क्लिनिकल साइकोलॉजी) से संबंधित अध्यादेश, दिशा-निर्देश तथा पाठ्यक्रम से संबंधित लिए गए निर्णयों के क्रियान्वयन का आदेश दिया गया।
- 14 विषयों के त्रिवर्षीय ऑनर्स यूजी (स्नातक) कार्यक्रम तथा सिंगल सब्जेक्ट यूजी (एकल विषय स्नातक) कार्यक्रमों के लिए निर्मित पाठ्यक्रम के क्रियान्वयन का आदेश दिया गया।
- शैक्षणिक सत्र 2025-26 से लोटना, पूर्वा, उन्नाव एवं घाटमपुर के राजकीय महाविद्यालय (विश्वविद्यालय के घटक महाविद्यालय) में विज्ञान एवं कला संकाय में क्रमशः 4 एवं 5 विषयों के स्नातकोत्तर स्तर की कक्षाओं का संचालन आदेशित किया गया।
- विश्वविद्यालय परिसर तथा सम्बद्ध महाविद्यालयों के स्नातक स्तर के विद्यार्थियों के लिए तीन क्रेडिट के 2 व्यावसायिक पाठ्यक्रम, एआई फॉर ऑल और फाइनेंशियल लिट्रेसी फॉर ऑल के लिए आदेश।

तीरंदाजी में निशाना लगातीं छात्राएं। अमृत विचार

तीरंदाजी प्रतियोगिता में ओईएफ चैंपियन

- प्रतियोगिता में 10 विद्यालयों के 88 खिलाड़ियों ने किया प्रतिभाग

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। 69वीं जनपद स्तरीय (यूपी बोर्ड) तीरंदाजी प्रतियोगिता बुधवार को फूलबाग स्थित ओईएफ इंटर कालेज में हुई। प्रतियोगिता में 10 विद्यालयों के 88 खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। इसमें ओईएफ इंटर कालेज फूलबाग चैंपियन रहा। दूसरा स्थान एनएलके स्कूल जवाहरनगर और तीसरा स्थान जीजीआईसी इंटर कालेज चुन्नीगंज का रहा।

प्रतियोगिता का शुभारंभ प्रधानाचार्य ओईएफ इंटर कालेज के प्रिंसिपल मोहित दुबे ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने इंडियन राउंड, रिकर्व राउंड और कंपाउंड राउंड के अंडर-14, 17 और 19 बालक और बालिका वर्ग में हिस्सा लिया। संयोजक मोहित दुबे ने बताया चैंपियनशिप से चयनित खिलाड़ी 17 से 19 अगस्त तक नेशनल इंटर कालेज सैयदराजा, चंदौली (वाराणसी) में आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय तीरंदाजी प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेंगे। इस मौके पर कानपुर तीरंदाजी संघ के अध्यक्ष राजेंद्र सिंह यादव, बबीता यादव, वैभव गौर, अनुराग मिश्रा, आयोजन सचिव एसके तिवारी, ललित यादव, नितिन गुप्ता, सत्यप्रकाश तिवारी, अमन कुमार आदि रहे।

आय प्रमाण पत्रों की हो जांच

कानपुर। कानपुर प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन की ओर से बुधवार को संयुक्त शिक्षा निदेशक कानपुर मंडल को ज्ञापन दिया गया। एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने आरटीई संबंधी समस्याएं बताईं। कई मांगें भी रखीं। एसोसिएशन के महासचिव बलविंदर सिंह ने कहा कि योजना के तहत आवेदकों का निवास विद्यालय से 1 किलोमीटर की परिधि से बाहर होने के बावजूद प्रवेश दिया जा रहा है। जो 2013 शासनादेश का उल्लंघन है। पहले निकटतम सरकारी विद्यालय में प्रवेश का नियम लागू नहीं हो रहा है। जिससे निजी विद्यालयों पर अनावश्यक दबाव पड़ रहा है। संदिग्ध आय प्रमाणपत्र कई मामलों में अभिभावकों की वास्तविक आर्थिक स्थिति आय प्रमाणपत्र में दर्शाए गए मानकों से मेल नहीं खाती। एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने सभी आरटीई आवेदनों का भौतिक सत्यापन जिला प्रशासन एवं शिक्षा विभाग द्वारा अनिवार्य रूप से किए जाने और विद्यालय सीमांकन में हुई त्रुटियों को तत्काल सुधारे जाने की मांग भी की।

शहीदों की प्रतिमा स्थल के पास चलाया स्वच्छता अभियान

कानपुर। भाजपा दक्षिण जिलाध्यक्ष शिवराम सिंह के नेतृत्व में दक्षिण जिले में बलिदानियों की प्रतिमा स्थल के आसपास स्वच्छता अभियान चलाया। क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल एवं दक्षिण जिलाध्यक्ष शिवराम सिंह ने बर्रा विश्व बैंक चौराहे पर शहीद मेजर अविनाश सिंह भदौरिया की प्रतिमा स्थल के आस पास स्वच्छता अभियान चलाने के बाद प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। राज्य महिला आयोग की सदस्य पूनम द्विवेदी ने सर्किट हाउस चौराहे पर शहीद कैप्टन आयुष यादव, पूर्व विधायक रघुनंदन सिंह भदौरिया ने देहली सुजानपुर में शहीद कैप्टन अभिषेक मिश्रा, पार्षद नवीन पंडित ने गोविन्द नगर में राम प्रकाश त्रिपाठी पार्क में भारत माता की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

नगर पंचायत सरीला, जनपद हमीरपुर

पत्रांक :– 132 /न0पं0स0/अधि0सू0/ठेका पार्किंग/2025–26 दिनांक– 13 / 08 / 2025

बस पार्किंग शुल्क नियमावली

नगर पंचायत सरीला जनपद हमीरपुर नगर क्षेत्र सीमा के अंतर्गत चलने वाले समस्त प्रकार के वाहन जो मोटर से चलाये जाते है, उनको विनियमिता एवं नियंत्रित करने के लिये पूर्व में बनाये गये बस पार्किंग उपनियम में संशोधन करके उत्तर प्रदेश नगर पालिका अधिनियम 1961 की धारा 293 (1) व 298 (2) जे0डी0 के अधीन दिये गये प्राविधानों के अंतर्गत उपनियम में संशोधन किया गया है, जिसका प्रकाशन आपत्ति एवं सुझाव आमंत्रित करने हेतु किया जाता है। केवल उन्ही आपत्ति एवं सुझावों पर विचार किया जायेगा जो प्रकाशन की तिथि से 30 दिन के अंदर प्राप्त होंगे आपत्तियां एवं सुझाव निराकरण के पश्चात बैठक द्वारा यह निर्णय लिया गया है कि गजट के मुद्रण तिथि से लागू माना जायेगा।

उपनियम

1.संक्षिप्त नाम

यह उपनियम नगर पंचायत सरीला के अंतर्गत किराये पर चलने वाले मोटर–कार मोटर लारी, जीप, टैक्सी, टैम्पो, ई–रिक्शा, विक्रम मिनी बस, मिनी ट्रक, मोटर ठेला ट्रक, ट्रैक्टर को नियंत्रित करने हेतु बस पार्किंग शुल्क वर्ष 2025–26 के नाम से जानी जायेगी।

2.प्रसार क्षेत्र

यह उपविधि नगर पंचायत सरीला की सीमा तथा उससे सन्निकट क्षेत्र 3 किमी की परिधि के अंतर्गत होगी।

3.प्रस्तावना

1.यह कि परिवर्तित उपनियम प्रशासक की स्वीकृति के पश्चात तुरंत लागू होगी।

2.कोई भी मोटर वाहन नगर पंचायत की सीमा में 10 किमी0 प्रति घंटा से अधिक तेज गति से नहीं चलाया जायेगा। और न ही तेज और न तेज हॉर्न बजाया जायेगा।

3. किराये पर चलने वाले प्रत्येक टैक्सी, टैम्पो,ई–रिक्शा, विक्रम कार, जीप, मिनी बस, ट्रैक्टर ट्राली इसी प्रकार मोटर से चलने वाले आदि वाहन मोटर लॉरी, ठेला आदि वाहन जो नगर पंचायत की सीमा क्षेत्र के भीतर बस पांर्किग अथवा नगर के अतिरिक्त अन्य कही भी नगर पचांयत के द्वारा 3 किमी परिधि के भीतर किसी भी परिसर अथवा स्थान जहॉ जनता को प्रवेश की अनुमति हो यात्रियों को चढायेगा अथवा उतारेगा अथवा सामान को चढ़ायेगा तो नगर पंचायत को प्रतिदिन नगर द्वारा निर्धारित शुल्क अदा किया था।

4.उक्त शुल्क की वसूली अध्यक्ष/अधिशाषी अधिकारी द्वारा नियत कर्मचारी अथवा ठेकेदार द्वारा प्रतिदिन की वसूली की जायेगी।

5. यह कि ठेका पार्किंग शुल्क नीलामी द्वारा/टेंडर आमंत्रित करके उसकी स्वीकृति अध्यक्ष/बोर्ड सदस्यों द्वारा की जायेगी।

6.ठेका पार्किंग शुल्क एक वर्ष के लिये होगा जिसकी अवधि 1 अप्रैल से 31 मार्च तक होगा।

7. नीलाम होने की स्थिति में ठेका स्वीकृत होने पर ठेका की कुल धनराशि का 1/2 भाग (आधा) तुरन्त जमा करना होगा तथा शेष धनराशि छः माह में दो बराबर किस्तों में अदा करना होगा। ऐसा न करने पर बिना नोटिस दिये ही ठेका निरस्त करने का पूर्ण अधिकार अध्यक्ष/अधिशाषी अधिकारी नगर पंचायत सरीला का होगा।

8. ठेका स्वीकृत होने पर अथवा दौरान ठेका छोड़ने का अधिकार ठेकेदार की न होगा। ठेकेदार द्वारा बीच में ठेका छोड़ने की अवस्था में नगर पचांयत कोष में जमा की गयी धनराशि जब्त कर ली जायेगी और यदि पुनः नीलामी करने में प्रथम नीलामी की हुई धनराशि की अपेक्षा पचांयत को घाटा रहता है तो घाटे क अदायगी की जिम्मेदारी पहले ठेका लेने वाले ठेकेदार की होगी जो न अदा करने की दशा में नियमानुसार उससे मालगुजारी की भांति वसूल करने का अधिकार अध्यक्ष/अधिशाषी अधिकारी का होगा।

9. ठेकेदार अथवा कर्मचारियों को निर्धारित शुल्क से अधिक धन वसूल करने का अधिकार न होगा।

10.ठेकेदार अथवा कर्मचारी नियम विरुद्ध फीस वसूल करने की अवस्था में ठेकेदार उसका उतना ही दोषी होगा, जितना कि वह कर्मचारी और दोष सिद्ध होने पर 500.00 रुपये तक जुर्माना वसूल होगा।

11. शर्तो के विपरीत कार्य करने पर ठेका निरस्त कर दिया जायेगा और जो धनराशि ठेकेदार की पूर्व में जमा होगी वह नगर पंचायत के हित में जमा कर ली जायेंगी।

12.ठेका स्वीकृत होने पर ठेकेदार को नगर पंचायत से रसीद का प्रारूप प्राप्त करके रसीद छपवाना होगा और उन रसीदों पर नगर पंचायत से मोहर लगवा कर ही पार्किंग की वसूली की जायेगी।

13.यदि कोई मोटर कार,जीप,मोटर लारी टैक्सी मिनी बस ई–रिक्शा या मोटर से चलने वाले अन्य वाहन मोटर ठेला, ट्रैक्टर ट्राली या इसी प्रकार के अन्य वाहन अध्यक्ष/अधिशाषी अधिकारी नगर पंचायत या ठेकेदार के द्वारा फीस मांगने पर यदि उसे नहीं देगा तो वह उपनियम की धारा 3 का दोषी होगा और उस पर नियमानुसार अर्थदंड आरोपित किया जायेगा।

14.यदि कोई व्यक्ति अध्यक्ष/अधिशाषी अधिकारी, कर्मचारी नगर पंचायत या ठेकेदार का मुतालबा वसूल करने में बाधा पहुंचाएगा तो वह यू0पी0 म्यूनिसिपालिटीज एक्ट 1916 की धारा 294 का दोषी होगा। इसके अतिरिक्त परिस्थितियों के अनुसार भारतीय दण्ड विधान के अंतर्गत कार्यवाही की जायेगी।

15. ठेका स्वीकृत होने पर ठेकेदार को नगर पंचायत के हित में वांछित स्टाम्प पेपर पर स्टाम्प एक्ट के अनुसार स्टाम्प पेपर जमा करके ठेकेनामा तहरीर करेगा।

16.ठेकेदार ठेकेनामा तहरीर के बाद ही चार्ज ठेका व वसूली का हकदार होगा।

17. बस पार्किंग शुल्क के अतिरिक्त वाहनों से अन्य कोई शुल्क नहीं लिया जायेगा।

बस पार्किंग शुल्क की प्रस्तावित दरें

क्र0सं0	नाम	दरें
1	टैक्सी,टेंपो, ऑटो रिक्शा, ई-रिक्शा, जीप कार सवारी उतारने चढ़ाने पर	40
2	मिनी बस, मिनी ट्रक पर सवारी/सामग्री उतारने चढ़ाने पर	100
3	टैक्टर ट्राली, लोडिंग/अनलोडिंग	30
4	मोटर कार, टैक्सी, जीप प्रचार हेतु	30
5	गुम्मा, सीमेंट, ईटा, बालू, गिट्टी, सब्जी, गल्ला, आदि से लदा ट्रक जो माल उतार अथवा चढाये	60
6	ट्रांसपोर्ट का ट्रक जो विभिन्न व्यापारियों का माल चढ़ाये य उतारे	100
7	कबाड़ लादने वाला ट्रक एवं डीजल पेट्रोल मिट्टी का तेल आदि के टैकर की लोडिंग/अनलोडिंग पर	50
8	प्राइवेट मोटर बस, डबल डेकर बस जो नगर पंचायत सीमा के निर्धारित परधी के अन्दर रूक कर यात्री उतारने एवं चढाने की दशा में	120

शक्ति

यू0पी0 म्यूनिसिपालिटीज एक्ट 1916 की धारा 299 (1) के आधीन अधिकारों का प्रयोग करके नगर पंचायत सरीला यह निर्देश देती है कि इस नियमावली में दिये गये किन्हीं उपबंधों की अवहेलना करने पर अर्थदण्ड का भागी होगा जो रुपया 1000.00 तक हो सकता है। और उल्लंघन जारी रखने की दशा में अतिरिक्त अर्थदण्ड दिया जायेगा जो प्रथम दोष सिद्ध के पश्चात ऐसे प्रत्येक दिन के लिये जिसके बारे में यह सिद्ध हो जाये की उसने अपराधी अपराध करता रहा है। रू0 25.00 तक हो सकता है।

अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत सरीला, हमीरपुर

अध्यक्ष
नगर पंचायत सरीला, हमीरपुर

न्यूज ब्रीफ

बंदर की छलांग से 132 केवी लाइन ट्रिप

शुक्लागंज (उन्नाव) अमृत विचार। बुधवार दोपहर कुंदन रोड पावर हाउस पर एक बंदर की कूद से 132 केवी लाइन में बड़ा हादसा हो गया। करीब पौने चार बजे बंदर बिजली लाइन पर कूद गया, जिससे तारों में शॉर्ट सर्किट हुआ और जोरदार धमाके के साथ लाइन ट्रिप हो गई। इससे नगर सहित जनपद के कई क्षेत्रों की बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। आवाज सुनकर बिजली विभाग के अधिकारी और कर्मचारी मौके पर पहुंचे। करंट से झुलसे बंदर को लाइन से हटाने के बाद मरम्मत कार्य शुरू किया गया। करीब एक घंटे तक नगर व ग्रामीण क्षेत्रों में अंधेरा छाया रहा। मरम्मत पूरी होने के बाद शाम 4 :50 बजे 132 केवी लाइन की सप्लाई बहाल की गई।

पेड़ से गिरकर घायल हुए अधेड़ ने तोड़ा दम

उन्नाव अमृत विचार। सोहरामऊ थानाक्षेत्र के सहरावां गांव के मजरा दरियार खेड़ा निवासी संतोष (55) पुत्र जगदीश मजदूरी करता था। 22 जुलाई को वह गांव के बाहर जंगल में खड़े पेड़ में चढ़कर लकड़ी काट रहा था। बारिश के चलते पेड़ गीला होने से उसका संतुलन बिगड़ गया और वह नीचे गिर गया और गंभीर रूप से घायल हो गया। ग्रामीणों की सूचना पर परिजन उसे लखनऊ स्थित निजी अस्पताल ले गए जहां मंगलवार रात उसने दम तोड़ दिया। परिजन शव लेकर गांव लौट आए और पुलिस को इसकी जानकारी देकर पोस्टमार्टम कराने की मांग की। इस पर पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया।

जालसाजी के वांछित को पुलिस ने दबोचा

शुक्लागंज उन्नाव अमृत विचार। गंगाघाट पुलिस ने संदिग्ध व वांछित तलाश अभियान के दौरान धोखाधड़ी व जालसाजी के एक वांछित को पकड़कर कार्रवाई कर उसे कोर्ट भेज दिया है। इंस्पेक्टर प्रमोद कुमार मिश्रा ने बताया कि आजाद फुटवियर कंपनी के ट्रेडमार्क को धोखाधड़ी से अपने नाम कराने के प्रयास में एक महिला की तहरीर पर मौलाना आजाद, शमशाद खान, मोहम्मद ताहा और मोहम्मद तलहा, सभी निवासी बेगम पुरवा, कानपुर के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था। बुधवार को एसपी के निर्देश पर चलाए गए संदिग्ध एवं वांछित तलाश अभियान के तहत क्राइम इंस्पेक्टर फूल सिंह ने मुखबिर की सूचना पर आरोपी मोहम्मद ताहा को बालू घाट से गिरफ्तार किया। पुलिस ने उसे दर्ज रिपोर्ट के आधार पर निरुद्ध कर कोर्ट में पेश किया।

संदिग्ध हालात में अधेड़ की हुई मौत

उन्नाव। पुरवा कोतवाली क्षेत्र के दली गढ़ी मोहल्ला निवासी कल्लू (58) पुत्र स्व. रघई की मंगलवार को घर पर अचानक हालत बिगड़ गई और उसके कुछ देर बाद उसकी मौत हो गई। दामाद रमेश के मुताबिक कुछ दिन पूर्व उसकी आवंटन में मिली जमीन को लेकर छोटे भाई से कहासुनी हुई थी। इसी शक में पुलिस राजेश्वरी की सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच कर शव का बुधवार को पोस्टमार्टम कराया। इसमें उसकी बीमारी से मौत होने की बात सामने आई है।

किशोरी से छेड़खानी, युवक पर मुकदमा दर्ज

शुक्लागंज उन्नाव अमृत विचार। गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में 15 वर्षीय किशोरी से छेड़खानी के मामले में पुलिस ने युवक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। पीड़िता की मां ने तहरीर में बताया कि 11 अगस्त को करन नामक युवक ने उसकी बेटी से छेड़खानी की। शिकायत के आधार पर पुलिस ने करन के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

युवक पर रिपोर्ट दर्ज

शुक्लागंज उन्नाव। गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र की एक 16 वर्षीय किशोरी को अचलगंज थाना क्षेत्र का युवक बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया। पीड़िता की मां ने बुधवार को कोतवाली में छुड़उआ खेड़ा निवासी अमित के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई।

विजयी विश्व तिरंगा प्यारा, झंडा ऊंचा रहे हमारा...

151 मीटर लंबे राष्ट्रध्वज के साथ निकाली गई विशाल तिरंगा यात्रा, एनसीसी कैडेट्स व छात्र-छात्राओं ने आर्मी बैंड के साथ किया प्रतिभाग

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

यात्रा में विधायक पंकज गुप्ता, भाजपा जिलाध्यक्ष अनुराग अवस्थी, भाजपा नेता विमल द्विवेदी व अन्य। अमृत विचार

यात्रा के दौरान पिरामिड बनाते एनसीसी कैडेट्स व छात्र। अमृत विचार

अमृत विचार। हर घर तिरंगा घर-घर तिरंगा की थीम पर शहर में विशाल तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। इसमें एनसीसी कैडेट्स के अलावा आर्मी बैंड ने भी प्रतिभाग किया। इस यात्रा में मुख्य आकर्षण 151 मीटर लंबा तिरंगा रहा। जिसे सैकड़ों हाथों में लेकर चल रहे थे। आर्मी बैंड की धुन पर गर्ल्स कैडेट्स थिरकती रहीं। तिरंगा यात्रा में जिले के कई विद्यालयों के एनसीसी कैडेट्स ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर भाजपा नेता व नर सेवा नारायण सेवा के संस्थापक विमल द्विवेदी के संयोजन व जिलाध्यक्ष अनुराग अवस्थी के नेतृत्व में शहर में 151 मीटर लंबे तिरंगे के साथ विशाल यात्रा निकाली गई। इसमें 10 हजार राष्ट्रभक्त हाथों में तिरंगा लिये भारत माता का जयघोष करते हुए शामिल रहे। यात्रा का शुभारंभ राजकीय आईटीआई उन्नाव से सदर विधायक पंकज गुप्ता, डीएसएन कॉलेज के प्राचार्य डॉ. राजेश श्रीवास्तव व डॉ. रंजीत सिंह ने किया। यात्रा बड़ा चौराहा, छोटा चौराहा व गांधी नगर तिराहा होते हुए डीएसएन महाविद्यालय में समाप्त हुई।

संयोजन डीएसएन महाविद्यालय के एनओ लेफ्टिनेंट डॉ. विपिन सिंह ने किया। 151 मीटर लंबे तिरंगा को लेफ्टिनेंट रविरंजन लेफ्टिनेंट, नितेश तिवारी, अतुल शुक्ल व शशि कांत के निर्देशन में ले जाया गया। इसमें सैकड़ों एनसीसी कैडेट्स भारत माता की जय के उद्घोष करते हुए चल रहे थे। यात्रा में डीएसएन महाविद्यालय उन्नाव, राजकीय आईटीआई उन्नाव, राजकीय बालिका इंटर कालिज उन्नाव, निरंजन सिंह महाविद्यालय, सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज शुक्लागंज, स्वामी विवेकानंद कॉलेज आफ हायर स्टडीज शुक्लागंज, चौधरी खजान सिंह महाविद्यालय उन्नाव के एनसीसी कैडेट्स ने प्रतिभाग किया। इसमें 57 बटालियन के सूबेदार मेजर नवीन सिंह सहित पूरा स्टाफ उपस्थित रहा। रैली का संयोजन पूर्व सीनियर अंडर ऑफिसर दीक्षा अवस्थी, अंडर ऑफिसर रोशनी सविता, वर्तमान सीनियर अंडर ऑफिसर मनीषा यादव, अंडर ऑफिसर तन्वी तिवारी व अंडर ऑफिसर रितिमा तिवारी ने किया। इस दौरान आनंद अवस्थी, नगर अध्यक्ष अवनीश गुप्ता, जिला महामंत्री नूतन सिंह, जिला महामंत्री आशीष वाजपेई, पूर्व नगर अध्यक्ष सुशील तिवारी, पवन सिंह, प्रदीप सिंह, अनीता द्विवेदी, जिला संयोजक अजय त्रिवेदी, प्रियंका शुक्ला, राकेश राजपूत, धर्मेंद्र शुक्ला, केतन अवस्थी, सुनील भदोरिया, राघवेंद्र पांडे, विकास तिवारी, आलोक शुक्ला, मुकेश दीक्षित, अमूल्य बाजपेई, अमन दुबे, पवित्रा उपाध्याय, ज्योति राजपूत, नीलमणि सिंह, दीपा त्रिपाठी, दीपिका बाजपेई, शिव सेवक त्रिपाठी आदि अनेक लोग सम्मिलित हुए।

स्वतंत्रता दिवस पर होगी क्रॉस कंट्री रेस

उन्नाव अमृत विचार। जिला क्रीड़ाधिकारी मुकेश कुमार सब्बरवाल ने बताया कि स्वातंतता दिवस पर पुरुष वर्ग में 5 किमी व महिला वर्ग में 3 किमी की क्रॉस कन्ट्री रेस आयोजित की जा रही है। 15 अगस्त को क्रॉस कन्ट्री रेस सुबह 6 :45 बजे से पुलिस लाइन्स से शुरू होकर जिलाधिकारी आवास के सामने से ओवरब्रिज तिराहा व राजकीय बालिका इंटर कालेज के सामने से होती हुई लखनऊ बाईपास ओवरब्रिज के नीचे से स्टेडियम के मेन गेट नं-1 पर समाप्त होगी। यह प्रतियोगिता पुरुष व महिला ओपेन वर्ग में आयोजित होगी। इसमें आयु पर कोई प्रतिबंध नहीं है। प्रतियोगिता में प्रविष्टि नि :शुल्क है। बताया कि सभी अपने विद्यालय के छात्रों को अधिक से अधिक संख्या में प्रतिभाग करने के लिये हेतु प्रेरित करें। प्रतियोगिता में विजेताओं को आकर्षक पुरस्कार भी दिये जायेंगे।

बदरका में रैली को रवाना करतीं सीडीओ। अमृत विचार

अमर बलिदानियों को कभी ना भूलें: सीडीओ

उन्नाव अमृत विचार। बदरका स्थित अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद स्मारक में हर घर तिरंगा अभियान के तहत महिला कल्याण विभाग द्वारा तिरंगा यात्रा आयोजित हुई। मुख्य अतिथि सीडीओ कृतिराज ने चंद्रशेखर आजाद की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और भारत माता की जय के नारों के बीच हरी झंडी दिखा कर रैली को रवाना किया। सीडीओ ने कहा कि जिन अमर बलिदानियों ने देश के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया, हम उन्हें कभी न भूलें। रैली में विभिन्न परिषदीय विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। इस दौरान जिला प्रोबेशन अधिकारी क्षमानाथ राय, बीएसए संगीता सिंह, खंड विकास अधिकारी फहद आलम, खंड शिक्षाधिकारी केएल वर्मा, विधि व परिवीक्षा अधिकारी अवधेश कुमार, राजेश शुक्ला, डॉ. रचना सिंह, विश्वनाथ तिवारी उपस्थित रहे।

तिरंगा भारत की आन-बान-शान का प्रतीक

बांगरमऊ अमृत विचार। विधायक श्रीकांत कटियार के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं ने बुधवार सुबह नगर के उन्नाव-हरदोई रोड पर हर घर तिरंगा अभियान के तहत तिरंगा यात्रा निकाली। विधायक ने नगर के शहीद जस्सा सिंह स्मारक भवन में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी शिलापट्ट पर पुष्प अर्पित कर यात्रा का शुभारंभ किया। यात्रा उन्नाव-हरदोई रोड स्थित सरदार वल्लभ भाई पटेल पार्क पर समाप्त हुई। इस दौरान विधायक ने कहा कि तिरंगा हमारे देश की आन-बान-शान का प्रतीक है। उन्होंने लोगों से स्वतंत्रता दिवस पर अपने-अपने घरों पर तिरंगा फहराने की अपील की। यात्रा में चेयरमैन रामजी गुप्ता, भाजपा युवजन सभा के जिलाध्यक्ष बालाराव गुप्ता, प्रदीप सोनी, आशीष मिश्रा, अर्पित मिश्रा, अभिषेक, राकेश गुप्ता, विकास गुप्ता, मनीष तिवारी, वीरेंद्र अवस्थी, ऋषभ गुप्ता, मुकेश शर्मा व अरविंद आदि शामिल रहे।

तिरंगा यात्रा में शामिल विधायक व अन्य। अमृत विचार

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर होंगे कार्यक्रम आज

उन्नाव। बीएसए संगीता सिंह ने खंड शिक्षाधिकारियों के माध्यम से विद्यालय के प्रधानाध्यापकों से कहा कि 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के अवसर पर विभाजन विभीषिका त्रासदी में प्राण देने वालों की याद में विद्यालय में 2 मिनट की श्रद्धांजलि सभा प्रार्थना के समय कराने के साथ भाषण प्रतियोगिता व संगोष्ठी आयोजन कराई जाएं। जिसमें भारत-पाकिस्तान विभाजन विभीषिका से जुड़ी परिचर्चा की जाये। विद्यालय के श्यामपट पर विभाजन विभीषिका लिखा जाए तथा हर घर तिरंगा कार्यक्रम भी कराये जाएं। सभी कार्यक्रमों से संबंधित फोटो व वीडियों कार्यालय में 14 अगस्त को अपरान्ह 1 बजे तक अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराएं।

घरों पर तिरंगा फहराकर राष्ट्र का सम्मान करें

सफीपुर उन्नाव अमृत विचार। कस्बे में नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि सौरभ बाजपेयी के नेतृत्व में तिरंगा यात्रा निकाली गई। यात्रा का शुभारंभ मां शंकरी देवी मंदिर परिसर से हुआ और मुख्यमार्ग होते हुए राहतगंज बाजार, गुलाब बिल्डिंग होते हुए यात्रा नगर के विभिन्न हिस्सों से गुज़री। इस दौरान प्रतिभागियों ने हाथों में तिरंगा लेकर भारत माता की जय, वंदे मातरम व जय हिंद जैसे नारों से नगर का माहौल देशभक्ति से सराबोर कर दिया। दुकानदारों व घरों में तिरंगा वितरित कर स्वाधीनता को अक्षुण्य बनाने का संदेश दिया। चेयरमैन प्रतिनिधि सौरभ बाजपेयी ने अपील की कि हर घर पर तिरंगा फहराकर राष्ट्र के प्रति अपने सम्मान और एकता का संदेश दें। इसमें होरीलाल, वीरेंद्र अग्निहोत्री, अशोक कुशवाहा, सोनू श्रीवास्तव, संजीव शुक्ला, गुफरान अली, श्याम सुंदर यादव, विवेक श्रीवास्तव, रामलोटन लोधी आदि रहे।

सफीपुर में निकाली जाती तिरंगा यात्रा। अमृत विचार

कार्यशाला में मौजूद छात्र-छात्राएं व शिक्षक। अमृत विचार

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राएं हुए पुरस्कृत

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

अमृत विचार। एसबीएम इंटर कॉलेज संत पूरन दास नगर में एक कैरियर कार्यशाला आयोजित हुई। जिसमें तकनीक के क्षेत्र में छात्र-छात्राओ के कैरियर व विषय के चुनाव में मार्गदर्शन के साथ भविष्य में रोजगार के अवसर प्रदान करने की गुरुमंत्र बताए गए।

कोड योगी फाउंडेशन द्वारा आयोजित कार्यशाला का शुभारम्भ जिलाधिकारी गौरांग राठी, सीडीओ कृति राज, डीआईओएस सुनील दत्त, कोड योगी फाउन्डेशन से राकेश सहगल व वृद्धि के साथ एसवीएम इंटर कालेज पूरन दास नगर के प्रबंधक वेणुरंजन भदौरिया व प्रधानाचार्य द्वारा द्वीप प्रज्जवलित कर सरस्वती वंदना के साथ कार्यक्रम शुरू किया गया।

जिलाधिकारी ने भविष्य में रोजगार के विकल्प को खोजने व इस तकनीकी युग में नई सम्भावनाऐं खोजने के अवसर को लेकर मार्गदर्शन दिया। संचालन सर्वेश सिंह जिला समन्वयक ने किया। कोड योगी संस्था से राकेश सहगल द्वारा पीपीटी के माध्यम से सभी प्राचार्य, प्रधानाचार्य, शिक्षकों, अभिभावको व छात्र-छात्राओं को इसमें पंजीकरण करने व उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करने वालों को पुरस्कृत किया। जिलाधिकारी ने 4 उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया। इसमें हर्षित शर्मा, राधा सिंह, अटल बिहारी इंटर कालेज उन्नाव, रामजी वर्मा वीडीटी इंटर कालेज मियागंज व शाम्भवी श्रीवास्तव पीएमश्री राजकीय बालिका इंटर कालेज उन्नाव के अलावा 45 अच्छा प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को डीआईओएस व संस्था द्वारा सांत्वना पुरस्कार दिये गए। सर्वोच्च पंजीयन करने वाले विद्यालयों के प्रधानाचार्य अजब सिंह अटल बिहारी इंटर कालेज उन्नाव, प्रधानाचार्य परमात्मा शरण पीएमश्री जीआईसी उन्नाव, जीआईसी इनायतपुर बर्रा व जीजीआईसी उन्नाव की प्रधानाचार्या दिव्य शिखा को जिलाधिकारी ने प्रशस्तिपत्र देकर सम्मानित किया।

वाहन की टक्कर से युवक की जान गई

उन्नाव अमृत विचार। अजगैन कोतवाली क्षेत्र के आगा खेड़ा गांव निवासी मनीष (35) पुत्र रामकुमार लोध उर्फ कुंवारे मुंबई में सिलाई का काम करता था। बीते कई माह से वह यहीं काम रहा था। शुक्रवार को वह पत्नी व दो वर्षीय बेटी के साथ दही थानाक्षेत्र के सिंघूपुर स्थित अपने ससुर राजकुमार के घर आया, जहां से मंगलवार देर शाम वह अकेले गांव लौट रहा था, तभी लखनऊ-कानपुर हाईवे पर दही थानाक्षेत्र के बसीरतगंज गांव के पास अज्ञात वाहन उसकी बाइक में टक्कर मारता हुआ भाग निकला। उछलकर सिर के बल सड़क पर गिरने से उसे गंभीर चोटें आ गईं। वहां मौजूद पुलिस कर्मी उसे नवाबगंज सीएचसी लाए, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। उसके पास मिले मोबाइल से परिजनों को घटना की जानकारी देकर पुलिस ने शव मोर्चरी में रखवाया। भाई रामभजन ने बताया कि मनीष चार भाइयों में दूसरे नंबर का था। उसके दो वर्ष की एक बेटी है। एसओ दही संजीव कुशवाहा ने बताया कि तहरीर के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

हलछठ पर बाजारों में रही रौनक महिलाओं ने की जमकर खरीदारी

शुक्लागंज (उन्नाव) अमृत विचार। हलछठ और श्रीकृष्ण जन्माष्टमी को लेकर बुधवार को शहर के बाजारों में दिनभर रौनक रही। सैकड़ों की संख्या में अस्थाई दुकानें सजीं, जिन पर सुबह से देर शाम तक खरीदारों की भीड़ जुटी रही। घरों के पूजा स्थलों की साफ-सफाई का काम पूरे जोर पर चला, वहीं महिलाओं ने पूजन सामग्री की खरीददारी में खासा उत्साह दिखाया।

हलछठ पर्व से पहले पोनी रोड, मिश्रा कॉलोनी, ऋषि नगर, आनंद नगर, कंचन नगर और सुभाष नगर की गलियों में सजाई गई दुकानों पर ग्राहकों का तांता लगा रहा। महिलाओं ने महुआ, छह प्रकार के अनाज से बना चबेना, बहुरी, फल, दही, गुड़, फसली चावल और पौधों से बने हलछठ प्रतीक खरीदे। परंपरा के अनुसार, यह सामग्री अगले दिन होने वाले पूजन में उपयोग की जाएगी। गुरुवार को पर्व मनाने के लिए एक दिन पूर्व ही महिलाओं ने आवश्यक सामग्री जुटाकर तैयारियां पूरी कर लीं। भीड़ और खरीददारी से बाजारों में दिनभर चहल-पहल बनी रही।

पुलिस ने 101 खोये मोबाइल तलाश कर लोगों को लौटाए

उन्नाव अमृत विचार। एसपी दीपक भूकर के निर्देश पर जारी आपरेशन मुस्कान के तहत लोगों के खोये मोबाइल फोन बरामद करने के लिए सर्विलांस सेल लगातार प्रयासरत थी। इसी प्रयास से सर्विलांस की मदद से 101 मोबाइल फोन तलाश कर बरामद किये गए। बुधवार को एसपी के अलावा एएसपी उत्तरी अखिलेश सिंह व सीओ सिटी दीपक यादव की मौजूदगी में बरामद फोन उनके स्वामियों को सौंपे गये। खोये फोन के मिलने की उम्मीद छोड़ चुके लोगों को जब पुलिस अधिकारियों ने फोन वापस लौटाए तो उनके चेहरे खुशी से खिल उठे। इसमें सर्विलांस टीम प्रभारी विनोद सिंह व टीम के आरक्षी शुभम तोमर, प्रशांत बालियान आदि का योगदान रहा। एसपी ने बताया कि आपरेशन मुस्कान के तहत बुधवार को 101 मोबाइल फोन लौटाए गए हैं। बताया कि इस अभियान के तहत बीते 8 माह में 606 फोन बरामद कर लौटाए गए हैं। जिनकी कीमत करीब 1 करोड़ है। बताया कि अभियान आगे भी जारी रहेगा।

गैर इरादतन हत्या के प्रयास में 5 साल सजा

उन्नाव अमृत विचार। गैर इरादतन हत्या के प्रयास के आरोपी को अंतिम सुनवाई के बाद कोर्ट ने 5 साल की सजा सुनाई है। साथ ही कोर्ट ने उस पर 45 हजार का जुर्माना भी लगाया। अचलगंज थानाक्षेत्र के भुंभवार गांव निवासी विनोद शुक्ला ने 19 मार्च-2022 को गांव के लल्लू सिंह पर एफआईआर दर्ज कराई थी। इसमें आरोप था कि घटना वाले दिन उसके पिता शिव विलास शुक्ल व छोटे भाई प्रमोद सुबह दरवाजे पर बैठे थे। तभी गांव निवासी लल्लू सिंह नशे में आकर गालीगलौज करने लगा। पिता ने विरोध किया तो उसने कुल्हाड़ी से पिता व भाई पर हमला कर दिया था। इससे दोनों गंभीर घायल हो गए और लल्लू भाग गया था। सीएचसी से गंभीर हालत में दोनों को जिला अस्पताल भेजा गया था। पुलिस ने लल्लू को पकड़कर जेल भेजा था। एसआई नीरज सिंह ने 21 दिसंबर-2022 को आरोपी के विरुद्ध साक्ष्य एकत्र कर चार्जशीट कोर्ट में पेश की थी। बुधवार को मुकदमे की अंतिम सुनवाई अपर जिला जज तृतीय की कोर्ट में पूरी हुई। शासकीय अधिवक्ता विनय शंकर दीक्षित की दलीलों व साक्ष्य के आधार पर न्यायाधीश ममता सिंह ने लल्लू सिंह को पांच साल की सजा सुनाई।

राधा-कृष्ण बने बच्चों ने मोह लिया मन

संवाददाता शुक्लागंज (उन्नाव)

राधा-कृष्ण की वेशभूषा में बैठे शिशु मंदिर के बच्चे।

अमृत विचार। गोपीनाथ पुरम स्थित सरोज सरस्वती शिशु मंदिर में जन्माष्टमी पर्व के उपलक्ष्य में बुधवार को रूप सज्जा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने राधा-कृष्ण की वेशभूषा और अद्भुत श्रृंगार धारण कर सभी का मन मोह लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि समाजसेविका सुषमा अवस्थी ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। राधा-कृष्ण के परिवेश में सजे बच्चों ने गणेश वंदना से शुरुआत करते हुए विभिन्न गीतों पर मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किए। सैकड़ों बच्चों को इस रूप में देखकर उपस्थित लोगों को मथुरा और वृंदावन की छवि सजीव प्रतीत हुई। आकर्षक श्रृंगार में सजे आदिका, सारांश, आरोही, अर्पित, शोभित, अयांश, अक्षय, कुनाल सहित सैकड़ों बच्चों की लोगों ने आरती उतारी और आशीर्वाद दिया। बच्चों के प्रदर्शन ने पूरे माहौल को भक्तिमय बना दिया। कार्यक्रम में प्रधानाचार्य दुर्गेश सिंह, शिशु वाटिका प्रमुख आशा शुक्ला, माला, सीमा, ईशा, नीलू, रूचि, पूजा बाजपेयी सहित विद्यालय के अन्य शिक्षक-शिक्षिकाएं मौजूद रहीं।

मुसीबत बढ़ी — हरिहरपुर मार्ग और फत्तेखेड़ा मुख्य मार्ग पर बह रहे पानी से होकर आवागमन करने को मजबूर हैं लोग

खतरे से 38 सेमी दूर गंगा, कई रिहायशी इलाकों में घुसा पानी

संवाददाता शुक्लागंज (उन्नाव)

सैय्यद कम्पाउंड गली में भरा बाढ़ का पानी। अमृत विचार

अमृत विचार। पहाड़ी और मैदानी क्षेत्रों में लगातार हो रही झमाझम बारिश से गंगा का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। जलस्तर में लगातार हो रही बढ़ोत्तरी के चलते अब रिहायशी इलाकों में भी बाढ़ का पानी घुस गया है। ग्रामीण क्षेत्रों में पानी का फैलाव इतना तेज है कि हरिहरपुर मार्ग और फत्तेखेड़ा मुख्य मार्ग के ऊपर से पानी बहने लगा है। यहां के लोग अब बाढ़ के पानी से होकर आवागमन करने को मजबूर हैं।

केंद्रीय जल आयोग के अनुसार मंगलवार शाम छह बजे गंगा का जलस्तर 112.470 मीटर था। बुधवार सुबह आठ बजे तक यह 10 सेंटीमीटर बढ़कर 112.570 मीटर पहुंच गया। दोपहर 12 बजे जलस्तर 112.590 मीटर और शाम छह बजे 112.620 मीटर मापा गया, जो खतरे के निशान 113 मीटर से महज 38 सेंटीमीटर कम है। जलस्तर में हो रही लगातार बढ़ोत्तरी ने तटीय और निचले इलाकों में खतरे की घंटी बजा दी है। रिहायशी इलाके रविदास नगर, इंदिरा नगर, शक्ति नगर, श्री नगर और मनोहर नगर में बाढ़ का पानी भर चुका है। कई गलियों में पानी घुसने से स्थानीय लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इसके अलावा कर्बला, हुसैन नगर, शाही नगर, सैयद कंपाउंड, चंपा पुरवा, तेजी पुरवा, मनसुख खेड़ा, गगनी खेड़ा समेत कई ग्रामीण इलाकों में भी बाढ़ का पानी फैल गया है। ग्रामीण इलाकों में हरिहरपुर और फत्तेखेड़ा मुख्य मार्ग पर गंगा का पानी आने-जाने वालों के लिए परेशानी का सबब बन गया है। स्थिति यह है कि जलस्तर में वृद्धि जारी रहने से शुक्लागंज के वे तटीय क्षेत्र, जहां अभी बाढ़ का पानी नहीं पहुंचा है, भी खतरे के दायरे मंच आ गए हैं। स्थानीय प्रशासन हालात पर नजर बनाए हुए है, लेकिन जलस्तर खतरे के निशान के करीब पहुंचने से लोगों की चिंता बढ़ गई है।

पश्चिम के बांधों से छोड़ा गया भारी पानी

बैराज बांध के पोस्ट रीडर उत्तम पाल के अनुसार बुधवार शाम चार बजे बैराज बांध से 3,59,202 क्यूसेक, हरिद्वार से 1,09,590 क्यूसेक और नरौरा बांध से 1,91,442 क्यूसेक पानी छोड़ा गया। भारी मात्रा में छोड़े गए इस पानी से गंगा के जलस्तर में और बढ़ोत्तरी दर्ज होने की संभावना है, जिससे तटीय क्षेत्रों में बाढ़ का खतरा और बढ़ सकता है।

कार्यालय नगर पंचायत नवाबगंज, उन्नाव ।

पत्रांक: 180 / न0प0नवा0/2025–26 दिनांक रु– 12.08.2025

ई–निविदा सूचना

नगर पंचायत नवाबगंज, उन्नाव में ई–टेण्डरिंग के अन्तर्गत ठेकेदार / फर्म को सूचित किया जाता है कि 15 वां वित्त आयोग में सामान्य बुनियादी / निर्दिष्ट अनुदान 2024–25 की प्रथम एवं द्वितीय किश्त, राज्य वित्त आयोग तथा वित्तीय वर्ष 2023–24 एवं वित्तीय वर्ष 2024–25 के द्वितीय त्रैमास में 02 प्रतिशत अतिरिक्त स्टाम्प के अन्तर्गत प्राप्त धनराशि से नगर पंचायत नवाबगंज में कार्य कराये जाने हेतु ई–टेण्डर निविदा प्रतिषत दर शुल्क पर आमंत्रित की जाती है। निविदादाता एक या एक से अधिक कार्यो हेतु निविदा डाल सकता है। कार्यो का विवरण आनलाइन http://etender.up.nic.in पर ही डाउनलोड़ व अपलोड किया जायेगा ।

(a)	ई–प्रोक्योरमेन्ट के माध्यम से निविदा प्रकाशन की तिथि	14.08.2025
(b)	वेबसाइट पर आनलाइन निविदा डाउनलोड़ की तिथि	14.08.2025 प्रातः 11:00 बजे
(c)	ई–प्रोक्योरमेन्ट के माध्यम से निविदा डालने की अन्तिम तिथि व समय	05.09.2025 प्रातः 12:00 बजे
(d)	ई–प्रोक्योरमेन्ट के माध्यम से तकनीकी निविदा खोलने की तिथि व समय	05.09.2025 प्रातः 14:00 बजे
(e)	ई–प्रोक्योरमेन्ट के माध्यम से वित्तीय निविदा खोलने की तिथि व समय	तकनीकी निविदा स्वीकृति के उपरान्त
(f)	ई–निविदा खोलने का स्थान	कार्यालय नगर पंचायत नवाबगंज उन्नाव ।

1. निविदा की सम्पूर्ण सेवा शर्ते कार्यालय के किसी भी कार्य दिवस मे प्राप्त की जा सकती है।
2. विस्तृत विवरण हेतु http://etender.up.nic.in को खोलें व निविदा डाउनलोड करें।
नोट– निविदा खोलने की तिथि को अवकाश घोषित होने की दशा में, निविदा अगले कार्य दिवस में खोली जाएगी ।

अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत नवाबगंज, उन्नाव **अध्यक्ष** नगर पंचायत नवाबगंज, उन्नाव

जो व्यक्ति अपने आप को नियंत्रित करता है, वही दूसरों को भी नियंत्रित कर सकता है।

-चाणक्य, नीतिकार-अर्थशास्त्री

आयोग से सहमत अदालत

बिहार में चल रहे मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण पर सुप्रीम कोर्ट में जारी बहस के बीच कोई निर्णायक टिप्पणी करना उचित नहीं होगा। परंतु पहले दिन की बहस के बाद माननीय उच्चतम न्यायालय ने जो स्थापनाएं दीं और जो जनमाध्यमों के जरिए आमजन तक पहुंचीं, उनके किंतु-परंतु पर और ध्वस्त विपक्ष के विकल्पों पर चर्चा आवश्यक है। मतदाता सूची में नाम शामिल करने या हटाने का सर्वाधिकार चुनाव आयोग के पास सुरक्षित है। न्यायालय का यह कहना नितांत न्यायसंगत है, क्योंकि अनुच्छेद 324 और रिप्रजेंटेटिव ऑफ पीपुल्स एक्ट, 1950 की धारा 21(3) के तहत आयोग को मतदाता सूची में संशोधन का पूरा अधिकार प्राप्त है। इससे यह स्पष्ट हो गया कि मतदाता तय करने का अधिकार चुनाव आयोग के पास ही है और विपक्ष का यह दावा कि यह अधिकार उससे छीन लिया गया है, अब निराधार सिद्ध हुआ। आधार, राशन, वोटर, पेंशन आदि कार्डों को नागरिकता का प्रमाण न मानने और इसके लिए अलग पुष्टिकारक दस्तावेज की आवश्यकता की बात भी तर्कसंगत है। संभव है कि अपनी अगली सुनवाई में अदालत ऐसा कोई प्रमाणपत्र तय कर दे जो नागरिकता प्रमाणित करने के लिए पर्याप्त हो। उच्चतम न्यायालय की यह पहल हमें उस शर्म से बचा सकती है कि आज़ादी के इतने वर्षों बाद भी आम नागरिक के पास अपनी नागरिकता प्रमाणित करने का एक पूर्ण और पुख्ता दस्तावेज नहीं है। विपक्ष लगातार यह रट लगाए हुए था कि राज्य चुनाव आयोग द्वारा पहचान प्रमाण के तौर पर मांगे गए अधिकांश दस्तावेज मतदाताओं के पास नहीं हैं। न्यायालय द्वारा 2025 की मतदाता सूची में दर्ज मतदाताओं को यथावत बनाए रखने का विपक्षी तर्क हो या एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स द्वारा दी गई यह दलील कि इस प्रक्रिया के चलते लाखों मतदाताओं को मनमाने ढंग से सूची से बाहर कर दिया जाएगा- अदालत ने इन तर्कों को स्वीकार नहीं किया और मतदाता सूची की गहन संशोधन प्रक्रिया को उचित माना। सभी मानेंगे कि विगत दो दशकों में इस तरह का कोई पुनरीक्षण न होने से मतदाता सूची में विसंगतियां स्वाभाविक हैं। समूचे राज्य की जनांकिकी (डेमोग्राफी) बदल चुकी है। नए मतदाताओं को शामिल करने और मृत अथवा स्थान परिवर्तन या पलायन कर चुके मतदाताओं को हटाने के लिए यह आवश्यक प्रक्रिया है। बेशक चुनाव आयोग की यह पहल उचित और आवश्यक है, परंतु इसकी प्रक्रिया पर उठ रहे प्रश्नों का उत्तर देना आयोग का दायित्व है। उसे चाहिए कि ड्राफ्ट सूची से बाहर किए गए 31 लाख महिला और 25 लाख पुरुष मतदाताओं के विवरण, मृत और पलायन कर चुके मतदाताओं के प्रमाण भी सार्वजनिक करे। यह साक्षात देखा गया है कि जो मतदाता सूची में मृत घोषित थे, वे अदालत में जीवित उपस्थित थे। इससे आयोग यह सिद्ध कर सकेगा कि वह सूची की पूर्णता, सटीकता और निष्पक्षता की कसौटी पर खरा उतरता है।

प्रसंगवश

दही बिलोकर बनाया देसी घी है ज्यादा मुफीद

घी का सेवन भारतीय आहार की विरासत और पोषण के साथ गहराई से जुड़ा हुआ है। शुद्ध घी को लेकर जब बात होती है, तो गाय या भैंस के दूध से बनाई गई दही को मथने से प्राप्त घी की ही होती है। दुधारू पशु को अगर जंगल में चराने के लिए नियमित तौर पर ले जाया जाता है, तब इसका असर दूध की गुणवत्ता, स्वाद, गाढ़ेपन और अंततः घी में मौजूद अनेक तत्वों की मौजूदगी, इसकी पोषणता और इन सभी की मात्रा पर लाजिमी तौर से पड़ता है। यह कहना उचित है कि घी शुद्ध और पौष्टिक तत्वों से भरपूर है। पशु की देखभाल, इसके आहार, नस्ल, आयु, आहार में खिलाई जाने वाली अतिरिक्त खाद्य वस्तुएं घी की संरचना और पौष्टिकता को तय करते हैं। बीमारी के दौरान पशु को दी जाने वाली औषधि और परिवेशी तापमान का भी कुछेक बार दूध और घी की गुणवत्ता पर असर पड़ता है, क्योंकि दवा की सूक्ष्मात्रिक उपस्थिति दूध और घी में बनी रह सकती है।

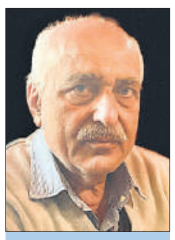

रनबीर सिंह

विज्ञान लेखक

पशु स्रोत से प्राप्त किए गए दूध और इससे बनाए गए खाद्य पदार्थों का इंडस्ट्रियलाइजेशन होने के बाद से फैक्ट्री में निर्मित घी पूरे तौर से शुद्ध होता है या नहीं, इसके बारे में स्थिति संदिग्ध है। बेशक इसकी पैक्ड मार्केटिंग के लिए लेबल पर फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड अथॉरिटी ऑफ इंडिया का लोगो प्रकाशित किया है। प्रोसेसिंग के दौरान इसमें स्वीकृत और अहानिकारक खाद्य तेल को हाइड्रोजीनेट करके मिलावट की जा सकती है। घी बनाने से पहले दूध से कुछ तत्वों को निकाल लिया जाता है। मिल्क प्लांट्स में घी बनाने की प्रक्रिया में दही बनाकर इसे मथा या बिलोया नहीं जाता, बल्कि सेंट्रीफ्यूज प्रोसेस से दूध में से ही मिल्क-फैट को पृथक कर लिया जाता है। तत्पश्चात इसे गर्म करके सॉलिड इंप्योरिटीज को निथार कर निकालने और रासायनिक तौर से जांच करके डिब्बाबंद करके सील लगा दी जाती है। सन् 1972 में एनसी गांगुली और एमके जैन ने संयुक्त रूप से जर्नल ऑफ डेयरी साइंस की वॉल्यूम 56 के प्रथमांक में प्रकाशित किए गए समीक्षा शोध पत्र घीः इट्स केमिस्ट्री, प्रोसेसिंग एंड टेक्नोलॉजी में इस प्रक्रिया को विस्तार से बताया है।

भारत में दो तरह की वैज्ञानिक रीतियों से घी के बारे में, इसके उपयोग और उपभोग के बाद शरीर में इसके असर को समझा जा सकता है। एक रीति है आयुर्वेदाचार्यों की बताई हुई और दूसरी है, आधुनिक रसायन और बायोमेडिकल साइंस की। आयुर्वेदाचार्यों ने घी के बारे में किस तरह से शोध करके इसके गुणों और स्वास्थ्य से इसका संबंध स्थापित किया था, यह जानना दिलचस्प होगा। इसके लिए हमें महर्षि चरक की संहिता के भीतर झांकना होगा। घी, वसा, चर्बी और कोलेस्ट्रॉल चार चिकने पदार्थ हैं। पहली बात तो यह कि घी और अन्य तीन में कौन से पदार्थों की मौजूदगी इसे एक विलक्षण वस्तु बनाती है। महर्षि चरक ने घी को घृत एवं गौ-रस बताया है। महर्षि ने घोड़ी और गधी जैसे एक खुर वाले जंतुओं, हथिनी और गाय, भैंस, ऊंटनी, भेड़-बकरी और मनुष्य मां के दूध की परीक्षा करके इनके गुणों और विशेषताओं पर अन्नपानविधि अध्याय-27 में विस्तार से बताया है।

करनाल स्थित नेशनल डेयरी रिसर्च इंस्टिट्यूट की एनालिसिस के मुताबिक़ दूध से प्राप्त शुद्ध घी की भौतिक-रासायनिक रचना को देखें तो यह ग्लिसराइड्स, मुक्त फैटी एसिड, फॉस्फोलिपिड्स, स्टेरोल्स, स्टेरोल एस्टर, वसा में घुलनशील विटामिन, कार्बोनिल, हाइड्रोकार्बन, कैरोटीनॉयड्स जो कि केवल गाय के दूध से बने घी में होते हैं, कैसिइन की राख की सूक्ष्म मात्रा और कैल्शियम, फास्फोरस और आयरन से बना हुआ एक जटिल लिपिड है। इसमें 0.3 प्रतिशत से अधिक नमी नहीं होती है। ग्लिसराइड्स कुल सामग्री का लगभग 98 प्रतिशत होते हैं। शेष लगभग दो प्रतिशत घटकों में से, स्टेरोल्स या अधिकांशतः कोलेस्ट्रॉल लगभग 0.5 प्रतिशत तक होते हैं। घी में पानी में घुलनशील या हाइड्रोलायिज होने वाले विटामिन ए, डी, ई मौजूद रहते हैं, जो दृष्टि, हड्डियों के स्वास्थ्य, एंटीऑक्सीडेंट सुरक्षा और रक्त के थक्के जमने में सहायक होते हैं।

राष्ट्र गौरव का उत्सव है हर घर तिरंगा अभियान

योगेश कुमार गोयल

वरिष्ठ पत्रकार

भारत के राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे की शान और उसकी महिमा केवल कपड़े के तीन रंगों में नहीं बल्कि करोड़ों भारतीयों की भावनाओं, सपनों और बलिदानों में बसी हुई है। तिरंगा केवल तीन रंगों और एक चक्र संयोजन नहीं, भारत की आत्मा, पहचान और गौरव का प्रतीक है। यह केवल एक ध्वज नहीं, स्वतंत्रता, एकता और राष्ट्रीय गर्व का जीवंत प्रतीक है। इसमें वह शक्ति है, जो देश के हर नागरिक को एकता के सूत्र में बांध सकती है। केसरिया रंग त्याग और साहस, सफेद रंग शांति और सत्य, तथा हरा रंग समृद्धि और विकास का संदेश देता है। अशोक चक्र न्याय, प्रगति और निरंतर गतिशीलता का प्रतीक है। 'हर घर तिरंगा' पहल आज केवल एक सरकारी अभियान नहीं है बल्कि यह एक विशाल जन आंदोलन में बदल चुका है, जिसने देश के कोने-कोने में देश भक्ति की ऐसी लहर पैदा कर दी है, जिसकी गूंज हर दिल में सुनाई देती है। वर्ष 2022 में जब 'हर घर तिरंगा' अभियान की शुरुआत हुई थी, तब शायद ही किसी ने सोचा होगा कि यह एक विशाल जनांदोलन का रूप ले लेगा। इस वर्ष इस पहल का चौथा संस्करण दो अगस्त से शुरू होकर 15 अगस्त तक पूरे देश में जोश और उल्लास के साथ मनाया जा रहा है।

अभियान की शुरुआत और उद्देश्य

वर्ष 2022 में भारत जब अपनी स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूरे कर रहा था, केंद्र सरकार ने 'आजादी का अमृत महोत्सव' के तहत एक अनोखी पहल की थी 'हर घर तिरंगा'। इस पहल का उद्देश्य केवल ध्वज फहराना भर नहीं था, बल्कि हर नागरिक को अपने राष्ट्रीय ध्वज से एक व्यक्तिगत और भावनात्मक जुड़ाव महसूस कराना था। उससे पहले तिरंगा केवल सरकारी भवनों, स्कूलों या विशेष अवसरों पर ही फहराया जाता था। आम नागरिकों के घरों में इसे फहराना उतना प्रचलित नहीं था, लेकिन इस अभियान ने इसे जन-जन तक पहुंचाया और लोगों को अहसास दिलाया कि तिरंगा केवल सरकारी पहचान नहीं बल्कि हम सबकी पहचान है। वर्ष 2022 में 'भारतीय ध्वज संहिता 2002' में भी ऐतिहासिक संशोधन किए गए, जिससे तिरंगे को दिन के साथ-साथ रात में भी पर्याप्त रोशनी में फहराने की अनुमति मिली। पहले नियम था कि तिरंगा केवल सूर्योदय से सूर्यास्त तक ही फहराया जा सकता है, लेकिन 20 जुलाई 2022 के संशोधन के बाद, अब इसे रात में भी फहराया जा सकता है, बशर्ते यह खुले स्थान पर पर्याप्त रोशनी में हो। साथ ही, हाथ से काते या बुने हुए कपड़े के अलावा मशीन से बने कपास, पॉलिएस्टर, ऊन, रेशम और खादी के झंडे को भी अनुमति दी गई।

'हर घर तिरंगा' पहल चौथे संस्करण में प्रवेश कर चुकी है। यह केवल ध्वज फहराने का अभियान नहीं बल्कि राष्ट्रीय गौरव का जनआंदोलन है।

अभियान का विस्तार और रिकॉर्ड

2022 का अभियान अभूतपूर्व रहा। संस्कृति मंत्रालय के अनुसार, 23 करोड़ से अधिक परिवारों ने उस वर्ष अपने घरों में तिरंगा फहराया। लगभग 6 करोड़ लोगों ने 'हर घर तिरंगा' वेबसाइट पर अपनी 'सेल्फी विद तिरंगा' अपलोड की थी। डाक विभाग ने इस अभियान को अंतिम छोर तक पहुंचाने के लिए विशेष प्रयास किए, ताकि देश के सबसे सुदूर और दुर्गम क्षेत्रों में भी राष्ट्रीय ध्वज उपलब्ध हो सके। 2023 में यह अभियान और व्यापक हुआ। उस वर्ष 10 करोड़ से अधिक तिरंगा सेल्फी अपलोड की गई। यही नहीं, चंडीगढ़ में 5,885 लोगों की भागीदारी के साथ राष्ट्रीय ध्वज लहराते हुए 'दुनिया की सबसे बड़ी मानव श्रृंखला' का गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड भी बनाया गया। यह न केवल अभियान की सफलता थी, बल्कि दुनिया को यह संदेश भी था कि भारत का राष्ट्रीय ध्वज करोड़ों दिलों को एक सूत्र में बांध सकता है। 2024 में भी यह उत्साह बरकरार रहा। पांच करोड़ से अधिक लोगों ने अपनी 'सेल्फी विद तिरंगा' वेबसाइट पर साझा की। अब 2025 में यह अभियान अपने चौथे संस्करण में प्रवेश कर चुका है, जो दो अगस्त से 15 अगस्त तक चल रहा है। संस्कृति मंत्रालय ने इस वर्ष भी नागरिकों से अपील की है कि वे तिरंगा स्वयंसेवक बनकर अधिक से अधिक लोगों को जोड़ें। उन्हें अपने घरों में तिरंगा फहराने के लिए प्रेरित करें और देशभक्ति की भावना को नई ऊंचाईयों तक पहुंचाएं।

एक राष्ट्र, एक राष्ट्रगान, एक झंडा

'हर घर तिरंगा' केवल ध्वज फहराने का कार्यक्रम नहीं है, बल्कि यह 'एक राष्ट्रगान, एक झंडा और एक राष्ट्र' की भावना का विस्तार है। यह हमें याद दिलाता है कि भले ही हम अलग-अलग भाषाएं बोलते हों, अलग-अलग संस्कृतियों में जीते हों, लेकिन हमारा राष्ट्रीय ध्वज हमें एकता के सूत्र में पिरोता है। इस वर्ष का अभियान 'हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता' स्वतंत्रता और स्वच्छता के इस संगम को जीवंत करता है, जहां तिरंगा राष्ट्रीय गर्व का प्रतीक है और स्वच्छता हमारे जीवन मूल्यों और संस्कारों का दर्पण। यह केवल सरकारी अभियान नहीं बल्कि प्रत्येक नागरिक का व्यक्तिगत संकल्प है कि हम न सिर्फ अपने घर, मोहल्ले और देश को स्वच्छ रखें, ताकि आने वाली पीढ़ियां भी गर्व से इस धरा पर जीवन जी सकें। स्वच्छ वातावरण में लहराता तिरंगा न केवल स्वतंत्रता का संदेश देगा बल्कि यह भी जताएगा कि हमने आजादी के साथ जिम्मेदारी निभाना भी सीखा है।

सम्मान व मर्यादा का संहिता-पत्र

राष्ट्रीय ध्वज के महत्व को समझना उतना ही आवश्यक है, जितना उसे फहराना। 'भारतीय ध्वज संहिता 2002' राष्ट्रीय ध्वज से संबंधित सभी कानूनों, परंपराओं और दिशा-निर्देशों का संकलन है। तिरंगे को हमेशा सम्मान के साथ प्रदर्शित किया जाना चाहिए। क्षतिग्रस्त या मैला झंडा फहराना अपमानजनक है। इसे किसी भी अन्य ध्वज के साथ एक ही मस्तूल पर नहीं फहराया जा सकता, न ही इसे उल्टा प्रदर्शित किया जा सकता है। राष्ट्रीय ध्वज का उपयोग सजावट, परिधान, वस्त्र या किसी वस्तु को ढकने के लिए नहीं किया जा सकता। यह जमीन, पानी या फर्श को स्पर्श नहीं करना चाहिए।

आमने सामने

विजन पांच साल का होना चाहिए, लेकिन आपने 22 साल आगे का विजन रखा है। यह वोट बैंक के लिए लॉलीपॉप है। भविष्य की बातें बाद में होंगी पहले अतीत का हिसाब होना चाहिए था।

– शिवपाल सिंह यादव

सपा नेता

पूर्व की सरकारों में सड़कों का बुरा हाल था। कानून-व्यवस्था की स्थिति बेहद खराब थी। बिजली की हालत क्या थी, ये भी सब जानते हैं, लेकिन मौजूदा सरकार ने इन व्यवस्थाओं को दुरुस्त किया है।

– ब्रजेश पाठक

उप मुख्यमंत्री, यूपी

युद्ध की तैयारी और कुछ वाजिब चिंताएं

अमित नारायन

लेखक

'अगला युद्ध जिसकी हम कल्पना कर रहे हैं, वह जल्दी ही हो सकता है। हमें इसके मुताबिक तैयारी करनी होगी और इस बार मिलकर यह लड़ाई लड़नी होगी।' थल सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने अगर पाकिस्तान के संदर्भ में चेतावनी भरी यह आशंका प्रकट की है, तो निश्चित रूप से इसके पीछे वह ठोस जमीनी कारण होंगे, जिनसे भारतीय सेना परिचित है। थलसेना प्रमुख ने जिस तरह ऑपरेशन सिंदूर को किसी भी पारंपरिक मिशन से अलग, शतरंज की बाजी जैसा नई रणनीति वाला संघर्ष बताकर आगे के लिए मिलकर लड़ने और मजबूत नैरेटिव मैनेजमेंट के साथ तैयार रहने पर जोर दिया है, वह वास्तव में समय की जरूरत है। किसी भी युद्ध में सेना के तीनों अंगों का समन्वय सबसे अहम रणनीति होती है।

सेना प्रमुख की मिलकर लड़ने की बात इसी परिप्रेक्ष्य में आई है। शायद इसकी वजह यह हो सकती है कि भारतीय सेना का जो आधुनिकीकरण हो रहा है, वह अभी उतना समन्वित नहीं है, जितनी भविष्य की जरूरत है। इसके लिए इंटीग्रेटेड थिएटर कमान की योजना को तेजी से ऑपरेशनल बनाने की आवश्यकता है। इसी तरह सेना प्रमुख अगर यह कह रहे हैं कि ऑपरेशन सिंदूर से जिस चीज को हमने बड़े पैमाने पर समझा वह नैरेटिव मैनेजमेंट रहा, तो भविष्य की तैयारियों में इसका भी खास ख्याल रखना जरूरी है, क्योंकि सेना प्रमुख का यह कहना बेमानी नहीं है कि जीत दिमाग में होती है और हमेशा दिमाग में रहती है। इसमें दो राय नहीं कि भारत-पाकिस्तान के बीच तीन माह पहले हुआ चार दिन का सैन्य संघर्ष पिछले युद्धों से हटकर था। इसमें तमाम मानदंड भी टूटे। बड़े पैमाने पर नए उपकरण जुटाए गए। थल सेना की ज्यादा भूमिका नहीं थी। दुश्मन के इलाके में प्रवेश तो दूर, हवाई क्षेत्र में भी किसी मानव युक्त विमान के प्रवेश का कोई सबूत सामने नहीं आया। सारी लड़ाई मिसाइलों और ड्रोन से लड़ी गई, जिसमें ड्रोन पसंदीदा हथियार के रूप में उभरे। इससे सबक लेते हुए भविष्य के युद्ध की तैयारी के लिए थल सेना ने अपने विभिन्न अंगों के लिए विशेष ड्रोन बटालियन तैयार करने का फैसला लेकर सही कदम उठाया है।

थल सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी का बयान अहम है। उन्होंने कहा है, 'युद्ध की हमें तैयारी रखनी होगी।' यकीनन भारतीय सेना का आधुनिकीकरण हो रहा है। उसे और समन्वित करने की जरूरत है।

वैसे भी दुनिया भर में पिछले दिनों जहां भी युद्ध हुए हैं, या जारी हैं, सभी जगह ड्रोन का बड़े पैमाने और प्रभावी ढंग से इस्तेमाल देखा जा रहा है। इसका बड़ा कारण ड्रोन का आमतौर पर सस्ता होना और दुश्मन के अरबों रुपये के आधुनिक टैंकों या विमानों को नष्ट करने की क्षमता से लैस होना है। पहले पैदल फौज के बीच आमने-सामने की लड़ाई हुआ करती थी, लेकिन अब यह काम मशीनों को सौंप दिया गया है।

हाईटेक ड्रोन वॉरफेयर के साथ कंप्यूटर से कंट्रोल होने वाले बिना पायलट वाले लड़ाकू विमान बन रहे हैं। पायलट से टारगेट को निशाना बनाने में चूक हो सकती है, लेकिन मशीनों से गलती की संभावना कम ही होती है। जाहिर है कि भविष्य के युद्ध में आदमी की कम मशीनों की जरूरत ज्यादा होगी। इस परिदृश्य में जबकि ऑपरेशन सिंदूर के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक नया सैन्य सिद्धांत प्रतिपादित कर चुके हैं कि भारत अब आतंकवाद का जवाब अपनी शर्तों पर देगा। परमाणु ब्लैकमेल से नहीं डरेगा और आतंकवाद को प्रायोजित करने वाली सरकार तथा मास्टरमाइंड में कोई अंतर नहीं करेगा। पाकिस्तान का ट्रैक रिकार्ड देखते हुए युद्ध के लिए तैयार रहना ही पड़ेगा और इसके लिए आधुनिक टेक्नोलॉजी अपनाने के साथ उस पर कंट्रोल स्थापित करने से ही जीत मिलेगी।

सामयिकी

आक्रामक होते कुत्ते और खतरनाक बनता रैबीज

आवारा कुत्ते और आवारा पशु विशेषकर शहरों में आमजन के लिए बड़ी समस्या हैं। 11 अगस्त 2025 को सुप्रीम कोर्ट ने आवारा कुत्तों के आतंक और रेबीज (कुत्ते के काटने से होने वाली बीमारी) से लोगों की मौत को गंभीर मानते हुए एक सख्त आदेश जारी किया है। आदेश के मुताबिक राजधानी दिल्ली में सभी आवारा कुत्तों को आबादी वाले क्षेत्रों से हटाकर आठ सप्ताह में शेल्टर में भेजा जाए। कोर्ट ने कहा है कि यदि कोई व्यक्ति या संगठन इस प्रक्रिया का विरोध करता है, तो उसके खिलाफ अवमानना की कार्रवाई होगी। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि राजस्थान हाईकोर्ट ने भी एक अलग आदेश में प्रदेश में कुत्तों और आवारा पशुओं को सड़क से हटाने के निर्देश दिए हैं। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद यह उम्मीद जताई जा सकती है कि मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ सहित देश के अन्य राज्यों में भी आवारा कुत्तों के काटने की घटनाओं को देखते हुए ऐसे ही कदम उठाए जाएंगे। सुप्रीम कोर्ट और राजस्थान हाईकोर्ट के फैसलों से आम आदमी को राहत मिल सकेगी। सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की बेंच ने आवारा कुत्तों द्वारा बच्चों पर हमला करने से संबंधित एक समाचार पर स्वतः संज्ञान लेते हुए दर्ज याचिका की सुनवाई कर दिल्ली के बारे में निर्देश जारी किए। बेंच ने कहा कि इस मामले में कोई नरमी नहीं बरती जाएगी और इसका तत्काल पालना होना चाहिए।

सुनील कुमार महला

लेखक

आए दिन आवारा कुत्तों के काटने, घायल करने की खबरें पढ़ने सुनने को मिलती रहती हैं। रेबीज वायरस से होने वाली एक बहुत ही खतरनाक बीमारी है, जो कुत्तों, बिल्लियों, बंदरों के काटने से हो सकती है। यदि रेबीज का समय पर इलाज न किया जाए तो यह जानलेवा हो सकती है। दरअसल, यह एक वायरल संक्रमण है, जो मस्तिष्क और रीढ़ की हड्डी को प्रभावित करता है। यह आमतौर पर संक्रमित जानवर के काटने या खरोंचने से फैलता है। बेंच ने निर्देश दिया है कि कुत्तों के लिए शेल्टर बनाए जाएं और आठ सप्ताह में बुनियादी ढांचे के निर्माण की रिपोर्ट दी जाए। इतना ही नहीं, इस संबंध में, शेल्टर में कुत्तों की नसबंदी और टीकाकरण के लिए पर्याप्त कर्मचारी होने की बात भी कही गई है। गौरतलब है कि बेंच ने सुनवाई के दौरान डॉग लवर्स को कड़ी फटकार लगाई है। पीपल फॉर एनिमल की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ लूथरा ने इस संबंध में अपना तर्क रखना चाहा, तो जस्टिस पारदीवाला ने कहा कि लोगों में यह भरोसा होना चाहिए कि वे कुत्तों के डर के बिना कहीं भी आजाद होकर घूम सकते हैं। कोर्ट ने यहां तक कहा है कि किसी भी इलाके में एक भी आवारा कुत्ता घूमता हुआ नहीं दिखना चाहिए और इस संबंध में एक सप्ताह में हेल्पलाइन बननी चाहिए तथा चार घंटे में कुत्ते पकड़ने की कार्रवाई होनी चाहिए।

अच्छी बात यह है कि सुप्रीम कोर्ट ने व्यापक जनहित में इस मामले में किसी भी हस्तक्षेप आवेदन को स्वीकार नहीं करने की बात भी कही है। कोर्ट ने यहां तक कहा है कि क्या तथाकथित पशु प्रेमी, उन बच्चों को वापस ला पाएंगे जिनकी रेबीज की वजह से जान चली गई? केंद्रीय मंत्री एसपी सिंह बघेल ने बीती 22 जुलाई को ही संसद में बताया था कि पिछले वर्ष देश में कुत्ते के काटने के कुल मामलों की संख्या 37,17,336 थी, जबकि संदेहास्पद मानव रेबीज से मौतें 54 थीं। दिल्ली एमसीडी के आंकड़ों के अनुसार, इस साल अब तक राष्ट्रीय राजधानी में रेबीज के कुल 49 मामले सामने आए हैं। जस्टिस पारदीवाला ने कुत्तों की नसबंदी और उसी इलाके में उन्हें वापस छोड़ने की नगर निगमों की कार्रवाई पर भी सवाल उठाए हैं। कोर्ट ने इसे बेतुका और अनुचित नियम बताया है कि आवारा कुत्तों की नसबंदी कर उन्हें उसी इलाके में छोड़ दिया जाता है। कोर्ट ने इस संबंध में यह साफ कहा है कि इसका कोई मतलब या औचित्य नहीं है।

सोशल फोरम

इतिहास की गाथा समेटे गुफा

12 सितंबर, 1940 का दिन था। फ्रांस के दक्षिण-पश्चिमी हिस्से में मार्सेल रविदात नामक एक किशोर अपने पालतू कुत्ते के साथ घूम रहा था। यकायक कुत्ता भूमि में बने एक गड्ढे में गिर पड़ा। मार्सेल ने गड्ढे का जायजा लिया तो उसे प्रतीत हुआ कि यह तो एक विशालकाय गुफा का सिरा है। मार्सेल अपने तीन दोस्तों के साथ वापस इस गुफा का अन्वेषण करने उतरा। यहां एक महान आश्चर्य उन सभी की प्रतीक्षा कर रहा था। इस गुफा की दीवारों पर प्रागैतिहासिक काल के सैकड़ों मंत्रमुग्ध कर देने वाले चित्र मौजूद थे, जिन्होंने उन बच्चों को सम्मोहित कर दिया था। इस तरह चार किशोर बच्चों ने 'लेस्को की गुफाएं' ढूंढ निकालीं, जो 20 हजार वर्ष पहले हमारे पूर्वजों का आशियाना हुआ करती थीं। पूरे विश्व में ऐसी तमाम गुफाएं और कलाकृतियां पाई गईं हैं, भारत में भी। कुछ कलाकृतियों की डेटिंग में तो पांच हजार साल तक का अंतर है। न जाने कितनी पीढ़ियां गुजर गईं इन अंधेरी गुफाओं में सांस लेते हुए। कितने चित्र बनाए गए। क्या कहते हैं ये चित्र- अमुक पशु से सावधान? अथवा अमुक पशु शिकार है? हम नहीं जानते। भूत से वर्तमान का पुल टूट चुका है, पर स्मृतियां दीवार पर अंकित हैं- मानों अमर हो चुकी कोई प्रेतस्मृति- किसी के अस्तित्व की अनुगूंज, जो अमर हो गई। तमाम हस्तचित्र भी इन गुफाओं में अंकित हैं। कुछ हाथों में कई ऊंगलियां गायब हैं- शीतयुग में जब अधिकांश पृथ्वी कई किलोमीटर बर्फ की मोटी चादर में दफन थी, तो शीतदंश से अंगभंग होना स्वाभाविक था। दीवार पर जीवन की जिजीविषा अंकित है, जो कहती है कि जीवन तब एक संग्राम था। दिन भोजन के संघर्ष में बीता, रातें खूंखार पशुओं की आहट से आतंक में डूबी रहीं। संघर्ष तमाम थे, पर फिर भी- उनके पास दीवारों पर ये लकीरें अंकित करने का समय था- अपनी भावी पीढ़ियों को सचेत और शिक्षित करने हेतु- ताकि ये प्रजाति सुरक्षित रहे, हम सुरक्षित रहें।

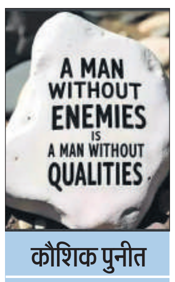

कौशिक पुनीत

ब्लॉगर

इस गुफा की खोज तब हुई, जब युधोन्माद चरम पर था। महाविनाशकारी अस्त्रों से शहर के शहर जमींदोज किए जा रहे थे। न मालूम कितने पूर्वजों के संघर्ष, खून, पसीने से तिनका-तिनका जोड़ कर खड़ी हुई इस सभ्यता को नष्ट करने के तमाम उद्यम किए जा रहे थे। तब ये जानना कम सुखद नहीं कि मार्सेल रविदात नामक वो किशोर अपने दोस्तों के साथ साल भर इस गुफा के सामने धरना देता रहा, ताकि इस गुफा को कोई नुकसान न पहुंचे। शायद उस अबोध किशोर तक को यह मालूम था कि अगर इस संसार में बचाने योग्य अगर कुछ है- तो वह क्या है। संसार को नष्ट करने की ठान लें तो तमाम कारण मिलेंगे। बचाने के लिए सिर्फ इतना जानना ही पर्याप्त है कि हम कौन हैं? कहां से आए हैं? और यहां तक पहुंचने के लिए हमनें कितना संघर्ष किया है?

-फेसबुक वाल से

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर, इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 117/एल/320-ए, नवीन नगर काकादेव, कानपुर नगर 208001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- दिग्विजय सिंह* 0512-2548300 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/85730 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर होगा)।

स्मार्ट सिंचाई और उच्च एथेनॉल रिकवरी बीज जैसी आधुनिक तकनीकों से मजबूत किया खाद्य सुरक्षा चक्र

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय ने गेहूं की ऐसी किस्में दीं, जो तेज गर्मी और कम पानी में भी लहलहातीं

जलवायु परिवर्तन के दौर में भी भरी अन्नदाता की झोली

जलवायु परिवर्तन (क्लाइमेंट चेंज) का देश में खाद्य उत्पादन पर देखे जा रहे असर के बीच अगर गेहूं का उत्पादन लगातार बढ़ रहा है, तो इसका काफी कुछ श्रेय कानपुर के चंद्रशेखर आजाद (सीएसए) कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय को जाता है। संस्थान ने बीते दो दशक में गेहूं की कई ऐसी किस्में किसानों को उपलब्ध कराई हैं, जो तेज गर्मी सहने के साथ कम पानी में भरपूर फसल दे रही हैं। विश्वविद्यालय में जलवायु परिवर्तन में भी फसलों के अधिक उत्पादन के लिए लगातार अनुसंधान चल रहे हैं। वैज्ञानिकों ने गेहूं, तिलहन की कई ऐसी नई प्रजातियां विकसित की हैं, जो जलवायु परिवर्तन और विभिन्न कीट व बीमारियों से भी सुरक्षित रहती है। दरअसल, यहां के कृषि वैज्ञानिकों ने करीब तीन दशक पहले ही इस बात का अनुमान लगा लिया था कि भविष्य में कृषि उत्पादन पर बदलते मौसम का काफी असर पड़ सकता है। ऐसे में क्लाइमेट की बाधा से पार पाते हुए देश को खाद्य सुरक्षा चक्र प्रदान करने के लिए उन्होंने विभिन्न स्तरों पर प्रयास किए। जलवायु परिवर्तन के अनुकूल, स्मार्ट सिंचाई तकनीक, और उच्च एथेनॉल रिकवरी बीज जैसी आधुनिक तकनीकों को बढ़ावा दिया गया। यहां अनाज, दलहन, तिलहन, और सब्जियों की 200 से अधिक उन्नत किस्मों के ऐसे बीज विकसित किए गए हैं, जो किसानों की उपज बढ़ाने के साथ रोग प्रतिरोधी भी हैं। इसी के साथ विश्वविद्यालय किसानों को वैज्ञानिक खेती के तरीके भी बता रहा है। मक्का और मशरूम की खेती इसका बड़ा उदाहरण हैं।

ऊसर जमीन पर सिर्फ 125 दिन में तैयार हो जाती फसल

ऊसर जमीन (लवणीय व क्षारीय भूमि) पर कम उत्पादन से परेशान किसानों के लिए सीएसए के वैज्ञानिकों ने गेहूं की नई प्रजाति विकसित की है। यह न सिर्फ ज्यादा उत्पादन देती है, बल्कि कीट व रोगों से होने वाले नुकसान से भी सुरक्षित रखती है। इस नई प्रजाति का नाम के-2010 रखा गया है। यह लखनऊ, अलीगढ़, आगरा, प्रयागराज और कानपुर मंडल के किसानों के लिए काफी लाभदायक है। किसानों को इसके बीज जल्दी ही मिलने शुरू हो जाएंगे। इससे करीब 4.5 लाख हेक्टेयर में खेती करने वाले किसानों को सहूलियत होगी। यह प्रजाति सिर्फ 125 दिन में ही पक कर तैयार हो जाती है।

गेहूं पर शोध के मामले में देश का पुराना संस्थान

संस्थान की पहचान गेहूं पर शोध के मामले में देश के सबसे पुराने संस्थानों की है। साल 2002 में यहां सबसे पहले गेहूं की के-7903 (हलना) किस्म किसानों को उपलब्ध कराई गई थी। इस प्रजाति में तेज गर्मी में गेहूं के पौधे के फलने-फूलने में भी कोई दिक्कत नहीं होती है। देरी से बोआई करने पर भी उत्पादन कम नहीं होता है। 2005 में विकसित की गई के-9423 (उन्नत हलना) में भी ज्यादा तापमान सहने की काफी क्षमता थी।

छात्रों को जॉब सीकर नहीं प्रोवाइडर बनाने का प्रयास

- वर्तमान में यहां 47 प्रोग्राम संचालित हैं। इनमें एमएससी, पीएचडी व स्नातक स्तर के 2200 से अधिक छात्र-छात्राएं पढ़ाई कर रहे हैं। नए सत्र से सभी डिग्री प्रोग्राम में कुछ ऐसे मॉड्यूल लागू किए जा रहे हैं, जिससे छात्र अपनी पढ़ाई पूरी करते ही जॉब हासिल करने के साथ अपना व्यवसाय भी शुरू कर सकेंगे। संस्थान की कोशिश छात्रों को जॉब सीकर न बनाकर जॉब प्रोवाइडर जैसा बनाने की है। विश्वविद्यालय में छात्र-छात्राओं के लिए नए पाठ्यक्रम शुरू किए गए हैं। इनमें मार्केटिंग इंटेलीजेंस, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, कम्युनिकेशन स्किल, पर्सनालिटी डेवलपमेंट, एंटरप्रेन्योरियल डेवलपमेंट, एग्रीकल्चर इंफ्रामेटिक्स जैसे कोर्स शामिल हैं।

देश में चौथा और प्रदेश में पहला स्थान हासिल

हाल ही में राज्यों के आधार पर जारी आईआईआरएफ रैंकिंग 2025 में चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) ने देश भर के कृषि विश्वविद्यालयों की सूची में चौथा और उत्तर प्रदेश में पहला स्थान हासिल किया है। इस रैंकिंग में देश के सभी राज्य विश्वविद्यालय को शामिल किया गया था।

यूपी-कैटेट से एडमिशन

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए), कानपुर में यूपी-कैटेट से एडमिशन होते हैं। इस बार प्रदेश के पांच कृषि विश्वविद्यालयों में 3524 सीटों पर प्रवेश परीक्षा का आयोजन सीएसए ने ही किया था। सीएसए में बीएससी (ऑनर्स) कृषि में 150 तथा बीएससी कृषि में 526 सीटें हैं। कृषि स्नातकोत्तर में 219 तथा कृषि-व्यवसाय एमबीए में 60 सीटें हैं। संस्थान में पीएचडी की 29 सीटें बढ़ाई गई हैं।

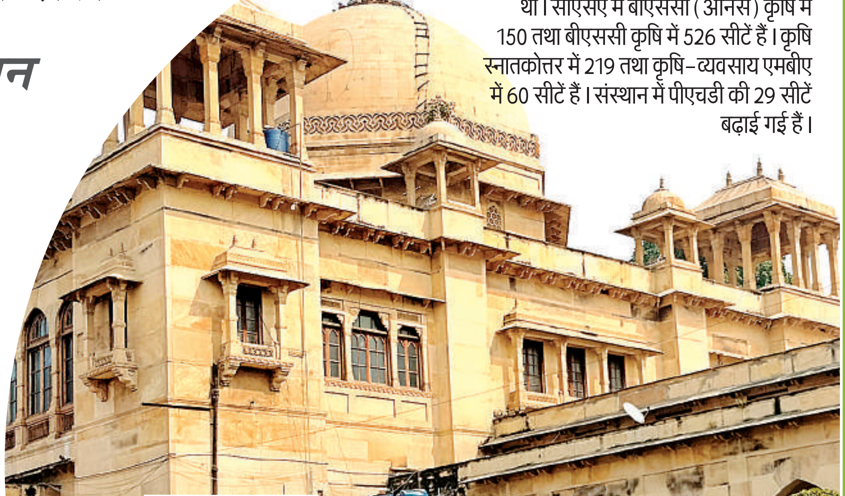

लेखक : लालजी बाजपेयी

शार्टकट नहीं स्टार्टअप

सक्सेस स्टोरी

● आईआईटी कानपुर से स्नातक हर्ष ने बड़े पैकेज की नौकरी छोड़कर खड़ा किया स्टार्टअप

अपना स्टार्टअप शुरू करने के लिए आईआईटी कानपुर से स्नातक और बेंगलुरु स्थित ओकेक्रेडिट के सह-संस्थापक हर्ष पोखरना ने बड़े पैकेज वाली नौकरी छोड़ दी। ऐसा करना अनेक युवाओं का सपना होता है, लेकिन इसे हकीकत में बदलना चुनौतीपूर्ण होता है।

पोखरना ने फ्लिपकार्ट की नौकरी 'जल्दी से ढेर सारा पैसा कमाने' की महत्वाकांक्षा के साथ छोड़ दी। उन्हें स्टार्टअप संस्थापकों से भारी फंडिंग मिलने की संभावना थी। शुरुआती साल उनकी उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे । तीन अलग-अलग व्यावसायिक विचारों के साथ प्रयोग करने के बावजूद, कोई भी सफल नहीं हुआ। वे आर्थिक तंगी में आ गए। अपनी बचत खत्म होने के बाद, उन्होंने खुद को चलाने के लिए फ्रीलांसिंग का रुख किया और साथ ही संभावित उद्यमों पर काम करना जारी रखा।पोखरना ने ओकेक्रेडिट की सह-स्थापना की। उनके अनुभवों ने उन्हें सिखाया कि स्टार्टअप की सफलता में समय लगता है। उनके अनुसार यह एक दीर्घकालिक खेल है, कोई जल्दी अमीर बनने की योजना नहीं।अगर आप किसी वास्तविक समस्या के समाधान के बजाय सिर्फ़ पैसे के लिए इसमें लगे रहेंगे, तो निराशा हाथ लगेगी। मैं पहले दो सालों में तीन बार असफल हुआ। पैसे खत्म होने के बाद, मुझे गुज़ारा चलाने के लिए फ्रीलांसिंग करनी पड़ी। ओकेक्रेडिट को खड़ा करने के बाद भी, अभी बहुत लंबा सफ़र तय करना बाकी है।स्टार्टअप तुरंत सफलता की गारंटी नहीं देते। यह धन प्राप्ति का शॉर्टकट नहीं बल्कि एक दीर्घकालिक प्रतिबद्धता है।

लेखक : राजीव सिंह, काउंसलर

काम की बात

इग्नू ने लॉन्च किए छह नए करियर कोर्स

- इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) ने छह नए बेहतरीन कोर्स लॉन्च किए हैं। ये कोर्स युवाओं के लिए बेहतरीन करियर ऑप्शन हैं। इनमें बीए होम साइंस, हेल्थ केयर वेस्ट मैनेजमेंट सर्टिफिकेट कोर्स, नर्स मैनेजमेंट में सर्टिफिकेट और पीजी डिप्लोमा इन ट्राइबल स्टडीज शामिल हैं। इन कोर्स में एडमिशन लेने के लिए एप्लीकेशन फॉर्म ऑफिशियल वेबसाइट ignouadmission.samarth.edu.in पर भरे जा सकते हैं।

रेडियो के जरिए बच्चों को पढ़ाएगा सीबीएसई

- सीबीएसई जल्दी ही अपना कम्युनिटी रेडियो स्टेशन लॉन्च करने जा रहा है। बोर्ड की गवर्निंग बॉडी ने इस प्रस्ताव को हरी झंडी दे दी है। अब अगले छह माह के भीतर एक्सपर्ट्स के साथ इस विषय पर कई बैठकें की जाएंगी। इसी आधार पर कम्युनिटी रेडियो लाइसेंस के लिए आवेदन करने के साथ तय किया जाएगा कि किन-किन विषयों पर रेडियो कार्यक्रम तैयार किए जाएं, जिनसे बच्चों को पढ़ाई में मदद मिल सके।

डीयू में बीकॉम ऑनर्स रहा छात्रों की पहली पसंद

- दिल्ली यूनिवर्सिटी (डीयू) में पढ़ना हर छात्र का सपना होता है। यहां दाखिले की प्रक्रिया अब पूरी होने जा रही है। डीयू में आवेदनों से यह भी तय होता है कि छात्र-छात्राओं का रुझान किस विषय और पढ़ाई की तरफ है। इस बार ऑनर्स में सबसे ज्यादा 48,336 छात्रों ने बीकॉम (ऑनर्स) के लिए आवेदन किया था। दूसरे नंबर पर बीए (ऑनर्स) पॉलिटिकल साइंस के लिए 15,295 और तीसरे पर बीएससी (ऑनर्स) जीव विज्ञान के लिए 12,722 आवेदन प्राप्त हुए। टॉप बीए कोर्स में बीए (हिस्ट्री व पॉलिटिकल साइंस) के लिए 7,60,233, बीए (इकोनॉमिक्स व पॉलिटिकल साइंस) के लिए 3,88,407, बीए (इंग्लिश व इकोनॉमिक्स) के लिए 3,49,367 छात्रों ने आवेदन किया था।

नई किताबें

हिमालय में 13 महीने

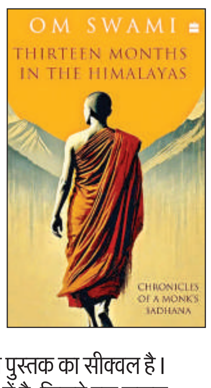

- हिमालय हमेशा से देवत्व, आध्यात्मिकता और तप का प्रतीक होने के कारण लोगों को आकर्षित करता रहा है। हिमालय की तलहटी में रहने वाले आध्यात्मिक गुरु ओम स्वामी भौतिक दुनिया से विरक्ति से पहले सफल उद्यमी रहे हैं। उनकी अंग्रेजी में लिखी पुस्तक 'Thirteen Months In The Himalayas' एक साधु के रूप में हिमालय में उनके 13 महीने के अनुभव का वर्णन करती है। यह पुस्तक उनकी पिछली पुस्तक का सीक्वल है। पुस्तक एक युवा भिक्षु के बारे में है, जिसने एक सफल व्यापारिक साम्राज्य त्याग दिया और आत्म-साक्षात्कार की तलाश में हिमालय लौट आया। 13 महीनों के दौरान, वह गहन ध्यान में डूबा रहा, और उसने आध्यात्मिक साधनाओं और मंत्र योग का अनुभव किया।

लेखक : ओम स्वामी
प्रकाशक : हार्पर कॉलिन्स पब्लिशर्स, इंडिया।
कीमत : 323 रुपये, अमेजन पर उपलब्ध

लॉजिकल रीजनिंग फार कैट

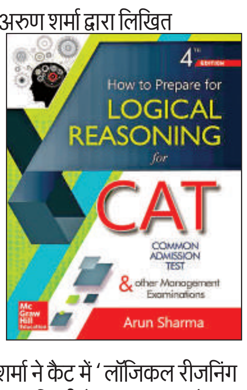

- कैट की तैयारी के लिए अरुण शर्मा द्वारा लिखित लॉजिकल रीजनिंग पर आधारित पुस्तक का नवीनतम संस्करण छात्र-छात्राओं के लिए बहुपयोगी है। पुस्तक में पिछले वर्षों के हल किए गए कैट के पेपर भी शामिल किए गए हैं। आईआईएम बेंगलुरु के 1995 बैच के छात्र रहे अरुण शर्मा ने कैट में 'लॉजिकल रीजनिंग की तैयारी कैसे करें' पुस्तक लिखी है। वह लगातार कैट देते रहे हैं और कई वर्षों से 100 या 99.99 फीसदी अंकों के साथ परीक्षा पास भी करते रहे हैं। अरुण शर्मा प्रमुख कैट कोचिंग संस्थान, माइंडवर्कज के संस्थापक हैं। पुस्तक - How to prepare for LOGICAL REASONING for CAT

लेखक - अरुण शर्मा
प्रकाशक – मैकग्रा हिल एजूकेशन
कीमत : 885 रुपये (रुपये 618 अमेजन व फ्लिपकार्ट पर)

पढ़ाई के साथ कमाई भी, जरा जल्दी करें अप्लाई

केंद्र सरकार ने पीएम इंटर्नशिप स्कीम 2.0 लॉन्च करने की तैयारी पूरी कर ली है। देश की टॉप कंपनियां अगस्त के अंतिम सप्ताह से इस योजना के दूसरे चरण की शुरुआत करने जा रही हैं। इस योजना में युवाओं को टॉप कंपनियों में काम करने का असली अनुभव मिलेगा। यह योजना युवाओं का न सिर्फ अपना कौशल विकास करने का मौका उपलब्ध कराती है, बल्कि भविष्य में रोजगार के दरवाजे खोलकर करियर की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में सहायक है। पीएम इंटर्नशिप योजना केंद्र सरकार की पहल है। इसके जरिए युवाओं को देश की टॉप-500 कंपनियों में इंटर्नशिप का मौका मिलेगा, ताकि वे व्यावहारिक जीवन में आने वाली चुनौतियों का सामना करना सीख सकें। केंद्र सरकार का लक्ष्य है कि 5 साल के भीतर 1 करोड़ युवाओं को इंटर्नशिप प्रदान की जाए।

इन ट्रेड में कर सकते इंटर्नशिप

- उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन पीएम इंटर्नशिप योजना में प्रदेश के युवाओं की भागीदारी बढ़ाने की तैयारी कर रहा है। प्रदेश के लिए तय पूरे कोटे में युवाओं को इंटर्नशिप का लाभ दिलाने का प्रयास है। इंटर्नशिप योजना में छात्रों को आईटी और सॉफ्टवेयर, बैंकिंग और फाइनेंस, ऑयल गैस और एनर्जी, एफएमसीजी, मैन्युफैक्चरिंग, आटोमोटिव, मीडिया, एजुकेशन, हेल्थ केयर, टेलीकॉम, ट्रैवल्स, फार्मा, एग्रीकल्चर, टेक्सटाइल और कंसलटिंग आदि की ट्रेनिंग दिलाई जाएगी।

- पीएम इंटर्नशिप स्कीम 2.0 के लिए केंद्र सरकार ने शीर्ष संस्थाओं से अध्ययन कराया है। इसमें योजना के पहले चरण में कंपनी की लोकेशन, एज लिमिट जैसी खामियां सामने आईं। अब इन खामियों को दूर करके योजना 2.0 लागू की जाएगी। अब 2026-27 में 10 हजार करोड़ रुपये से अधिक बजट के साथ स्कीम लागू होगी। फिलहाल इसका बजट 380 करोड़ रुपये है। इंटर्न की न्यूनतम उम्र सीमा 21 से घटाकर 18 साल की जाएगी। स्टाइपेंड भी बढ़ाया जाएगा। इंटर्नशिप अवधि भी छह माह से बढ़कर एक साल हो सकती है। पीएम इंटर्नशिप स्कीम के तहत चयनित अभ्यर्थियों को न सिर्फ प्रशिक्षण मिलेगा, बल्कि 5000 रुपये मासिक स्टाइपेंड भी प्रदान किया जाएगा।

आवेदक की पात्रता

आवेदन की योग्यता परास्नातक तक है। इंटर्नशिप के लिए वे छात्र योग्य होंगे जो कॉलेज की पढ़ाई के अंतिम चरण में हों और नौकरी न कर रहे हों। वे लोग भी इसमें आवेदन कर सकते हैं, जो कहीं जॉब कर रहे हैं, और सीए, सीएस, एमबीबीएस जैसी डिग्री ले रखी है। ऑनलाइन व डिस्टेंस से पढ़ाई कर रहे छात्र भी आवेदन कर सकते हैं। फैमिली इनकम 8 लाख से कम होनी चाहिए।

इस तरह करना होगा आवेदन

वेबसाइट www.pminternship.mca.gov.in पर रजिस्ट्रेशन करना होगा। रजिस्ट्रेशन के बाद यूजर नेम और पासवर्ड के माध्यम से लॉगिन कर प्रोफाइल फाइल करनी होगी। इसके बाद रिज्यूम जनरेट होगा। अभ्यर्थी पसंदीदा सेक्टर या रोजगार चुनकर इंटर्नशिप के लिए आवेदन सबमिट कर सकते हैं।

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	80,539.91	24,619.35
बढ़त	304.32	131.95
प्रतिशत में	0.38	0.54

सोना 1,01,020 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,12,000 प्रति किलो

अमृत विचार
कानपुर, गुरुवार, 14 अगस्त 2025
www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

बीपीसीएल का शुद्ध लाभ हुआ दोगुना

नई दिल्ली। भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) का चालू वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में शुद्ध लाभ दोगुना से अधिक हो गया है। कंपनी ने बताया कि कच्चे तेल की लागत में गिरावट के बावजूद खुदरा कीमतों को स्थिर रखने से विपणन मुनाफे में बढ़ोतरी हुई है। बीपीसीएल ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि वित्त वर्ष 2025-26 की पहली (अप्रैल-जून) तिमाही में उसका एकीकृत शुद्ध लाभ 6,839.02 करोड़ रुपये रहा, जबकि गत वित्त वर्ष 2024-25 की इसी तिमाही में यह 2,841.55 करोड़ रुपये था। समीक्षाधीन तिमाही का मुनाफा बीपीसीएल के लिए एक रिकॉर्ड है और यह पूरे वित्त वर्ष 2024-25 (अप्रैल 2024 से मार्च 2025) की मुनाफे के आधे से भी अधिक है।

ईबीजी रियल्टी ने अल्बा होम्स से मिलाया हाथ

नई दिल्ली। जमीन, मकान के विकास से जुड़ी और परामर्श कंपनी ईबीजी रियल्टी ने दुबई की रियल एस्टेट इकाई अल्बा होम्स के साथ एक रणनीतिक साझेदारी की बुधवार को घोषणा की। कंपनी ने बुधवार को एक बयान में कहा कि इस साझेदारी के तहत भारतीय ग्राहकों को दुबई में संपत्ति तलाशने और उसे 'ऑनलाइन' दिखाने से लेकर कानूनी परामर्श एवं लेनदेन प्रबंधन तक की सुविधा मिलेगी। भारतीय निवेशकों को जोड़ने के लिए ईबीजी रियल्टी और अल्बा होम्स प्रमुख भारतीय शहरों में विशेष संपत्ति प्रदर्शनियों और निवेश सेमिनार का आयोजन करेंगे।

पांच बोइंग-737 विमान मंगाएगा स्पाइसजेट

मुंबई। घरेलू विमानन कंपनी स्पाइसजेट ने सर्दियों से पहले पांच बोइंग 737 विमानों के लिए समझौते को अंतिम रूप देने की बुधवार को जानकारी दी। इन विमानों को 'डैम्प-लीज' के आधार पर शामिल किया जा रहा है। 'डैम्प-लीज' के तहत एक विमानन कंपनी (पट्टा देने वाली) अपना विमान किसी दूसरी विमानन कंपनी (पट्टा लेने वाली) को किराये पर देती है। इस व्यवस्था में विमान के साथ आमतौर पर चालक दल के सदस्यों जैसे पायलट और सह-पायलट आदि को भी साझा किया जाता है।

औसतन 3.5% रहेगी सकल मुद्रास्फीति

क्रिसिल ने अच्छे कृषि उत्पादन से महंगाई को नियंत्रित करने की जताई संभावना

कोलकाता, एजेंसी

रेटिंग एजेंसी क्रिसिल ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 में कुल मुद्रास्फीति औसतन 3.5 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है, जो गत वित्त वर्ष (2024-25) में 4.6 प्रतिशत रही थी। रेटिंग एजेंसी ने अगस्त की अपनी शोध रिपोर्ट में कहा कि अच्छे कृषि उत्पादन से खाद्य मुद्रास्फीति के नियंत्रण में रहने की संभावना है। खरीफ की बुवाई में आठ अगस्त तक सालाना आधार पर 4% की अच्छी वृद्धि दर्ज की गई।

क्रिसिल ने कहा, हमारा अनुमान है कि चालू वित्त वर्ष में कुल (हेडलाइन) मुद्रास्फीति औसतन 3.5 प्रतिशत रहेगी, जो पिछले वित्त वर्ष में 4.6% थी। भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के नियंत्रण में रहने की उम्मीद करते हुए ब्रेंट कच्चे तेल की कीमतें चालू वित्त वर्ष में 60 से 65 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल तक सीमित रहने का अनुमान है जिससे गैर-खाद्य मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी।

● खरीफ की बुवाई में सालाना आधार पर 4% की अच्छी वृद्धि की गई दर्ज

रेटिंग एजेंसी को इस वित्त वर्ष में रेपो दर में एक और कटौती की उम्मीद है। अबतक कुल एक प्रतिशत की कटौती और पर्याप्त नकदी ने इसका लाभ आगे भी तेजी से पहुंचाने में मदद की है। भारत की खुदरा मुद्रास्फीति दर पिछले एक साल में आधी से भी अधिक घट गई है और भारतीय रिजर्व बैंक के संतोषजनक दायरे के निचले स्तर से भी नीचे आ गई है। यह जून के 2.1 से जुलाई में 1.6% पर आ गई। खुदरा मुद्रास्फीति में तीव्र गिरावट से घरेलू क्रय शक्ति में वृद्धि होगी, खासकर निम्न-आय वर्ग में.. साथ ही इससे मौद्रिक नीति में और ढील की और गुंजाइश बनेगी।

भारत में 3 दशक तक वृद्धि की उम्मीद

नई दिल्ली। स्वीडिश फर्नीचर एवं गृहसज्जा कंपनी आइकिया ने बुधवार को कहा कि भारत की तेज आर्थिक वृद्धि, युवा जनसंख्या एवं बढ़ते उपभोक्ता वर्ग को देखते हुए अगले तीन दशक तक यहां वृद्धि की जबर्दस्त संभावनाएं हैं। आइकिया इंडिया के सीईओ पैट्रिक एंटनी ने कहा कि कंपनी स्थानीय स्तर से उत्पादों की खरीद का स्तर मौजूदा 30 प्रतिशत से बढ़ाकर अगले पांच साल में 50 प्रतिशत करने की दिशा में काम कर रही है। उन्होंने कहा कि भारत में आइकिया अब वृद्धि के दूसरे चरण में पहुंच चुकी है और बड़े आकार के स्टोर, छोटे 'सिटी स्टोर' और ऑनलाइन बिक्री सभी को जोड़कर बहु-माध्यम रणनीति अपना रही है। फिलहाल कुल बिक्री का लगभग 30% ऑनलाइन माध्यम से आता है। आइकिया ने 2018 में हैदराबाद से अपना भारतीय खुदरा कारोबार शुरू किया था और अब मुंबई, बेंगलुरु के अलावा नोएडा, गुरुग्राम, लखनऊ एवं चंडीगढ़ में भी इसकी विस्तार की योजना है। इसके मेगा स्टोर आमतौर पर शहरों के बाहरी इलाकों में होते हैं, जबकि छोटे स्टोर मॉल के भीतर खोले जा रहे हैं ताकि ग्राहकों तक नजदीकी पहुंच बनाई जा सके। एंटनी ने कहा, ऑनलाइन और ऑफलाइन अनुभव को अगर हम साथ जोड़ देते हैं तो कुल बिक्री में काफी तेजी देखने को मिलती है। हमारे लिए ऑफलाइन एवं ऑनलाइन का मिश्रण कामयाबी का मंत्र साबित हुआ है। वित्त वर्ष 2023-24 में आइकिया के भारतीय कारोबार का राजस्व 1,852.7 करोड़ रुपये रहा जिसमें ऑनलाइन बिक्री की हिस्सेदारी करीब 30 प्रतिशत थी। उन्होंने कहा कि भौतिक स्टोर में खरीदारी का एक अलग अनुभव होता है और कंपनी ग्राहकों तक अधिक संख्या में पहुंचने के लिए कई तरह के स्टोर की मौजूदगी होनी जरूरी है। एंटनी ने कहा कि उच्च किराया दरों के बावजूद भारत में परिचालन लागत तुलनात्मक रूप से कम है और यहां व्यावसायिक संभावनाएं भी उज्ज्वल दिख रही हैं।

● आइकिया बोली- तेज आर्थिक वृद्धि, युवा जनसंख्या व बढ़ता उपभोक्ता वर्ग मुख्य कारक

अमेरिकी शुल्क का प्रभाव 6 माह से ज्यादा टिकने वाला नहीं: सीईए

मुंबई, एजेंसी

मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी. अनंत नागेश्वरन ने बुधवार को कहा कि अमेरिकी शुल्क से जुड़ी चुनौतियां ज्यादा टिकने वाली नहीं है और एक या दो तिमाहियों में समाप्त हो जाएंगी। उन्होंने कहा कि देश अन्य दीर्घकालिक चुनौतियों से जूझ रहा है और उन्होंने इससे निपटने के लिए निजी क्षेत्र से और अधिक प्रयास करने का आग्रह किया।

नागेश्वरन ने वित्त वर्ष 2024-25 में वृद्धि दर में आई नरमी के लिए कर्ज से जुड़ी कड़ी स्थिति और नकदी की समस्याओं को जिम्मेदार ठहराया। वृद्धि दर वित्त वर्ष 2024-25 में 6.5% रही जो एक साल पहले 9.2% थी। नागेश्वरन ने कहा कि सही कृषि नीतियां वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि में 25% की वृद्धि कर सकती हैं। उन्होंने अमेरिकी शुल्क के बारे में कहा कि रत्न एवं आभूषण, झींगा और वस्त्र जैसे क्षेत्रों पर पहले चरण का प्रभाव पड़ने के बाद दूसरे और तीसरे चरण के प्रभाव पड़ेंगे। उनसे निपटना 'अधिक कठिन' होगा। नागेश्वरन ने कहा कि सरकार स्थिति

● नागेश्वरन बोले- दीर्घकालिक चुनौतियों से निपटने को निजी क्षेत्र अधिक प्रयास करे

से अवगत है और प्रभावित क्षेत्रों के साथ बातचीत शुरू हो चुकी है। आने वाले दिनों में नीति निर्माताओं की प्रतिक्रिया मिलेगी, लेकिन लोगों को धैर्य रखना होगा।

इस महीने के अंत में व्यापार वार्ता के लिए अमेरिकी अधिकारियों के भारत आने की अटकलों के बीच उन्होंने कहा कि ट्रंप और पुतिन के बीच अलास्का में होने वाली बैठक इस वार्ता के नतीजों को प्रभावित कर सकती है। उन्होंने भारत और अमेरिका के बीच व्यापार वार्ता के विवरण देने से इनकार करते हुए कहा कि इस समय विश्व स्तर पर हालात बहुत अस्थिर हैं और संबंध सहयोग से गतिरोध की ओर बढ़ रहे हैं।

अमेरिकी शुल्क से भारत की वृद्धि पर असर नहीं : एसएंडपी

नई दिल्ली। एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स के निदेशक यीफार्न फुआ ने बुधवार को कहा कि अमेरिकी शुल्क से भारत की वृद्धि प्रभावित नहीं होगी क्योंकि यह व्यापार-उन्मुख अर्थव्यवस्था नहीं है और इसकी 'सॉवरेन रेटिंग' का परिदृश्य सकारात्मक ही बना रहेगा। रेटिंग एजेंसी एसएंडपी ने मजबूत आर्थिक वृद्धि का हवाला देते हुए पिछले वर्ष मई में भारत की सॉवरेन रेटिंग 'बीबीबी-' को बढ़ाकर सकारात्मक कर दिया था। अमेरिका ने सभी भारतीय उत्पादों पर 25% शुल्क के अलावा रूसी कच्चे तेल की खरीद के लिए 25% का अतिरिक्त शुल्क लगाया है। शुल्क से भारत के सकारात्मक परिदृश्य पर नकारात्मक प्रभाव पर यीफार्न ने कहा, भारत पर लगाए शुल्क का आर्थिक वृद्धि पर कोई प्रभाव पड़ेगा, क्योंकि भारत बहुत अधिक व्यापार-उन्मुख अर्थव्यवस्था नहीं है। यदि आप जीडीपी के मुकाबले निर्यात के संदर्भ में अमेरिका के प्रति भारत के जोखिम को देखें, तो यह लगभग दो प्रतिशत ही है।

यूरोपीय संघ में कार्बन कर से 5 साल में भारतीय जीडीपी में 0.3% की कमी

नई दिल्ली, एजेंसी

यूरोपीय संघ में कार्बन सीमा समायोजन प्रणाली (सीबीएएम) के लागू होने और घरेलू स्तर पर कार्बन मूल्य निर्धारण प्रणाली नहीं होने की स्थिति में 2026 से 2030 के बीच भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 0.02 से 0.03% तक की गिरावट आ सकती है।

शोध संस्थान 'सेंटर फॉर सोशल एंड इकनॉमिक प्रोग्रेस' (सीएसईपी) के मुताबिक, सीबीएएम केंद्रित कर प्रणाली यूरोपीय संघ में लागू होने का भारत के शहरी परिवारों पर सबसे अधिक असर पड़ेगा क्योंकि कार्बन उत्सर्जन की अधिकता वाले वस्तुओं की कीमतें बढ़ेंगी। घरेलू कार्बन कर व्यवस्था को लागू कर राजस्व देश में रखने से यूरोपीय संघ के इस कर का असर कम किया जा सकता है। यूरोपीय संघ का सीबीएएम के तहत उन देशों से आने

● शोध संस्थान सेंटर फॉर सोशल एंड इकनॉमिक प्रोग्रेस ने जारी किया अध्ययन

वाले कुछ खास उत्पादों पर कार्बन कर लगाने का प्रावधान है, जहां पर पर्यावरण नियम एवं कार्बन उत्सर्जन नियंत्रण मानक कम सख्त हैं। यूरोपीय संघ की कार्बन कर प्रणाली शुरुआती चरण में इस्पात, एल्युमीनियम, सीमेंट, उर्वरक, बिजली एवं हाइड्रोजन पर लागू होगी।

वैश्विक बाजारों में तेजी से सेंसेक्स 304 अंक चढ़ा

मुंबई, एजेंसी

स्थानीय शेयर बाजार में बुधवार को तेजी लौटी और सेंसेक्स 304 अंक के लाभ में रहा। अमेरिका में महंगाई दर स्थिर रहने के बीच वैश्विक बाजारों में तेजी के साथ धातु, वाहन और औषधि कंपनियों के शेयरों में लिवाली से घरेलू बाजार बढ़त में रहा।

बीएसई सेंसेक्स 304.32 अंक की मजबूती के साथ 80,539.91 पर बंद हुआ। वहीं एनएसई का निफ्टी 131.95 अंक बढ़कर 24,619.35 पर पहुंच गया। विश्लेषकों ने कहा कि जुलाई में खुदरा मुद्रास्फीति के आठ साल के निचले स्तर 1.55 प्रतिशत पर आने से घरेलू शेयर

बाजार पर सकारात्मक असर हुआ। जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स लि. के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, भारतीय बाजारों में सकारात्मक रुख का कारण उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति के आठ साल के निचले स्तर पर पहुंचना है। इससे वाहन और धातु शेयरों की अगुवाई में सोच-विचार कर खर्च से जुड़े क्षेत्रों में सुधार की उम्मीद बढ़ी है। वैश्विक स्तर पर, चीन पर शुल्क लगाने की समय सीमा बढ़ाने और तेल की कीमतों में नरमी से धारणा में सुधार हुआ। ट्रंप के व्यापार रुख और वैश्विक जोखिमों को लेकर अनिश्चितताओं के बावजूद, भारत की वृद्धि-मुद्रास्फीति की स्थिति वित्त वर्ष 2025-26 के लिए अनुकूल बनी हुई है।

एफआईआई ने 3,398.80 करोड़ के शेयर बेचे

सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, इटर्नल, महिंद्रा एंड महिंद्रा, कोटक महिंद्रा बैंक, टाटा मोटर्स और पावर ग्रिड लाभ में रहे। वहीं, नुकसान में रहने वाले शेयरों में अदाणी पोर्ट्स, आईटीसी, अल्ट्राटेक सीमेंट और टाइटन शामिल हैं। एशिया के अन्य बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की, चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग बढ़त में रहे। यूरोप के प्रमुख बाजार दोपहर के कारोबार में बढ़त में थे। अमेरिकी बाजार मंगलवार को बढ़त के साथ बंद हुए थे। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.36% टूटकर 65.88 डॉलर प्रति बैरल पर रहा। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने मंगलवार को 3,398.80 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

चोर मचाए शोर जैसा है विपक्ष का शोर : ठाकुर

'वोट चोरी' मामला : भाजपा ने विपक्षी नेताओं की सीटों पर मतदाता पंजीकरण में अनियमितता का लगाया आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी

भाजपा ने रायबरेली, वायनाड, डायमंड हार्बर और कन्नौज संसदीय सीटों पर मतदाता पंजीकरण में अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा, अभिषेक बनर्जी और अखिलेश यादव से लोकसभा सदस्य के पद से इस्तीफा देने की मांग की है। भाजपा का आरोप है कि इन नेताओं ने 'वोट चोरी' के जरिये लोकसभा चुनाव में जीत हासिल की है।

भाजपा नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने बुधवार को भाजपा मुख्यालय में इस मुद्दे पर एक स्लाइड-शो प्रस्तुति के जरिये विपक्षी नेताओं द्वारा प्रतिनिधित्व किए जाने वाले इन निर्वाचन क्षेत्रों में मतदाता सूचियों का 'विश्लेषण' कर यह आरोप लगाए। ठाकुर ने तमिलनाडु की कोलाथुर विधानसभा सीट और उत्तर प्रदेश की मैनपुरी लोकसभा सीट पर मतदाता पंजीकरण में कथित

● रायबरेली, वायनाड, डायमंड हार्बर और कन्नौज संसदीय सीटों पर अनियमितताओं का आरोप

● राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा, अभिषेक बनर्जी और अखिलेश यादव से भाजपा ने मांगा इस्तीफा

अनियमितताओं का भी मुद्दा उठाया और चुनाव में 'धांधली' के लिए मुख्यमंत्री एवं द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) सुप्रीमो एम के स्टालिन और समाजवादी पार्टी (सपा) की नेता डिंपल यादव से इस्तीफा देने की मांग की।

उन्होंने निर्वाचन आयोग पर सवाल उठाने के लिए कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, सपा और द्रमुक नेताओं की आलोचना की तथा उन पर मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ दुष्प्रचार करने का आरोप लगाया। भाजपा नेता ने कहा कि विपक्ष के नेता अपने 'अवैध बांग्लादेशी घुसपैठ के वोट बैंक' और अन्य 'घुसपैठियों' की रक्षा के लिए निर्वाचन आयोग पर यह आरोप लगा रहे हैं। ठाकुर ने कहा, विपक्ष द्वारा मचाए जा रहे इस शोर को देखकर अब तो यही लग रहा है कि 'चोर मचाए शोर'।

उन्होंने कहा कि जो गलत थे, वे अब गलत काम करने के लिए चिल्ला रहे हैं। रायबरेली, वायनाड, कन्नौज से लेकर डायमंड हार्बर तक - हर जगह एक ही सवाल उठ रहा है - उन्होंने फर्जी वोटर क्यों बनाए? क्या वे 'वोट चोरी' और घुसपैठियों को बचाने के लिए इस्तीफा देंगे?

सोनिया गांधी भारतीय नागरिकता लेने से पहले ही मतदाता बन गईं

नई दिल्ली। विपक्ष द्वारा सरकार और निर्वाचन आयोग पर लगाए वोट चोरी के आरोपों के बीच भाजपा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी भारतीय नागरिक बनने से पहले ही मतदाता के रूप में पंजीकृत थीं। भाजपा के सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के प्रमुख अमित मालवीय ने एक्स पर कहा, मतदाता सूची के साथ सोनिया गांधी का रिश्ता चुनावी कानूनों के घोर उल्लंघन से भरा है। शायद यही कारण है कि राहुल गांधी अयोग्य और अवैध मतदाताओं को नियमित करने के पक्ष में हैं तथा विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान का विरोध कर रहे हैं। उन्होंने तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के आधिकारिक निवास की मतदाता सूची की एक प्रति पोस्ट की, जिसमें दावा किया गया कि सोनिया गांधी का नाम मतदाता सूची में संशोधन के दौरान जोड़ा गया था और एक जनवरी, 1980 को अर्हक तिथि माना गया था। मालवीय ने दावा किया, उनका नाम पहली बार 1980 में मतदाता सूची में आया था - भारतीय नागरिक बनने से तीन साल पहले और उस समय तक उनके पास इतालवी नागरिकता थी। उन्होंने कहा कि उस समय तक उस पते पर पंजीकृत मतदाताओं में इंदिरा गांधी, राजीव गांधी, संजय गांधी और मेनका गांधी शामिल थे तथा संशोधन के दौरान सोनिया गांधी का नाम जोड़ा गया। मालवीय ने कहा, यह प्रविष्टि कानून का स्पष्ट उल्लंघन है, जिसके अनुसार मतदाता के रूप में पंजीकृत होने के लिए किसी व्यक्ति का भारतीय नागरिक होना आवश्यक है। 1982 में विरोध के बाद उनका नाम सूची से हटा दिया गया था - जो 1983 में पुनः सामने आया। उन्होंने कहा, यहां तक कि उनकी नाम बहाली ने भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए थे। उस वर्ष मतदाता सूची के नए संशोधन में, सोनिया गांधी का नाम मतदान केंद्र 140 के क्रम संख्या 236 पर दर्ज था। पंजीकरण की अर्हता तिथि 1 जनवरी, 1983 थी, जबकि उन्हें भारतीय नागरिकता 30 अप्रैल, 1983 को ही दी गई। मालवीय ने दावा किया कि नागरिकता की जरूरतों को पूरा किए बिना नाम दो बार सूची में दर्ज किया गया।

विकास कार्य करते समय पर्यावरण की रक्षा करना जरूरी: उच्चतम न्यायालय

● तेलंगाना सरकार को कांचा गाचीबोवली वन स्थल पर प्रस्ताव के लिए मिले छह सप्ताह

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को तेलंगाना सरकार को कांचा गाचीबोवली वन स्थल के समग्र पुनरुद्धार के वास्ते एक अच्छा प्रस्ताव पेश करने के लिए छह सप्ताह का समय दिया और कहा कि राज्य सरकार को काटे गए पेड़ों को फिर से लगाना होगा।

प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की पीठ ने कहा कि वन क्षेत्र को बहाल किया जाना चाहिए। शीर्ष अदालत ने कहा कि वह विकास के खिलाफ नहीं है, लेकिन पर्यावरण की रक्षा की जानी चाहिए। पीठ ने मामले की सुनवाई छह सप्ताह बाद के लिए स्थगित करते हुए कहा, समय-समय पर न्यायालय कहता रहा है कि हम विकास के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन यह सतत विकास होना चाहिए। विकास संबंधी गतिविधियां करते समय, पर्यावरण और वन्य जीवन के हितों का ध्यान रखा जाना चाहिए तथा क्षतिपूर्ति के उपाय सुनिश्चित किए जाने चाहिए। यदि सरकार ऐसा कोई प्रस्ताव लेकर आती है तो हम उसका स्वागत करेंगे।

तेलंगाना सरकार के अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी ने कहा कि राज्य सरकार पूरे प्रस्ताव पर समग्र रूप से विचार कर रही है, जिसमें पर्यावरण और वन्यजीवों के हितों को विकास कार्यों के साथ संतुलित करने का प्रयास किया जा रहा है।

शीर्ष अदालत ने 15 मई को कहा था कि हैदराबाद विश्वविद्यालय के निकट पेड़ों की कटाई प्रथम दृष्टया पूर्व नियोजित प्रतीत होती है। अदालत ने तेलंगाना सरकार से कहा था कि वह इसे बहाल करे अन्यथा उसके अधिकारियों को जेल हो सकती है।

जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने की याचिका पर सुनवाई आज

सुप्रीम कोर्ट जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने की याचिका पर गुरुवार को सुनवाई करेगा। वाद सूची के अनुसार भारत के प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ सुनवाई कर सकती है। उच्चतम न्यायालय ने 11 दिसंबर, 2023 को सर्वसम्मति से दिए फैसले में अनुच्छेद- 370 को निरस्त करने के निर्णय को बरकरार रखा था और साथ ही आदेश दिया था कि जम्मू-कश्मीर में सितंबर 2024 तक विधानसभा चुनाव कराए जाएं तथा इसका राज्य का दर्जा 'जल्द से जल्द' बहाल किया जाए।

सावरकर-गोडसे की विचारधारा वालों से मुझे खतरा: राहुल गांधी

पुणे, एजेंसी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अपने खिलाफ मानहानि मामले में सुनवाई कर रही पुणे की अदालत से बुधवार को कहा कि उन्हें विनायक दामोदर सावरकर व नाथूराम गोडसे की विचारधारा वालों से खतरे की आशंका है तथा निवारक सुरक्षा देना सरकार का संवैधानिक दायित्व है।

विनायक दामोदर सावरकर के पौत्र सत्यकी सावरकर द्वारा दायर मानहानि के मुकदमे का सामना कर रहे गांधी ने सांसदों और विधायकों के खिलाफ मामलों की विशेष अदालत के समक्ष आवेदन में यह दावा किया। इस मामले में मुकदमा अभी शुरू होना है। यह गांधी द्वारा स्वतंत्रता सेनानी

● कांग्रेस नेता ने मानहानि मामले में सुनवाई के दौरान कोर्ट को बताया

एवं हिंदुत्व विचारक वीडी सावरकर के खिलाफ की गईं टिप्पणियों से संबंधित है। गांधी के वकील मिलिंद पवार द्वारा न्यायिक मजिस्ट्रेट (प्रथम श्रेणी) अमोल शिंदे के समक्ष दायर किए गए आवेदन में कहा गया कि शिकायतकर्ता सत्यकी ने स्वीकार किया था कि वह मातृवंश के माध्यम से नाथूराम गोडसे और गोपाल गोडसे के भी प्रत्यक्ष वंशज हैं। गांधी ने हाल में नई दिल्ली में चुनाव धोखाधड़ी के सबूत रखे थे। इसके मद्देनजर, विनायक सावरकर की विचारधारा वाले गांधी के प्रति शत्रुता या नाराजगी रखते होंगे।

महाभियोग से बचने को न्यायमूर्ति वर्मा के पास इस्तीफा का विकल्प

नई दिल्ली, एजेंसी

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच के लिए एक समिति के गठन की घोषणा की है और ऐसे में संसद द्वारा पद से हटाने से बचने के लिए इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीश के पास इस्तीफा ही एकमात्र विकल्प बचा है।

जांच समिति में सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश अरविंद कुमार, मद्रास हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश मनींद्र मोहन श्रीवास्तव और कर्नाटक हाईकोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता बी वी आचार्य है। बिरला ने मंगलवार को लोकसभा में कहा, समिति यथाशीघ्र रिपोर्ट दें, रिपोर्ट आने तक प्रस्ताव (न्यायमूर्ति वर्मा को हटाने का) लंबित रहेगा। उन्होंने सदन को

● इस्तीफा देने पर मिलेंगी सेवानिवृत्त जज के बराबर सुविधाएं, सदन ने हटाया तो कुछ नहीं मिलेगा

सूचित किया कि उन्हें 31 जुलाई को भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद और सदन में प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी सहित सत्ता पक्ष और विपक्ष के 146 सदस्यों द्वारा हस्ताक्षरित प्रस्ताव की सूचना प्राप्त हुई है। उक्त सूचना में न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा को हाईकोर्ट के न्यायाधीश के पद से हटाने के लिए राष्ट्रपति को समावेदन प्रस्तुत करने का प्रस्ताव है।

शीर्ष अदालत व हाईकोर्ट के न्यायाधीशों की नियुक्ति और उन्हें हटाने की प्रक्रिया से अवगत अधिकारियों ने बताया कि किसी भी सदन में सांसदों के समक्ष अपना पक्ष रखते हुए न्यायमूर्ति वर्मा यह घोषणा कर सकते हैं कि वह पद छोड़ रहे हैं और उनके मौखिक बयान को इस्तीफा माना जाएगा। यदि वह इस्तीफा देने का फैसला करते हैं, तो उन्हें हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश के बराबर पेंशन और अन्य सुविधाएं मिलेंगी। लेकिन संसद द्वारा हटाया जाता है, तो उन्हें लाभों से वंचित कर दिया जाएगा।

रुपये मिलने के बाद दिल्ली से भेजे गए थे इलाहाबाद

संविधान के अनुच्छेद 217 के अनुसार, हाईकोर्ट के न्यायाधीश राष्ट्रपति को संबोधित हस्ताक्षर युक्त पत्र से पद से इस्तीफा दे सकते हैं, इसके लिए किसी मंजूरी की जरूरत नहीं। न्यायाधीश पद छोड़ने के लिए संभावित तिथि दे सकता है। ऐसे मामलों में, न्यायाधीश पद पर रहने की अंतिम तिथि से पहले अपना इस्तीफा वापस ले सकता है। संसद द्वारा पद से हटाया जाना एक अन्य तरीका है। तत्कालीन प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना ने नकदी बरामदगी विवाद में फंसे न्यायमूर्ति वर्मा को हटाने के लिए राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को पत्र लिखा था। न्यायमूर्ति वर्मा के राष्ट्रीय राजधानी स्थित आधिकारिक आवासीय परिसर से मार्च में अधजली नोटों की गड्डियां मिलने के बाद उन्हें दिल्ली उच्च न्यायालय से इलाहाबाद उच्च न्यायालय भेज दिया गया था।

ऑनलाइन सट्टेबाजी मामले में सुरेश रैना से पूछताछ

नई दिल्ली, एजेंसी

ईडी ने पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना से अवैध सट्टेबाजी ऐप से जुड़े धन शोधन में बुधवार को पूछताछ की। रैना (38) को सुबह करीब 11 बजे अपनी उपस्थिति दर्ज कराने से पहले मध्य दिल्ली स्थित एजेंसी कार्यालय के बाहर केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) कर्मियों और ईडी के कर्मचारियों के साथ बातचीत करते देखा गया।

सूत्रों ने बताया कि संघीय जांच एजेंसी ने एक अवैध सट्टेबाजी ऐप (1एक्सबेट) से जुड़ी जांच में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत उनका

● ईडी कार्यालय सुबह 11 बजे पहुंचे पूर्व क्रिकेटर

बयान दर्ज किया। रैना विज्ञापनों के जरिए इस ऐप से जुड़े हैं। ईडी इस ऐप से उनके संबंधों, प्रचार से की कमायी और दोनों पक्षों के बीच संचार के माध्यम के बारे में पूछताछ करना चाहती है। एजेंसी ने जांच के तहत गूगल व मेटा के प्रतिनिधियों को पूछताछ के लिए बुलाया था।

वर्ल्ड ब्रीफ

जयशंकर अगले सप्ताह रूस जाएंगे

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस. जयशंकर अगले सप्ताह अपने रूसी समकक्ष सर्गेई लावरोव के साथ महत्वपूर्ण वार्ता करने के लिए मास्को की यात्रा करेंगे। यह यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब रूस से कच्चे तेल की खरीद को लेकर हाल में अमेरिका के साथ भारत के संबंधों में कुछ तनाव आया है। जयशंकर की रूस यात्रा एनएसए अजीत डोभाल की रूस यात्रा और राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन तथा कई शीर्ष अधिकारियों से मुलाकात के कुछ दिनों बाद हो रही है। विदेश मंत्री की मास्को यात्रा से परिचित लोगों ने बताया कि दोनों पक्ष इस वर्ष के अंत में पुतिन की भारत यात्रा के विभिन्न पहलुओं को भी अंतिम रूप दे सकते हैं।

इटली के तट के निकट नाव पलटी, 20 की मौत

रोम। इटली के लैम्पेदुसा द्वीप के पास लगभग 100 प्रवासियों को ले जा रही एक नाव पलट गई, जिसमें कम से कम 20 लोगों की मौत हो गई और एक दर्जन से अधिक लोग लापता हो गए। संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी ने बुधवार को यह जानकारी दी। इटली में संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायोग के प्रवक्ता फिलिपो उंगारो ने बताया कि 60 बचे लोगों को लैम्पेदुसा के एक केंद्र में लाया गया है। बचे हुए लोगों के अनुसार, जब नाव लीबिया से रवाना हुई थी, तब उसमें 92 से 97 प्रवासी सवार थे। यूएनएचसीआर के मुताबिक, अधिकारियों ने 20 शव बरामद कर लिए हैं और 12 से 17 अन्य लोगों की तलाश जारी है।

द. कोरिया: पूर्व राष्ट्रपति की पत्नी गिरफ्तार

सियोल। दक्षिण कोरिया के पूर्व राष्ट्रपति यून सुक येओल की पत्नी को भ्रष्टाचार के आरोपों में गिरफ्तार किया गया है। अधिकारी उनके खिलाफ रिश्वतखोरी, स्टॉक में हेराफेरी और एक उम्मीदवार के चयन में दखलंदाजी सहित विभिन्न आरोपों की जांच कर रहे हैं। गिरफ्तारी वारंट के लिए विशेष अभियोजक के अनुरोध को मंगलवार देर रात स्वीकार करते हुए 'सियोल सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट कोर्ट' ने कहा कि यून की पत्नी किम कियोन सबूतों को नष्ट कर सकती हैं। लिबरल पार्टी की नई सरकार द्वारा किम के खिलाफ शुरू कराई गई यह जांच तीन विशेष अभियोजक पड़तालों में से एक है। दक्षिण कोरिया के पूर्व राष्ट्रपति येओल भी जेल में बंद हैं।

अमेरिका में हिंदू मंदिर को विरूपित किया, भारतीय दूतावास ने की निंदा

न्यूयॉर्क, एजेंसी

- अमेरिका में एक साल के अंदर मंदिर पर हमले की चौथी घटना

अमेरिका के इंडियाना शहर में एक हिंदू मंदिर के नामपट्ट को विरूपित कर दिया गया जिसे भारतीय वाणिज्य दूतावास ने निंदनीय बताया है।

मंदिर के आधिकारिक जनसंपर्क हैंडल ने मंगलवार को 'एक्स' पर एक पोस्ट में बताया कि यह घृणित कृत्य ग्रीनवुड शहर स्थित बीएपीएस स्वामीनारायण मंदिर में हुआ। इसमें कहा गया है कि एक साल से भी कम समय में यह चौथी बार है जब किसी बीएपीएस मंदिर को निशाना बनाया गया है। शिकागो स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास ने 'एक्स' पर कहा, इंडियाना के ग्रीनवुड स्थित बीएपीएस स्वामीनारायण मंदिर के मुख्य नामपट्ट का अपमान निंदनीय है। दूतावास ने कहा कि उसने शीघ्र कार्रवाई के लिए कानून प्रवर्तन अधिकारियों के समक्ष यह मामला उठाया है।

लॉस एंजिलिस में बुजुर्ग सिख पर हमला

न्यूयॉर्क। लॉस एंजिलिस में एक बुजुर्ग सिख व्यक्ति पर हमला करने पर एक संदिग्ध को गिरफ्तार किया गया है। इस हमले में पीड़ित की खोपड़ी की हड्डी टूट गई और उसे संभवतः मस्तिष्काघात हुआ है। लॉस एंजिलिस के एक गुरुद्वारे के पास 4 अगस्त को 70 वर्षीय हरपाल सिंह पर एक बेघर व्यक्ति बो रिचर्ड विटागिलियानो ने उस समय हमला कर दिया था जब वह सैर कर रहे थे।

पड़ोसी देश की कई परियोजनाएं बढ़ा रही हैं समस्या

भारत और चीन का विवाद लगभग भारत की आजादी जितना ही पुराना है। तिब्बत, शरणार्थी मुद्दे, अक्साई चिन और अरुणाचल प्रदेश को लेकर इसकी शुरुआत 1950 के दशक में ही हो गई थी। 1962 में युद्ध के बाद 1967 में नाथू ला और चो ला की झड़पों के बाद एलएसी, देपसांग, चुमार और डोकलाम में भारत और चीन की भिड़ंत होती रही। 2020 से 2022 के बीच पूर्वी लद्दाख में बड़े पैमाने पर सेनाओं की आमने-सामने तैनाती, गलवान में संघर्ष से तनातनी चरम पर पहुंची। कई दौर की कोर-कमांडर की वार्ता के बाद इसमें आंशिक कमी आई लेकिन तनाव खत्म नहीं हुआ। सीमाओं पर तनातनी के बीच चीन लगातार ऐसी परियोजनाओं के निर्माण में जुटा हुआ है जो भारत पर दबाव बनाने की रणनीति है और उसकी समस्याएं बढ़ा रही हैं। हालांकि, भारत चीनी आक्रामकता का लगातार मुकाबला कर रहा है।

चुनौती बनता चीन

विवाद के बुनियादी मुद्दे

- दोनों देशों के बीच वास्तविक नियंत्रण रेखा की अलग-अलग धारणा, मानचित्रण का फर्क और चीन की धीरे-धीरे भूस्थिति बदलने की कोशिशें।
- चीन के चरित्र से दोनों देशों में विश्वास का संकट, 2020 के गलवान संघर्ष के बाद सैन्य और राजनीतिक भरोसे को गहरे रूप से चोट पहुंची।
- रणनीतिक प्रतिस्पर्धा, भारत के इंडो-पैसिफिक में उभार, क्वाड और महत्वपूर्ण टेक/सप्लाई चेन साझेदारियां, इसे बीजिंग संतुलन भंग मानता है।
- चीन का चाइना पाकिस्तान इकोनॉमिक कॉरिडोर, आईओआर पोर्ट नेटवर्क, तिब्बत/शिनजियांग में सैन्य-इन्फ्रा, भारत इसे सुरक्षा चुनौती मानता है।

विवादित परियोजनाएं

- पीओके से गुजरने वाला बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव और चाइना पाकिस्तान इकोनॉमिक कॉरिडोर रणनीतिक कार्रवाई है।
- तिब्बत में इन्फ्रास्ट्रक्चर बढ़ाते हुए हाइवे, रेल, ऑलवेदर सड़कों के निर्माण से पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के लिए सहूलियत जुटाना।
- ब्रह्मपुत्र नदी पर जंमु आदि बांध और ग्रेट बेंड क्षेत्र में मेगा-हाइड्रो की योजना के निर्माण से भारतीय क्षेत्र के लिए असुरक्षा बढ़ाना।
- अपना घेरा बढ़ाने की रणनीति स्ट्रिंग ऑफ पर्ल्स के तहत ग्वादर, हम्बनटोटा, जिबूती बेस, आईओआर में निरंतर उपस्थिति बढ़ाना।

चीनी हथकंडे

- सीमा पर सेना की अग्रिम तैनाती, सैन्य नागरिक इस्तेमाल की सड़क-रेल, एयरफील्ड निर्माण।
- नक्शे और नामकरण राजनीति, अरुणाचल को दक्षिण तिब्बत बताना, कई स्थानों का चीनी नामकरण, स्टेपल्ड वीजा।
- कूटनीति में वीटो-ब्लॉक, न्यूक्लियर सप्लायर्स ग्रुप में भारत का प्रवेश रोकना, आतंकवादियों की संयुक्त राष्ट्र में लिस्टिंग में देरी।

भारत की जवाबी तैयारियां

- भारत ने एलएसी पर अटल-सेला जैसी सड़कों-टनलों, एडवांस्ड एयरफील्ड, आईएसआर ड्रोन/सेटेलाइट, फोर्स री-बैलेंस, माउंटेन स्ट्राइक पर फोकस किया है।
- क्वाड, मालाबार जैसे अभ्यास कर रहा है। अमेरिका, फ्रांस, ऑस्ट्रेलिया और जापान से गहरी साझेदारी करने पर जोर है, रूस के साथ भी संतुलन की कोशिश।
- वर्ष 2020 के बाद भारत ने चीनी एप बैन किए, एफडीआई स्क्रूटनी, 5जी में हाईरिस्क वेंडर पर रोक, पीएलआई से घरेलू मैन्युफैक्चरिंग, सप्लाईचेन डीरिस्किंग।
- भूटान-नेपाल-श्रीलंका-मालदीव जैसे पड़ोसी देशों से रिश्ते मजबूत करने की कोशिश, समुद्री क्षेत्र जागरूकता को मजबूत करने पर भी जोर दिया जा रहा है।

पुतिन-ट्रंप की मुलाकात से पहले हलचल तेज

जर्मनी पहुंचे जेलेंस्की चांसलर मर्ज से मिले, पुतिन पर सद्भावपूर्ण बात न करने का शक जताया

बर्लिन, एजेंसी

- कहा- रूस की ओर से युद्ध खत्म करने का कोई संकेत नहीं

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की बुधवार को जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज के साथ वार्ता और अन्य यूरोपीय तथा अमेरिकी नेताओं के साथ डिजिटल बैठकों के लिए बर्लिन पहुंचे। इस सप्ताह के आखिर में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच शिखर बैठक होनी है।

मर्ज ने अलास्का में शिखर बैठक से पहले यूरोपीय और यूक्रेन के नेताओं की आवाज को सुनने के प्रयास के तहत बुधवार को कई बैठकें बुलाई हैं। ट्रंप और पुतिन से यूक्रेन में मास्को के युद्ध को समाप्त करने की दिशा में चर्चा करने की उम्मीद है। जर्मनी सरकार के प्रवक्ता स्टीफन मेयर ने कहा कि बुधवार की बैठकों का उद्देश्य यूरोपीय लोगों की स्थिति स्पष्ट करना है। जेलेंस्की पहले यूरोपीय नेताओं से मुलाकात करेंगे। यह मुलाकात लगभग एक घंटे बाद अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के साथ होने वाली डिजिटल बैठक की तैयारी का हिस्सा है।

यूक्रेन के नेता ने बुधवार को कहा कि अलास्का में शिखर बैठक से पहले उनकी सरकार ने साझेदारों के साथ 30 से अधिक बार बातचीत की है, लेकिन उन्होंने इस बात पर संदेह जताया कि पुतिन सद्भावना के साथ बातचीत करेंगे। अपने आधिकारिक टेलीग्राम चैनल पर जेलेंस्की ने कहा कि फिलहाल ऐसा कोई संकेत नहीं है कि रूस युद्ध समाप्त करने की तैयारी कर रहा है। उन्होंने अमेरिका और यूरोप में यूक्रेन के सहयोगियों से प्रयासों में समन्वय करने और रूस को शांति के लिए मजबूर करने का आग्रह किया।

ट्रंप ने कहा है कि वह देखना चाहते हैं कि क्या पुतिन युद्ध को समाप्त करने के लिए गंभीर हैं। यूक्रेन-रूस के बीच युद्ध का यह चौथा साल है। ट्रंप ने कहा कि शुक्रवार की वार्ता के बाद रूस और यूक्रेन के नेताओं के बीच एक बैठक आयोजित की जा सकती है, या फिर पुतिन और जेलेंस्की और मेरे साथ भी बैठक हो सकती है।

ट्रंप के एकतरफा रुख से यूरोपीय देशों में निराशा

ट्रंप ने यूरोप में अपने सहयोगियों को यह कहकर निराश किया है कि यूक्रेन को रूस के कब्जे वाले कुछ इलाके छोड़ने होंगे। उन्होंने यह भी कहा कि रूस को जमीन की अदला-बदली स्वीकार करनी होगी, हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि पुतिन से क्या-क्या देने की उम्मीद की जा सकती है। यूरोप के सहयोगी देश ऐसी किसी शांति वार्ता में यूक्रेन को शामिल करने पर जोर दे रहे हैं। उन्हें आशंका है कि यूक्रेन को अलग रखते हुए की गई चर्चाएं रूस के पक्ष में जा सकती हैं। ट्रंप ने सोमवार को बार-बार यह कहने से परहेज किया कि वह पुतिन के साथ अपनी चर्चा में जेलेंस्की को शामिल करने के लिए दबाव डालेंगे ताकि उन्होंने जेलेंस्की और शांति की तलाश के प्रयास का हिस्सा बनने में जेलेंस्की की आवश्यकता की दलील को खारिज कर दिया।

पुतिन से खतरा महसूस कर रहे हैं यूरोपीय देश

यूरोपीय देश और यूक्रेन इस बात को लेकर सतर्क हैं कि पुतिन कहीं उनके बिना ही अनुकूल रियायतें हासिल न कर लें और शांति समझौते की रूपरेखा तय न कर दें। यूरोपीय देशों को सबसे ज्यादा डर इस बात का है कि अगर पुतिन यूक्रेन में जीत जाते हैं तो उनकी नजरें यूरोपीय देशों में से किसी एक पर टिक जाएंगी। जेलेंस्की ने मंगलवार को कहा कि पुतिन चाहते हैं कि यूक्रेन दोनेत्स्क क्षेत्र के शेष 30 प्रतिशत हिस्से से हट जाए, जिस पर युद्ध विराम समझौते के तहत उसका अब भी नियंत्रण है। हालांकि, इस प्रस्ताव को पुतिन ने स्पष्ट रूप से खारिज कर दिया। जेलेंस्की ने दोहराया कि यूक्रेन अपने नियंत्रण वाला कोई भी क्षेत्र नहीं छोड़ेगा क्योंकि यह असंवैधानिक होगा और भविष्य में रूसी आक्रमण के लिए एक आधार प्रदान करेगा।

अगले महीने न्यूयॉर्क की यात्रा कर सकते हैं मोदी

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी

- संयुक्त राष्ट्र महासभा सत्र को संबोधित करने वाले शासनाध्यक्षों की सूची में है प्रधानमंत्री का नाम

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सितंबर में संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के वार्षिक उच्च स्तरीय सत्र को संबोधित कर सकते हैं। संयुक्त राष्ट्र द्वारा जारी वक्ताओं की अनंतिम सूची से यह जानकारी प्राप्त हुई है।

संयुक्त राष्ट्र महासभा का 80वां सत्र नौ सितंबर को शुरू होगा। उच्च-स्तरीय आम बहस 23 से 29 सितंबर तक चलेगी, जिसमें ब्राजील पारंपरिक रूप से सत्र का पहला वक्ता होगा। उसके बाद अमेरिका महासभा को संबोधित करेगा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप 23 सितंबर को प्रतिष्ठित यूएनजीए मंच से विश्व के नेताओं को संबोधित करेंगे। 'व्हाइट हाउस' में अपने दूसरे कार्यकाल में यह संयुक्त राष्ट्र सत्र का उनका पहला संबोधन होगा।

महासभा के 80वें सत्र की उच्च-स्तरीय बहस के लिए वक्ताओं की अनंतिम सूची के अनुसार, भारत के शासनाध्यक्ष 26 सितंबर की सुबह सत्र को संबोधित करेंगे। इजराइल, चीन, पाकिस्तान और बांग्लादेश के शासनाध्यक्ष भी उसी दिन संयुक्त राष्ट्र महासभा की आम बहस को संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी इस साल फरवरी में वाशिंगटन डीसी स्थित 'व्हाइट हाउस' में ट्रंप के साथ द्विपक्षीय बैठक के लिए अमेरिका आए थे। अपनी बैठक के बाद जारी एक संयुक्त बयान में, मोदी और ट्रंप ने 2025 तक पारस्परिक रूप से लाभकारी, बहु-क्षेत्रीय द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) के पहले चरण पर बातचीत करने की योजना की घोषणा की थी।

ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी ने ईरान को दी प्रतिबंधों की धमकी

बर्लिन, एजेंसी

- परमाणु कार्यक्रम की समयसीमा नजदीक आने पर हुए सक्रिय

ईरान के अपने परमाणु कार्यक्रम पर पश्चिमी देशों के साथ वार्ता इस महीने के अंत तक पुनः शुरू करने और संयुक्त राष्ट्र परमाणु निगरानी संस्था के साथ सहयोग करने की समय-सीमा करीब आने के बीच ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी के शीर्ष राजनयिकों ने ईरान पर पुनः प्रतिबंध लगाने की धमकी दी है।

'ई3' के नाम से जाने जाने वाले तीनों देशों ने शुक्रवार को संयुक्त राष्ट्र को लिखे पत्र में कहा कि वे स्नैपबैक तंत्र के नाम से जानी जाने वाली प्रक्रिया को शुरू करने के लिए तैयार हैं, जो पश्चिमी पक्षों में से किसी एक को उस स्थिति में संयुक्त राष्ट्र के प्रतिबंधों को फिर से लागू करने की अनुमति देता है, जब तेहरान इसकी आवश्यकताओं का पालन नहीं करता है।

फ्रांस के विदेश मंत्री जीन-नोएल बैरोट ने बुधवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर यह पत्र पोस्ट किया। उन्होंने जर्मनी और ब्रिटेन के शीर्ष राजनयिकों के साथ इस पर हस्ताक्षर किए। पत्र में कहा गया है, ई3 ने हमेशा यह सुनिश्चित करने के लिए अपने सभी कूटनीतिक साधनों का उपयोग करने की प्रतिबद्धता जताई है कि ईरान परमाणु हथियार विकसित न कर सके।

इसमें कहा गया, हमने स्पष्ट कर दिया है कि यदि ईरान अगस्त 2025 के अंत से पहले किसी कूटनीतिक समाधान पर पहुंचने के लिए तैयार नहीं है, या विस्तार के अवसर का लाभ नहीं उठाता है, तो ई3 स्नैपबैक तंत्र को सक्रिय करने के लिए तैयार हैं। पिछले महीने ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाघेई ने कहा था कि उन्हें उम्मीद है कि ई3 राष्ट्र अपने पिछले "गैर रचनात्मक रवैये" पर पुनर्विचार करेंगे।

जश्न की तैयारी

स्वतंत्रता दिवस का जश्न मनाने के लिए देश भर में तैयारियां की जा रही हैं। बुधवार को चंडीगढ़ में राष्ट्रीय कैडेट कोर की गर्ल्स कैडेट ने सेक्टर 17 स्थित परेड ग्राउंड में स्वतंत्रता दिवस परेड के लिए फुल ड्रेस रिहर्सल में भाग लिया। एजेंसी

बांग्लादेश: शेख हसीना के खिलाफ भ्रष्टाचार का केस शुरू

ढाका। बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना, उनकी भतीजी अजमीना सिद्दीक और ब्रिटिश सांसद ट्यूलिप सिद्दीक सहित 17 के खिलाफ आवास भूखंड घोटाले के मामले में बुधवार को ढाका की एक अदालत में शिकायतकर्ता के बयानों के साथ मुकदमा शुरू हुआ। डेली स्टार अखबार की खबर के मुताबिक भ्रष्टाचार रोधी आयोग के सहायक निदेशक एवं शिकायतकर्ता अफनान जन्नत केया ने दोपहर में ढाका में विशेष न्यायालय-4 के न्यायाधीश मोहम्मद रबीउल आलम के समक्ष गवाही दर्ज कराई। इससे पहले, एसीसी के उप निदेशक मोहम्मद सलाहुद्दीन, जो एक अन्य भ्रष्टाचार मामले के शिकायतकर्ता भी हैं, ने हसीना, शेख रेहाना और ट्यूलिप सहित 17 लोगों के खिलाफ दायर एक अन्य मामले में न्यायाधीश आलम के समक्ष अपना बयान दर्ज कराया था। लंदन में रहने वाली सिद्दीक ब्रिटेन की राजधानी के हैम्पस्टेड और हाईगेट निर्वाचन क्षेत्र से सत्तारूढ़ लेबर पार्टी के टिकट पर संसद चुनी गई थीं।

आतंकवादी संगठनों से निपटने के लिए अमेरिका करेगा पाकिस्तान का सहयोग

इस्लामाबाद, एजेंसी

- दोनों देशों ने आतंकवाद के सभी रूपों से लड़ने की अपनी साझा प्रतिबद्धता को दोहराया

पाकिस्तान और अमेरिका ने बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए), इस्लामिक स्टेट-खुरासान और तालिबान सहित प्रमुख आतंकवादी संगठनों से निपटने के लिए सहयोग को और गहरा करने पर सहमति व्यक्त की है।

अमेरिका द्वारा पाकिस्तान स्थित बीएलए को एक विदेशी आतंकवादी संगठन घोषित किए जाने के एक दिन बाद पाकिस्तान और अमेरिका के बीच इस्लामाबाद में हुई द्विपक्षीय आतंकवाद-रोधी वार्ता के दौरान यह सहमति व्यक्त की गयी। इस बैठक की सह-अध्यक्षता पाकिस्तान के संयुक्त राष्ट्र मामलों के विशेष सचिव नबील मुनीर और अमेरिका के विदेश मंत्रालय में आतंकवाद-रोधी कार्यवाहक समन्वयक ग्रेगरी डी. लोजेंफो ने की। बैठक के बाद जारी संयुक्त बयान के अनुसार, दोनों पक्षों ने आतंकवाद के सभी रूपों से लड़ने की अपनी साझा प्रतिबद्धता को दोहराया। बयान में कहा गया है, दोनों प्रतिनिधिमंडलों ने बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी, आईएस-खुरासान और तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान से उत्पन्न खतरों सहित आतंकी खतरों से निपटने के लिए प्रभावी रणनीतियां बनाने के महत्व पर जोर दिया।'' पाकिस्तान और अमेरिका के बीच ''लंबे समय से चली आ रही साझेदारी'' को दोहराते हुए, दोनों पक्षों ने कहा कि आतंकवाद से निपटने और शांति एवं स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए ''लगातार संवाद'' बेहद जरूरी है। अमेरिका ने पाकिस्तान की ''उन आतंकवादी संगठनों पर काबू पाने में लगातार सफलताओं की सराहना की, जो क्षेत्र और दुनिया की शांति व सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करते हैं।''

भारत-पाकिस्तान दोनों से हमारे अच्छे संबंध: अमेरिका

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने कहा है कि अमेरिका के भारत एवं पाकिस्तान दोनों के साथ संबंध अच्छे हैं। विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता टैमी ब्रूस ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि अमेरिका का दोनों देशों के साथ मिलकर काम करना क्षेत्र और विश्व के लिए अच्छी बात है। दोनों देशों के साथ हमारे रिश्ते जैसे पहले थे, वैसे ही बने हुए हैं। यह स्पष्ट है कि यहां के राजनयिक दोनों देशों के प्रति प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने पाकिस्तानी सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर की ट्रंप के साथ बैठक के बाद हथियारों की बिक्री के मामले में पाकिस्तान के लिए अमेरिकी सहायता में वृद्धि की संभावना के बारे में पूछे गए एक प्रश्न का उत्तर देते हुए यह टिप्पणी की। उनसे यह भी सवाल किया गया था कि क्या यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ ट्रंप के संबंधों की कीमत पर हो रहा है।

आज का भविष्यफल

-पं. डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति: 14 अगस्त, गुरुवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-भाद्रपद, पक्ष-कृष्ण पक्ष, षष्ठी 15 अगस्त 02.07 तक तत्पश्चात सप्तमी।

आज का पंचांग

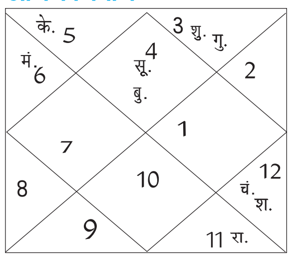

दिशाशूल- दक्षिण, ऋतु- वर्षा।
चन्द्रबल-वृषभ, मिथुन, कन्या, तुला, मकर, मीन।
ताराबल-अश्विनी, भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद, रेवती। नक्षत्र-रेवती 09.06 तत्पश्चात अश्विनी।

मेष — आज व्यापार को लेकर कड़े निर्णय ले सकते हैं। पति-पत्नी के आपसी संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी। आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। नए सहयोगियों के मिलने से आपका मन प्रसन्न-चित्त रहेगा। उच्च अधिकारियों के साथ आपके संबंध मधुर रहेंगे।

वृष — आज प्रेमी जन को प्रपोज करने से बचें। मामूली बातों पर अनबन हो सकती है। धन की कमी के कारण कुछ काम रुक सकते हैं। भावनात्मक रूप से काफी कमजोर महसूस करेंगे। शाम के समय अनचाहे मेहमान आपको परेशान कर सकते हैं।

मिथुन — आज कार्यक्षेत्र में आपको बड़ी जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। सुख-सुविधाओं पर धन खर्च होगा। मौसमी बीमारियों से आपको सावधान रहना चाहिए। बच्चों की गतिविधियों से आपको प्रसन्नता होगी। आज कुछ समय एकान्त में व्यतीत करना चाहेंगे।

कर्क — आज जिन लोगों को स्वास्थ्य समस्या थी उनकी सेहत में सुधार हो सकता है। आपको भागदौड़ी अधिक करनी पड़ेगी। आज अनेक स्रोतों से आपको धन लाभ हो सकता है। परिवार के साथ किसी पर्यटन स्थल की यात्रा कर सकते हैं। अविवाहित लोगों को विवाह प्रस्ताव मिलने के योग बन रहे हैं।

सिंह — आज कार्यक्षेत्र में आपके अनुकूल वातावरण रहेगा। अधिकारी आपकी पदोन्नति को लेकर विचार कर सकते हैं। घर में धर्म-कर्म का वातावरण रहेगा। मित्रों के साथ भविष्य की योजनाओं पर विचार-विमर्श कर सकते हैं। पैतृक संपत्ति के मामलों का समाधान होगा।

कन्या — आज दिन की शुरुआत अच्छी नहीं रहेगी। नींद न पूरी होने के कारण थकान महसूस हो सकती है। अपने मित्रों व नजदीकी लोगों की सफलता से थोड़े ईर्ष्यालु हो सकते हैं। इस कारण आप थोड़ी खिन्नता भी महसूस करेंगे। धैर्यवान रहें और नकारात्मक विचारों को अधिक महत्व न दें।

तुला — आज आर्थिक स्थिति थोड़ी कमजोर हो सकती है। ऐसी स्थिति में वास्तविक मित्रों की पहचान होगी। परिजनों का व्यवहार भी आपके लिये कुछ खास नहीं रहेगा। व्यवसाय को लेकर कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय सोच-समझ कर लें।

वृश्चिक — आज आपके कार्यों की प्रशंसा होगी। अनुभवी लोगों से सलाह लेना बहुत शुभ होगा। जीवनशैली को व्यवस्थित करने का प्रयास करें। तकनीक और कला क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए दिन बहुत अच्छा है। मित्रों के सहयोग से रुके हुए काम बन जायेंगे।

धनु — आज आपके ऊपर अतिरिक्त कार्यभार बढ़ सकता है। शेयर मार्केट से आर्थिक लाभ मिलने के योग बन रहे हैं। आपकी कार्य-कुशलता में वृद्धि होगी। जीवनसाथी के साथ मन की बातें शेयर करेंगे। व्यापार में नए अनुबंध कर सकते हैं।

मकर — आज दांपत्य जीवन की अनबन दूर होगी। प्रतियोगी परीक्षा में अनुकूल परिणाम प्राप्त होंगे। कार्यक्षेत्र में वाद-विवाद होने की आशंका बन रही है। अधिकारियों से आपको डांट खानी पड़ सकती है। जीवनसाथी के प्रेम और साथ से हल्कापन महसूस करेंगे।

कुंभ — आज पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा। घर की सजावट और महंगी वस्तुओं पर धन खर्च करेंगे। जॉब में बदलाव के इच्छुक हैं तो दिन सुखद रहने वाला है। शत्रु आपके सामने काफी कमजोर रहेंगे। हालाँकि आपको अति आत्मविश्वास से भी बचना चाहिए।

मीन — आज आपको मेहनत करते रहना चाहिए। पैतृक संपत्ति को लेकर विवादों का निपटारा होगा। किसी बड़े प्रोजेक्ट में आपको योगदान देने का अवसर मिलेगा। घर के बड़े बुजुर्गों का आशीर्वाद प्राप्त होगा। अपने लक्ष्य को लेकर अधिक अपेक्षा न रखें।

सुडोकू-69

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	1		6			7		
		2		1	5	8		
		6		9				
			1			9		
6		1				3		2
		7		4	8			
		4		6		1		
			8			2	3	
		8			2		5	

सुडोकू - 68 का हल

1	5	9	3	2	4	6	8	7
6	7	3	8	9	1	5	4	2
2	8	4	5	6	7	9	3	1
7	4	5	6	8	9	1	2	3
3	9	6	4	1	2	8	7	5
8	1	2	7	3	5	4	6	9
4	2	7	1	5	6	3	9	8
5	6	8	9	7	3	2	1	4
9	3	1	2	4	8	7	5	6

स्टेडियम

कानपुर नगर, गुरुवार, 14 अगस्त 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

शॉट लगाती यास्तिका भाटिया।

भारत ए ने ऑस्ट्रेलिया को 3 विकेट से हराया

ब्रिस्बेन : यास्तिका भाटिया के अर्धशतक और कप्तान राधा यादव की अगुवाई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन से भारत ए ने बुधवार को यहां पहले महिला एकदिवसीय क्रिकेट मैच में आस्ट्रेलियाई टीम को 48 गेंद शेष रहते हुए तीन विकेट से हरा दिया। इस जीत से भारत अब तीन मैचों की श्रृंखला में 1-0 से आगे हो गया है। बाएं हाथ की स्पिनर राधा ने 45 रन देकर तीन विकेट लिए, जिससे भारत ए ने ऑस्ट्रेलिया ए को 47.5 ओवर में 214 रन पर समेट दिया। भारतीय टीम ने इसके बाद भाटिया (70 गेंदों पर 59 रन) की अगुवाई में बल्लेबाजों के अच्छे प्रदर्शन से 42 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया।

वीनस विलियम्स की बार्बी डॉल।

वीनस विलियम्स बनेगी नई बार्बी डॉल

न्यूयॉर्क : दिग्गज टेनिस खिलाड़ी वीनस विलियम्स जल्द ही 'बार्बी डॉल' के रूप में नजर आएंगी। इस गुड़िया निर्माता कंपनी ने प्रेरणादायी महिलाओं की अपनी सीरीज में वीनस को लेकर 'बार्बी डॉल' बनाई है जिसे शुक्रवार को जारी किया जाएगा। इस गुड़िया को उसी तरह की पोशाक पहनाई गई है जो वीनस ने 2007 में विंबलडन चैंपियन बनने के दौरान पहनी थी। यह वही वर्ष था जब पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में महिलाओं को पुरुषों के बराबर पुरस्कार राशि मिली थी। इस गुड़िया की खुदरा कीमत 38 डॉलर बताई गई है, जिसमें वीनस पूरी तरह सफेद पोशाक में होंगी। उनके गले में हरे रंग का रत्न का हार, कलाई का बैंड हाथों में रैकेट और टेनिस बॉल होगी।

सभी देशों को टेस्ट खेलने की जरूरत नहीं

मेलबर्न : क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी टॉड ग्रीनबर्ग का मानना है कि सभी देशों को टेस्ट खेलने की जरूरत नहीं है क्योंकि इससे वित्तीय रूप से कुछ कमजोर बोर्ड पर बोझ पड़ता है। उन्होंने कहा कि हालांकि टेस्ट खेलने वाले देशों की कोई निश्चित संख्या नहीं है लेकिन 'टेस्ट क्रिकेट की कमी हमारे लिए नुकसानदायक नहीं बल्कि फायदेमंद है।' ऑस्ट्रेलिया ने 2024-25 सत्र में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी की मेजबानी की थी और अब वह इस साल के अंत में एशेज ट्रॉफी के लिए इंग्लैंड का स्वागत करने के लिए तैयार है।

गुलवीर ने बनाया राष्ट्रीय रिकॉर्ड

नई दिल्ली : भारत के गुलवीर सिंह ने बुडापेस्ट में ग्युलाई इस्तवान मेमोरियल हंगेरियन एथलेटिक्स ग्रां प्री में पुरुषों की 3000 मीटर दौड़ की गैर ओलंपिक स्पर्धा में अपने ही राष्ट्रीय रिकॉर्ड को बेहतर किया और पांचवें स्थान पर रहे। गुलवीर ने मंगलवार को सात मिनट 34.49 सेकंड का समय लेकर इस वर्ष फरवरी में बोस्टन विश्वविद्यालय डेविड हेमरी वैलेंटाइन आमंत्रण प्रतियोगिता में बनाए गए अपने ही पिछले राष्ट्रीय रिकॉर्ड 7.38.26 सेकंड में सुधार किया। यह 27 वर्षीय खिलाड़ी यूरोप में अपनी पहली ट्रैक रेस में भाग ले रहा था। यह विश्व एथलेटिक्स की कॉन्टिनेंटल टूर स्वर्ण स्तर की प्रतियोगिता है।

खेल विधेयक छह महीने में लागू कर दिया जाएगा : मांडविया

नई दिल्ली, एजेंसी

खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने बुधवार को बताया कि संसद में सुचारू रूप से पारित होने के बाद ऐतिहासिक राष्ट्रीय खेल प्रशासन विधेयक अगले छह महीने में लागू कर दिया जाएगा और प्रारंभिक कार्य पहले ही शुरू हो चुके हैं जिसमें नियमों का मसौदा तैयार करना और बुनियादी ढांचे की पहचान करना शामिल है।

संसद के दोनों सदनों में विधेयक पारित होने के बाद अपने पहले साक्षात्कार में मांडविया ने विधेयक के उस प्रावधान को 'मानक सुरक्षा' के रूप में उचित ठहराया जो सरकार को असाधारण परिस्थितियों में भारतीय टीमों और व्यक्तिगत खिलाड़ियों की अंतरराष्ट्रीय भागीदारी पर 'उचित प्रतिबंध लगाने' का विवेकाधीन अधिकार देता है।

मांडविया ने अपने आवास पर विशेष बातचीत में पीटीआई से कहा यह विधेयक जल्द से जल्द लागू किया जाएगा। अगले छह महीनों के भीतर शत प्रतिशत कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के लिए सभी प्रक्रियाएं पूरी कर ली जाएंगी इस विधेयक के पारित होने से भारत खेल कानून लागू करने वाला 21वां देश बन जाएगा। इसके सबसे अहम प्रावधानों के कार्यान्वयन के लिए एक राष्ट्रीय खेल बोर्ड (एनएसबी) की स्थापना की जरूरत होगी जो राष्ट्रीय खेल महासंघों (एनएसएफ) को मान्यता प्रदान करेगा और विवादों के समाधान के लिए एक राष्ट्रीय खेल पंचाट (एनएसटी)

तथा एनएसएफ चुनावों की देखरेख के लिए एक राष्ट्रीय खेल चुनाव पैनल (एनएसईपी) का गठन किया जाएगा।

खेल मंत्री ने कहा पदों को बनाने के लिए और अन्य प्रशासनिक अनुमोदन के लिए कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग तथा व्यय विभाग की स्थापित प्रक्रियाओं का पालन किया जाएगा। उन्होंने आगे कहा इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि दोनों संस्थान (एनएसबी और एनएसटी) यथाशीघ्र वैधानिक और प्रक्रियात्मक जरूरतों के अनुरूप पूरी तरह से संचालित हो जाएं।

उन्होंने यह भी दोहराया कि यह विधेयक 'स्वतंत्रता के बाद से खेलों में सबसे बड़ा सुधार' है।

इस विधेयक का एनएसएफ और खिलाड़ियों दोनों ने व्यापक समर्थन दिया है। भारतीय ओलंपिक संघ पहले इसे लेकर संशय में था लेकिन उसने भी खेल मंत्री के साथ गहन चर्चा के बाद इसका समर्थन किया है। विधेयक के पारित होने के साथ ही अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंट में भारत की भागीदारी पर अंतिम फैसला सरकार का होगा जिसकी अघोषित सहमति औपचारिक रूप ले चुकी है।

यह मुद्दा अक्सर तब उठता है जब चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के साथ सीमा पर तनाव होता है जैसा इस साल पहलगाम आतंकी हमले के बाद से देखने को मिला है। मांडविया ने कहा कि विधेयक में सरकार के विवेकाधिकार को किसी विशेष देश को ध्यान में रखकर संहिताबद्ध नहीं किया गया है। मांडविया ने कहा सरकार को अंतर्राष्ट्रीय भागीदारी रोकने का अधिकार देने वाला प्रावधान वैश्विक स्तर पर खेल कानूनों में देखा जाने वाला एक मानक सुरक्षा उपाय है जिसका उपयोग असाधारण परिस्थितियों में किया जाता है। उन्होंने कहा इसमें राष्ट्रीय सुरक्षा खतरों, राजनयिक बहिष्कारों और वैश्विक आपात स्थितियां शामिल होती हैं जो किसी विशेष देश के खिलाफ नहीं है।

खेल मंत्री ने कहा यह व्यवहारिक रूप से पाकिस्तान के साथ खेल टूर्नामेंट से संबंधित फैसले विशेष रूप से द्विपक्षीय संबंधों को प्रभावित करने वाली बड़ी घटनाओं के बाद व्यापक सरकारी नीति और सुरक्षा आकलनों द्वारा लिए जाते हैं।

खेल में सकारात्मक परिवर्तन आएगा

- खेल मंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि नए कानून के कारण भारत के खेल परिदृश्य में सकारात्मक परिवर्तन आएगा। उन्होंने कहा कि अगले एजेंडे में अगले दो दशकों में भारत को विश्व स्तर पर अच्छा प्रदर्शन करने वाले शीर्ष पांच देशों की सूची में लाने के लिए पदक रणनीति बनाना शामिल है। यह अधिनियम ऐसी स्थितियों में निर्णायक और वैधानिक रूप से कार्य करने की सरकार की क्षमता को औपचारिक रूप देता है। साथ ही यह सुनिश्चित करता है कि कोई भी निर्णय ओलंपिक चार्टर और संबंधित अंतर्राष्ट्रीय खेल संस्था के कानूनों के तहत भारत की प्रतिबद्धताओं के अनुरूप रहे। यह मोदी सरकार की स्पष्टता को दर्शाता है।

राष्ट्रमंडल खेल 2030 की मेजबानी के लिए बोली लगाएगा भारत

भारतीय ओलंपिक संघ ने विशेष आम बैठक में औपचारिक रूप से दी मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने बुधवार को यहां अपनी विशेष आम बैठक (एसजीएम) के दौरान 2030 में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी के लिए देश की बोली को औपचारिक रूप से मंजूरी दे दी। भारत ने 2030 के राष्ट्रमंडल खेलों के लिए अहमदाबाद को मेजबान शहर बनाते हुए पहले ही आशय पत्र जमा कर दिया है। भारत को हालांकि 31 अगस्त की समय सीमा से पहले अंतिम बोली के लिए प्रस्ताव जमा करने होंगे।

राष्ट्रमंडल खेलों की सांकेतिक फोटो। एजेंसी

आईओए अध्यक्ष पी टी उषा ने कहा कि अहमदाबाद के साथ-साथ 2010 के मेजबान दिल्ली और भुवनेश्वर पर भी विचार किया जाएगा। उषा ने आधे घंटे से ज्यादा समय तक चली विशेष आम बैठक (एसजीएम) के बाद कहा मुझे खुशी है कि सभी एक साथ हैं और यह सर्वसम्मति से लिया गया फैसला है। अब हम अपनी तैयारी को आगे बढ़ा सकते हैं। हम अभी यह नहीं कह सकते कि अहमदाबाद मेजबान शहर है या नहीं। हमारे पास भुवनेश्वर और दिल्ली में भी अच्छी सुविधाएं हैं।

उन्होंने कहा कुछ परिस्थितियों के कारण 2026 में ग्लासगो में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों में कम खेल शामिल किए गए हैं। अगर हमें 2030 के राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी मिलती है तो उसमें सभी खेल शामिल किए जाएंगे। उनका इशारा 2026 ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों की छोटी सूची की ओर था जिसमें हॉकी, बैडमिंटन, कुश्ती और निशानेबाजी जैसे प्रमुख खेलों को लागत का हवाला देते हुए हटा दिया गया है।

आईओए के सीईओ रघुराम अय्यर से जब पूछा गया कि क्या 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी एक से अधिक शहरों में होने की संभावना है तो उन्होंने कहा हम अभी कुछ नहीं कह सकते। कनाडा के दौड़ से बाहर हो जाने के बाद भारत के लिए 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी पाने की संभावनाएं बढ़ गई हैं। आईओए के संयुक्त सचिव कल्याण चौबे ने कहा निशानेबाजी, तीरंदाजी, कुश्ती जैसे खेलों को इसमें शामिल करने की योजना है। हमारे पारंपरिक खेल जैसे कबड्डी और खो-खो भी इसमें शामिल होने चाहिए।

अहमदाबाद पहुंचेगा प्रतिनिधिमंडल

- **नई दिल्ली :** इस महीने के अंत में राष्ट्रमंडल खेलों के एक प्रतिनिधिमंडल के अहमदाबाद पहुंचने की संभावना है। कार्यकारी परिषद के सदस्य रोहित राजपाल ने कहा राष्ट्रमंडल खेल 2020 में सभी खेल शामिल होंगे। इसमें वह सभी खेल शामिल होंगे जिनमें हमारी पदक जीतने की संभावना अधिक है। खेलों के तीन समूह हैं। पहला, राष्ट्रमंडल खेलों के मुख्य खेल, जो हमेशा होते हैं, फिर वे खेल जिन्हें मेजबान देश चुन सकता है और तीसरा, अतिरिक्त खेल। इनमें हमारे पारंपरिक और स्वदेशी खेल भी शामिल होंगे। राष्ट्रमंडल खेलों की आम सभा नवंबर के आखिरी हफ्ते में ग्लासगो में मेजबान देश का फैसला करेगी। भारत इससे पहले 2010 में दिल्ली में राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी कर चुका है।

वेस्टइंडीज के कप्तान शाई होपशतकीय पारी के दौरान शॉट लगाते। एजेंसी

पाकिस्तान 92 रन पर ढेर वेस्टइंडीज ने जीती सीरीज

टारूबा (त्रिनिदाद) : कप्तान शाई होप के शतक और तेज गेंदबाज जेडन सील्स की घातक गेंदबाजी की मदद से वेस्टइंडीज ने पाकिस्तान को तीसरे और अंतिम एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में 202 रन से करारी शिकस्त देकर तीन मैचों की श्रृंखला 2-1 अपने नाम की।

होप ने 94 गेंद पर नाबाद 120 रन बनाए जिसमें 10 चौके और पांच छक्के शामिल हैं। उनकी इस शानदार पारी की बदौलत वेस्टइंडीज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए छह विकेट पर 294 रन बनाए। पाकिस्तान की टीम इसके जवाब में 29.2 ओवर में 92 रन पर ढेर हो गई। उसके केवल तीन बल्लेबाज ही दोहरे अंक में पहुंचे, जिनमें सलमान आगा ने सर्वाधिक 30 रन बनाए। जेडन सील्स ने 7.2 ओवर में 18 रन देकर छह विकेट लिए। इस तरह से वेस्टइंडीज 1991 के बाद पाकिस्तान के खिलाफ पहली द्विपक्षीय एकदिवसीय श्रृंखला जीतने में सफल रहा।

इसके साथ ही उसने ऑस्ट्रेलिया और पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट और ट्वेंटी-20 प्रारूपों में घरेलू सीरीज में हार का सिलसिला भी समाप्त कर दिया। यह बड़ी जीत कैरेबियाई क्रिकेट के लिए आयोजित दो दिवसीय आपातकालीन सम्मेलन के बाद आई। होप ने ब्रायन लारा और क्लाइव लॉयड जैसे महान खिलाड़ियों के साथ इस सम्मेलन में हिस्सा लिया।

इंग्लैंड में कप्तान ने मुश्किल समय में साथ दिया : आकाशदीप

आकाशदीप।

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय तेज गेंदबाज आकाशदीप ने कहा कि उनका पहला इंग्लैंड दौरा काफी सहज रहा जहां एक कप्तान ने खुद से ज्यादा उन पर विश्वास किया, एक कप्तान ने मुश्किल समय में साथ दिया और माहौल घर जैसा था, जबकि परिस्थितियां विदेशी मैदान से ज्यादा घरेलू मैदान जैसी थी। आकाशदीप ने एक मैच में 10 विकेट और दूसरे में अर्धशतक लगाकर भारत की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जिससे वह रातों-रात स्टार बन गए लेकिन वह यह नहीं भूल सकते कि मुख्य कोच गौतम

- कोच गौतम गंभीर ने खुद से ज्यादा उन पर किया विश्वास

गंभीर ने ओवल में 66 रन बनाने के बाद उनसे क्या कहा था।

इस 29 वर्षीय खिलाड़ी ने पीटीआई से कहा गौतम भाई ने मुझसे कहा, तुमको खुद पता नहीं तुम क्या कर सकते हो। देखो, मैं तुमसे कह रहा था कि तुम यह कर सकते हो। तुम्हें हमेशा इसी समर्पण के साथ खेलना होगा। उन्होंने कहा गौतम भाई बहुत ही जुनूनी कोच हैं। वह हमेशा हमें प्रेरित करते हैं। वह मेरी बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों पर मुझसे भी ज्यादा विश्वास करते हैं। रोहित शर्मा के नेतृत्व में टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करने और अब शुभमन गिल के नेतृत्व में खेलने के बाद बंगाल के इस तेज गेंदबाज के लिए सामंजस्य बिठाना आसान रहा है। उन्होंने कहा कि नया कप्तान शांत स्वभाव का है लेकिन मैदान पर उनके पास कई तरह के आइडिया होते हैं। उन्होंने कहा वह बहुत अच्छे कप्तान हैं। ऐसा नहीं है कि वह नए कप्तान हैं। वह पिछले कुछ वर्षों से आईपीएल में कप्तानी कर रहे हैं, जो एक बड़ा मंच है। यह अनुभव काफी मायने रखता है। जब एक कप्तान आपका समर्थन करता है और चीजों को अच्छी तरह समझता है।

रोहित रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंचे

- **दुबई :** अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में अपने भविष्य को लेकर चल रही चर्चाओं के बीच भारत के दिग्गज बल्लेबाज रोहित शर्मा बुधवार को जारी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की नवीनतम एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंच गए। आईपीएल 2025 के बाद से प्रतिस्पर्धी क्रिकेट नहीं खेलने वाले 38 साल के रोहित ने इस स्थान के फायदे से पाकिस्तान के बाबर आजम को पछाड़ा जो कैरेबिया में वेस्टइंडीज के खिलाफ हाल में संपन्न एकदिवसीय श्रृंखलामें खराब प्रदर्शन के बाद तीसरे स्थान पर खिसक गए। रोहित के 756 अंक हैं और वह भारत के टेस्ट कप्तान शुभमन गिल (784) से पीछे हैं जो पहले नंबर पर बने हुए हैं। पूर्व भारतीय कप्तान विराट कोहली 736 अंक के साथ चौथे स्थान पर बरकरार हैं। रोहित और कोहली दोनों ने भारतीय टीम के इंग्लैंड दौरे से पहले टेस्ट प्रारूप से संन्यास की घोषणा कर दी थी पर वनडे प्रारूप में खेलना जारी रखने की इच्छा व्यक्त की है।

खालिद जमील बने भारतीय फुटबाल टीम के मुख्य कोच

नई दिल्ली, एजेंसी

अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने बुधवार को कहा कि खालिद जमील को दो साल की अवधि के लिए पूर्णकालिक आधार पर सीनियर पुरुष टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया है तथा अपेक्षित परिणाम हासिल करने पर उनके अनुबंध को आगे एक साल के लिए बढ़ाया जा सकता है। एआईएफएफ ने कहा कि जमील ने इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) की टीम जमशेदपुर एफसी से अलग होने के बाद अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं।

जमील अपना पहला अभ्यास शिविर 15 अगस्त को बेंगलुरु के द्रविड़-पादुकोण सेंटर फॉर स्पोर्ट्स एक्सीलेंस में शुरू करेंगे।

- पूर्णकालिक कोच के रूप में दो साल करेंगे काम : एआईएफएफ

भारतीय टीम के साथ उनका पहला टूर्नामेंट सीएएफए नेशंस कप होगा, जहां भारत ग्रुप बी में मेजबान ताजिकिस्तान (29 अगस्त), ईरान (एक सितंबर) और अफगानिस्तान (चार सितंबर) से भिड़ेगा। भारत अक्टूबर में फीफा विंडो में सिंगापुर के खिलाफ एएफसी एशियाई कप 2027 क्वालीफाइंग दो महत्वपूर्ण मैच (नौ और 14 अक्टूबर) खेलेगा।

जमील ने कहा मुझे राष्ट्रीय टीम का मार्गदर्शन करने की जिम्मेदारी सौंपे जाने पर बहुत गर्व की अनुभूति हो रही है। मुझे पिछले कुछ वर्षों में भारतीय खिलाड़ियों को प्रशिक्षण देने का मौका मिला है तथा मैं उनके मजबूत और कमजोर पक्षों को जानता हूं। उन्होंने मनोलो मार्केज का स्थान लिया है, जिनका अनुबंध पिछले महीने एआईएफएफ ने समाप्त कर दिया था। जमील, 2012 में सावियो मेडेरा के बाद पुरुष राष्ट्रीय टीम के कोच बनने वाले पहले भारतीय हैं। उनके पास इंडियन सुपर लीग और आई-लीग में कोचिंग का व्यापक अनुभव है।

सहानुभूति

कहा- जमील ऐसे समय कमान संभाल रहे हैं जब टीम काफी मुश्किल स्थिति में है

कोच जमील के प्रति अफसोस जताया भूटिया ने

नई दिल्ली, एजेंसी

पूर्व भारतीय कप्तान बाईचुंग भूटिया को खालिद जमील के प्रति अफसोस है जिन्होंने ऐसे समय में राष्ट्रीय फुटबाल टीम की कमान संभाली है जब देश में यह खेल मुश्किल दौर से गुजर रहा है। उन्होंने कहा कि अखिल भारतीय फुटबाल महासंघ (एआईएफएफ) ने जमील को इसलिए प्राथमिकता दी क्योंकि वह बहुत अधिक मांग नहीं करेंगे।

खिलाड़ियों के साथ अभ्यास करते पूर्व भारतीय कप्तान बाईचुंग भूटिया (बाएं से दूसरे)।

स्पेन के मनोलो मार्केज की जगह लेने वाले जमील 13 वर्षों में सीनियर राष्ट्रीय टीम के मुख्य कोच नियुक्त होने वाले पहले भारतीय बन गए। भूटिया ने फिदेल कास्त्रो शताब्दी फुटबॉल कप के प्रदर्शनी मैच के बाद पीटीआई वीडियो से कहा हमारे पास दो विश्व स्तरीय कोच थे। हमारे पास इगोर स्टिमक थे जिन्होंने क्रोएशियाई टीम को कोचिंग दी थी। हमारे पास मनोलो मार्केज थे जो सर्वश्रेष्ठ कोचों में से एक हैं। उन्होंने कहा अगर ये दोनों कोच महासंघ के साथ काम नहीं कर सकते, तो आप ऐसे लोगों को लाएंगे जो महासंघ की बात सुनेंगे और वही करेंगे जो महासंघ कहता है तथा महासंघ के सामने अपनी मांगें नहीं रखेंगे। भूटिया ने कहा मुझे लगता है कि जमील घरेलू कोच हैं और वह टीम के लिए नए हैं। उनके लिए मुझे अफसोस है क्योंकि वह ऐसे समय में टीम की कमान संभाल रहे हैं जब टीम काफी मुश्किल स्थिति में है।

डोनारुम्मा ने पीएसजी से नाता तोड़ा

- **पेरिस :** स्टार गोलकीपर जियानलुइगी डोनारुम्मा ने बुधवार को टॉटेनहम के खिलाफ होने वाले यूईएफए सुपर कप फाइनल के लिए पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) की टीम से बाहर किए जाने के कुछ ही घंटों बाद एक संदेश पोस्ट कर कहा कि वह क्लब छोड़ रहे हैं। पीएसजी ने मंगलवार को उस मैच के लिए अपनी टीम की घोषणा की तो हाल में टीम से जुड़ने वाले गोलकीपर लुकास शेवेलियर को बैकअप गोलकीपर मतर्वई सफोनोव और रेनाटो मारिन के साथ टीम में शामिल किया गया था।